E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 301 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

असम में बाढ़ से 22 जिले प्रभावित, ब्रह्मपुत्र समेत 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

गुवाहाटी (हिंस)। लगातार बारिश से असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ब्रह्मपुत्र (निमातीघाट, तेजपुर), सुबनसिरी (बद्राटीघाट), बुरीदिहिंग, धनसिरी (नुमलीगढ़), कपिली (कामपुर, धरमतुल), बराक (छोटा बेकरा, फुलेरटल, एपी घाट, बीपी घाट), रुकनी (धोलाई), धलेश्वरी (घरमुरा), कटाखाल (मातिजुरी) और कुशियारा (श्रीभूमि) नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से 22 जिले प्रभावित हैं। जिनमें लखीमपुर, नगांव, कछार, डिब्रूगढ़, माजुली, तिनसुकिया, शिवसागर, दरंग, गोलाघाट, कामरूप, मोरीगांव, होजाई, हैलाकांदी, धेमाजी, जोरहाट, शोणितपुर, विश्वनाथ, कामरूप (एम), कार्बी आंगलोंग, कार्बी आंगलोंग वेस्ट, डिमा हसाओ और श्रीभूमि जिले शामिल हैं। अब तक 1254 गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। 5,15,039 लोग प्रभावित हुए हैं। 12,610.27 हेक्टेयर फसल क्षतिग्रस्त हुई है। 65 राजस्व सर्कल प्रभावित हैं। 165 राहत शिविर और 157 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। 31,212 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं जबकि 1,54,177 लोग गैर-शिविर राहत केंद्रों से सहायता ले रहे हैं। होजाई में एक पुरुष की मौत की पुष्टि हुई है। हैलाकांदी और डिब्रूगढ़ से एक-एक पुरुष लापता हैं। कुल 4,67,851 पशु प्रभावित हैं जिसमें 1,56,253 बड़े, 1,06,216 छोटे और 2,05,382 पोल्ट्री। गोलाघाट में 2 बड़े पशु और लखीमपुर में 92 (65 बड़े, 27 छोटे) पशु बह गए। लखीमपुर में 84 कच्चे मकान पूरी तरह और 43 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। राहत व बचाव कार्यों में एसडीआरएफ, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस, इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट, स्थानीय प्रशासन व लोग शामिल हैं। 122 मेडिकल टीमें और 50 नावें तैनात की गई हैं। नावों से 711 लोगों और 130 पशुओं को सुरक्षित निकाला गया है।

मुख्यमंत्री ने की असम में सद्भावना और समृद्धि की कृष्णगुरु से कामना

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को आध्यात्मिक विचार, शांति और सद्भावना के संदेश से समाज को आलोकित करने वाले परमगुरु कृष्णगुरु ईश्वर को प्रणाम् अर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्ण भक्ति की अमिय (अमृतमयी) धारा से हमें मोहित कर, एक शक्तिशाली और सर्वांगसुंदर समाज के निर्माण की प्रेरणा देने वाले परमगुरु कृष्णगुरु ईश्वर का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लेकर आए-यही कामना करता हूं। उन्होंने यह संदेश कृष्णगुरु सेवाश्रम से जुड़े एक आध्यात्मिक अवसर पर साझा किया, जो असम के लाखों श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है।

रास्ता चाहिए या नहीं, ये स्थानीय लोग तय करें : मंत्री जयंतमल्ल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने कहा है कि बोंदाजान में सड़क का निर्माण स्थानीय जनता के हित में किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने यह सड़क बनाकर सही किया है या नहीं, इसका फैसला स्थानीय लोग करेंगे। अगर जनता कहती है कि यह रास्ता नहीं चाहिए, तो हम खुद उसे तोड़ देंगे। मंत्री बरुवा ने स्पष्ट किया कि यह रास्ता स्थानीय लोगों की जिंदगी आसान बना रहा है, लेकिन अगर आम लोग इसे अनावश्यक मानते हैं, तो सरकार अपने स्तर पर उसे हटाने के लिए भी तैयार है। इस बीच, कृत्रिम बाढ़ को रोकने के लिए शिलसाको क्षेत्र में फिर से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया, जिसमें मंत्री जयंतमल्ल बरुवा स्वयं मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी की। यह अभियान इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट परिसर में चलाया गया, जहां प्रशासन ने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है।

मानाह राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना ब्लैक पैंथर

उदालगुड़ी (हिंस)। निचले असम में स्थित मानाह राष्ट्रीय उद्यान में ब्लैक पैंथर की गतिविधियों ने पर्यटकों को काफी आकर्षित किया है। यह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मानाह के बांसबाड़ी रेंज में दो ब्लैक पैंथर की गतिविधियों ने मानाह आने वाले पर्यटकों को आनंदित किया है। ज्ञात हो कि ब्लैक पैंथर की जनसंख्या काफी कम है। अन्य अभयारण्यों में ब्लैक पैंथर दिखाई नहीं देते हैं। मानाह के टूरिस्ट गाइड के कैमरे में दो ब्लैक पैंथर के अलग-अलग दृश्य कैद हुए हैं। एक ब्लैक पैंथर रास्ते के बीच में और दूसरा पेड़ की डाल पर बैठे हुए का दृश्य कैमरे में कैद हुआ है।

बरपेटा के कलगछिया में पानी से भरे तालाब में गिरी यात्री बस

बरपेटा (हिंस)। असम के बरपेटा जिले के कलगछिया इलाके में मंगलवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार में चल रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पानी से भरे तालाब में जा गिरी। मिली जानकारी के अनुसार, बस में पुरुष, महिलाएं और बच्चे सहित बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया और यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल बरपेटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, बस के कई यात्री घायल हुए हैं। बस में सवार एक यात्री ने बताया कि वह दो बच्चों के साथ यात्रा कर रहा था, तभी अचानक बस अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई। उसका कहना है कि बस पूरी तरह से भरी हुई थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि हादसे के बाद वह जैसे-तैसे बाहर निकलकर खुद भी बचाव कार्य में शामिल हो गया। यात्रियों का कहना है कि सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है, लेकिन यह आशंका बनी हुई है कि कहीं कोई तालाब के भीतर फंसा न हो। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल ने बस को तालाब से निकालने का प्रयास शुरू कर दिया है।

सांसद गौरव गोगोई ने संभाली असम कांग्रेस की कमान

गुवाहाटी (हिंस)। 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी को रफ्तार देने के लिए लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने मंगलवार को औपचारिक रूप से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। गुवाहाटी स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित समारोह में उन्होंने भूपेन कुमार बोरा से पदभार ग्रहण किया, जिन्होंने बीते तीन वर्षों से अधिक समय तक पार्टी का नेतृत्व किया। इस अवसर पर एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यभार ग्रहण करने से पहले गोगोई

ने कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और अपनी नई राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की। पदभार संभालने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, हितेश्वर सैकिया और मेरे पिता तरुण गोगोई की विचारधारा से प्रेरित होकर हम कांग्रेस को आगे ले जाएंगे। हमारी प्रतिबद्धता समावेशिता और समानता के मूल मूल्यों के प्रति अडिग है। कांग्रेस से लोकसभा सांसद गोगोई की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उनपर उनकी ब्रिटिश पत्नी के कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाया है। इससे पहले, उन्होंने शिवसागर से गुवाहाटी तक तीन दिवसीय प्रतीकात्मक पदयात्रा निकाली, जिसमें उन्होंने तिताबर, जोरहाट, नगांव, मोरीगांव और जगीरोड में पड़ाव डाले। हर जगह पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे उनकी जमीनी पकड़ और जनसंपर्क क्षमता का प्रदर्शन हुआ। अब जबकि पार्टी की कमान उनके हाथों में है, राजनीतिक हलकों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि कांग्रेस उनके नेतृत्व में 2026 के चुनाव में खुद को कैसे संगठित करती है और चुनौतीपूर्ण मुकाबले के लिए तैयार होती है।

मानसून के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिरांग में निषेधाज्ञा जारी

चिरांग (हिंस)। मानसून के आगमन और आई, नंगलभंगा, चम्पा सहित अन्य प्रमुख नदियों व उनकी सहायक नदियों के जलस्तर के बढ़ने की आशंका को देखते हुए, चिरांग जिला दंडाधिकारी जतिन बोरा ने भारतीय न्यायिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। संभावित जलभराव के चलते आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है, जिससे जनसुरक्षा को गंभीर खतरा है। इस आदेश का उद्देश्य तूफानी मौसम में असुरक्षित नौका संचालन, नदी किनारों पर सार्वजनिक गतिविधियों, जानमाल के नुकसान और दुर्घटनाओं को रोकना है। आदेश के तहत अवैध घाटों और नदियों में निजी नावों का संचालन व मछली पकड़ने की गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गई हैं। अधिसूचित घाटों पर पट्टाधारकों द्वारा शाम 5 बजे से सुबह 6 बजे तक नावों का संचालन भी सीमित किया गया है। बिना जीवन रक्षक जैकेट, बुआय, गोताखोर और रस्सियों जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं के नौका संचालन पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। नावों में क्षमता से अधिक सवारियां ले जाना, बारिश या तूफानी मौसम में नाव चलाना और खराब स्थिति में नावों का संचालन पूरी तरह निषिद्ध है। साथ ही, नदियों, नालों और क्षतिग्रस्त या धंसे हुए सड़कों के पास आम जनता का जाना प्रतिबंधित किया गया है। किसी भी व्यक्ति द्वारा नदियों या नालों को पार करना भी इस आदेश के अंतर्गत वर्जित है। मानव जीवन और संपत्ति की रक्षा की तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है।

अरुणाचल के जीरो घाटी में भारतीय सेना ने चलाया ऑपरेशन सद्भावना

जीरो (हिंस)। भारतीय सेना की स्पीयर कॉर्प्स ने ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत जीरो घाटी में एक महत्वपूर्ण नागरिक संपर्क अभियान चलाया। इसका उद्देश्य समग्र विकास, सामुदायिक कल्याण और राष्ट्र निर्माण के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर टेगे टाकी, जिला उपायुक्त लोअर सुबनसिरी विवेक और अपातानी जनजाति के जिला अध्यक्ष डोला पुरा उपस्थित रहे। *वी सर्व बेयंड बॉर्डर्स* के आदर्श वाक्य के साथ इस अभियान ने संवेदनशीलता, सशक्तिकरण और जनसंपर्क का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत किया। सेना ने जमीनी स्तर पर जरूरतों को समझते हुए कई सराहनीय

गतिविधियां संचालित कीं। जीरो वैली प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों को आवश्यक स्टेशनरी किट वितरित की गईं, जिससे शिक्षा को बढ़ावा मिले और बच्चों में अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा जगे। जनस्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाने हेतु तीन मोबाइल शौचालय इकाइयां स्थापित की गईं, ताकि दूरदराज क्षेत्रों में भी सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए ओपन-एयर जिम उपकरण भेंट किए गए, जिससे स्वास्थ्य और सामूहिक सशक्तिकरण की संस्कृति को बल मिले। इस जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से भारतीय सेना की स्पीयर कॉर्प्स ने यह संदेश दिया कि सेना की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सामाजिक उत्थान, जनसेवा और मानवीय जुड़ाव में भी अग्रणी है। जीरो की जनता ने इस प्रयास का दिल से स्वागत करते हुए, पूर्वोत्तर में सदैव सशक्त और सकारात्मक नागरिक-सैन्य संबंधों की परंपरा को और मजबूत किया।

पुलिस हिरासत से दो मवेशी चोर फरार, तलाश में जुटी पुलिस टीम

मोरीगांव (हिंस)। पुलिस की विफलता के चलते मायंग में पुलिस हिरासत से दो मवेशी चोर फरार हो गए। चोरों के भागने की जानकारी के बाद ग्रामीणों में रोष है। बीती रात की घटना को लेकर मायंग पुलिस मंगलवार सुबह तक विभिन्न इलाकों में चोरों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान जारी रहा। लेकिन पुलिस कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस हिरासत से भागे दोनों मवेशी चोरों की पहचान मायंग थाना अंतर्गत कूसियानी निवासी आसादुल और मुसरफ के रूप में हुई है। वर्तमान में चोरों का कोई सुराग पुलिस को नहीं मिल पाया है। चोरों के भागने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया है। बीते एक जून की मध्य रात्रि को मायंग के बरकुरानी में मवेशी चुराने आए चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया था। बाद में दोनों की पीटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। हालांकि, मौके से अन्य चार चोर फरार होने में सफल हो गए। पुलिस ने सोमवार को मोरीगांव की अदालत में पेश किया था, जहां से अदालत ने दोनों चोरों को दो दिनों की पुलिस की हिरासत में भेज दिया था। चोरों को लेकर अदालत से लौटते समय अंधेरा हो गया था। इस बीच पुलिस थाने से कुछ दूर पहले यानी चोरों के घर कूसियानी गांव पहुंचते ही मौका पाकर चोर हैंडकफ खोलकर चलती गाड़ी से कूदकर फरार हो गए। गांव में पुलिस ने पूरी रात चोरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाए रखा, लेकिन उन्हें अभी तक सफलता नहीं मिली है। दो चोरों द्वारा हैंडकफ खोलकर पुलिस की गाड़ी से भागने की घटना को लेकर पुलिस पर कई सवाल उठ रहे हैं।

ट्रक से संदिग्ध हेरोइन बरामद दो को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। एक गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया पुलिस ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे सिलचर से बरपेटा की ओर जा रहे एक ट्रक जिसका पंजीयन नंबर एएस 15 एसी 9741 को रंगिया सोसायटी चौक के पास स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोककर तलाशी अभियान चलाया। रंगिया थाना प्रभारी नवजीत नाथ के दिशानिर्देश और नगर परिदर्शक विष्णु ज्योति बोरा के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम द्वारा चलाए गए इस अभियान में पुलिस ने ट्रक से संदिग्ध हेरोइन (वजन 10 ग्राम) सहित साबुन का एक डिब्बा, एक ट्रक पंजीयन नंबर ए एस 15 एसी 9741 और दो मोबाइल फोन जब्त करने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा ट्रक के चालक हाफिजुद्दीन, निवासी रायपुर, बरपेटा और सहायक रियाजुद्दीन, निवासी शिमलाझार, भौतुपुर, बरपेटा को पकड़ लिया गया है। पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए पुलिस थाने में लाया गया है।

रंगिया पुलिस ने चोरी की सामग्री के साथ दो चोरों को पकड़ा

रंगिया (विभास)। रंगिया थानांतर्गत तोरोनी निवासी ब्यूटी दास नामक एक महिला की शिकायत के आधार पर रंगिया पुलिस ने दो चोरों को पकड़ने के साथ चोरी की गई सामग्री को बरामद करने में सफलता हासिल की है। रंगिया थाना प्रभारी नवजीत नाथ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महिला ने रंगिया थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रंगिया के वार्ड नंबर 2 में एक सिलाई की दुकान चलाती है। 26 मई की रात को कुछ अज्ञात चोरों ने लकड़ी का दरवाजा तोड़कर उसकी दुकान में घुस गए और दुकान से उसकी कढ़ाई की मशीन, एक गैस सिलेंडर और एक लोहे की इस्त्री चुरा ले गए। इस आधार पर रंगिया थाने में मामला संख्या 114/25, बी एन.एस. की धारा 331(4)/305 के तहत दर्ज किया गया। रंगिया थाना प्रभारी नवजीत नाथ और नगर परिदर्शक विष्णु ज्योति बोरा द्वारा की गई जांच के दौरान चोरी सामग्री के साथ चोर ज्योतिस दास, गांव भक्तापारा, बरपेटा सी/ओ: नजरुल इस्लाम निवासी वार्ड नंबर 2 थाना रंगिया

और सामान प्राप्त करने वाले अबूबकर सिद्दीकी (बोगा) वार्ड नंबर 2 थाना रंगिया की पहचान की गई है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा चोरी की गई कढ़ाई की मशीन और सिलेंडर भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया है।

जोगदोई में यूपीपीएल का बूथ सम्मेलन आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के जोगदोई में यूपीपीएल दल का सात नंबर फकीराग्राम बीटीसी समष्टि के ब्लॉक समिति का बूथ सम्मिलन का आयोजन किया गया। इस सम्मिलन में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीसी के चीफ एवं यूपीपीएल के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो उपस्थित थे। साथ ही 30 नंबर कोकराझाड़ के विधायक लोरेंस इस्लारी, बीटीसी के एमसीएलए रेव नार्जारी, यूपीपीएल के केंद्रीय समिति के साधारण सचिव राजू नार्जारी, फकीराग्राम क्षेत्र के पूर्व एमसीएलए अफजाल हक सरकार, फकीराग्राम ब्लॉक के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में यूपीपीएल के समर्थक एवं

कर्मीगण उपस्थित थे। इस सभा में बीटीसी के चीफ एवं यूपीपीएल दल के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने पत्रकारों के साथ हुए एक इंटरव्यू में कहा कि बीटीसी के 40 क्षेत्र में यूपीपीएल का बूथ सम्मेलन होगा। इस तर्ज में आज फकीराग्राम में बूथ सम्मिलन का आयोजन किया गया है। इस सभी बूथ सम्मेलन में 2500 से 3000 की संख्या में बूथ कर्मी उपस्थित रहेंगे। आज फकीराग्राम में आकर देखा हूं की वर्ष 2000 में जो यूपीपीएल दल की स्थिति थी उससे सैकारों गुण अच्छा हो गया है।

न्यू बंगाईगांव में संत शिरोमणी श्री हाथा बाबा की प्रतिमूर्ति स्थापित

बिजनी। न्यू बंगाईगांव स्थित श्रीगौरीशंकर हनुमान हाथाबाबा मंदिर परिसर में आज से 7 जून तक आयोजित चार दिवसीय श्री हनुमान जी की प्राण-प्रतिष्ठा तथा ब्रह्मलीन संत शिरोमणी हाथा बाबा की प्रतिमूर्ति स्थापना समारोह का प्रथम चरण के कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। इस दौरान प्रातः 5 बजे से अष्ट प्रहर कीर्तन का शुभारंभ किया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों से पधारे राम धून और कृष्ण धून की भिन्न-भिन्न टोलियों ने अष्ट प्रहर में उपस्थित भक्तों को धार्मिक भावनाओं को जागृत करने के लिए अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। संचालन कमेटी के अध्यक्ष डॉ बांकेलाल शर्मा के मुताबिक प्रातः 9 बजे से श्रीगणेश पूजन के साथ ही पूजन कार्यक्रम आरंभ किया गया। जिसमें मनोज सिंघी-श्रीमती कुसुम सिंघी, रामशंकर चौधरी-श्रीमती विष्णु देवी और विजय जयसवाल-बीना देवी ने यजमान के तौर पर शामिल हुए। वेदी पूजन और गुरुपूजा के साथ ही ब्रह्मलीन संत शिरोमणी हाथा बाबा की प्रतिमूर्ति स्थापना और मंडल पूजा की गई। अपराह्न 2 बजे से भव्य कलशयात्रा निकाली गई। जिसमें केसरिया

रंग के परिधानों में सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष भक्तजन शामिल होकर धार्मिक यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराके कार्यक्रम आगे बढ़ाया। सांयकाल 5 बजे से जलाधिवास और हवन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इससे पूर्व बीते कल सांयकाल को 6 बजे से अखंड कीर्तन का अधिवास प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात रात्रि 8 बजे से श्री सालासर हनुमान भक्त मंडल द्वारा जागरण के तहत भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित होकर रसभरे भजनों का आनंद लेते हुए दिखाई दिए।

जीतो गुवाहाटी चैप्टर का प्रेरणा नामक सम्मान समारोह आयोजित

गुवाहाटी। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) गुवाहाटी चैप्टर के तत्वावधान में प्रेरणा नामक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में आयोजित मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में असम सहित पूर्वोत्तर से आए सैकड़ों विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईएएस अधिकारी तथा तथास्तु की संस्थापक डॉ. तनू जैन, विशिष्ट अतिथि के रूप में गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त अंकुर जैन आईपीएस, जीतो गुवाहाटी चैप्टर के चेयरमैन सुनील कठोतिया, जीतो इनोवेशन टेक्नोलॉजी इंटरप्रेनरशीप के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवेन कामदार, जीतो ईस्ट जोन के सलाहकार निर्मल कोटेचा, जीतो नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के मुख्य सचिव प्रतीक लुणावत मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र व दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। तत्पश्चात स्वागत संबोधन देते हुए जीतो नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर के चेयरमैन सुनील

पूर्वोत्तर के मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कठोतिया ने कहा कि जीतो हमेशा से ही विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते आया है। यह कार्यक्रम उसी कड़ी में से एक हैं। इस दौरान विशिष्ट अतिथि आईपीएस अधिकारी अंकुर जैन ने अपने संबोधन में बच्चों को भविष्य में एआई के जरिए आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए खुद को तैयार करने की दिशा में मर्गदर्शन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. तनू जैन ने बच्चों को प्रभावी तरीके से मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बच्चे पहले यह तय कर कि उन्हें अपने जीवन में क्या करना है। जब तक वे लोग अपना लक्ष्य तय नहीं करेगा तब तक वे दुविधा में रहेंगे। इस दौरान जीतो गुवाहाटी चैप्टर के चेयरमैन सुनील कठोतिया ने कहा कि जीतो यूथ विंग की सदस्यता शुल्क 11000 रुपए है, लेकिन मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में उक्त दिन उसका शुल्क 1100 रखा गया। ऐसे में 108 बच्चों ने सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह के दौरान एएसएसईबी, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड में शानदार अंकों से उत्तीर्ण हुए 10वीं व 12वीं के 200 से अधिक बच्चों को प्रशस्तिपत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। हालांकि भारी बरसात के चलते पूर्वोत्तर के कई स्थानों से जो बच्चें नहीं पहुंच पाए, उनका प्रशस्तिपत्र जीतो कूरियर के जरिए भिजवाने की व्यवस्था करेगा। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में जीतो नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर के अलावा जीतो यूथ विंग, जीतो लेडिज विंग, जीतो बिजनेस नेटवर्क आदि के सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 11 | अंक : 301 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पाकिस्तान ने माना-भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमलों में भारी नुकसान पहुंचाया पेज 4
जो समाज अपने इतिहास से विमुख हो जाता है उसकी स्थिति जड़ से कटे... पेज 5
भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ब्राजील खुलकर साथ पेज 7
योगी कैबिनेट का फैसला : पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी राज्य सरकार पेज 8

सिलचर पहुंचे मुख्यमंत्री ने स्थिति का लिया जायजा, कहा-

बाढ़ रोकथाम के लिए जलनिकायों का संरक्षण जरूरी

कछार (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए जलनिकायों का संरक्षण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने मंगलवार को कछार जिले के सिलचर का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और शहर के आसपास मौजूद जलनिकायों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मलिनी बील, महीषा बील, रंगीरखाल और सिंगरखाल जैसे जलनिकायों का संरक्षण नगरीय बाढ़ नियंत्रण के लिए बेहद अहम है, क्योंकि ये प्राकृतिक जल-संग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने चेताया कि यदि ऐसे जलनिकाय खत्म हो जाते हैं, तो पूरे इलाके में जलनिकासी की स्थिति चरमरा जाती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार नगरीय बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक नीति बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि जलनिकायों की पुनः प्राप्ति और शहर के जल निकासी ढांचे में सुधार के -शेष पृष्ठ पांच पर

पीएम ने सीएम को फोन कर राज्य की बाढ़ का जाना हाल

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा को फोन कर असम में आई बाढ़ को लेकर बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि कुछ समय पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में बाढ़ की मौजूदा स्थिति के बारे -शेष पृष्ठ पांच पर

चीन ने ब्रह्मपुत्र रोका तो होगा भारत को फायदा

पाकिस्तान की धमकी पर बोले सीएम शर्मा

गुवाहाटी। भारत की ओर से सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के बाद से पाकिस्तान यह दावा कर रहा है कि चीन उसका साथ देते हुए भारत के लिए ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह रोक सकता है। पाक की इस धमकी पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान एक नई *मनगढ़ंत धमकी* की कहानी बुन रहा है कि अगर चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह रोक दे तो भारत का क्या होगा। सीएम शर्मा ने इस मसले पर साफ किया कि फिलहाल चीन ने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन अगर ऐसा होता भी है, तो यह हकीकत में भारत के लिए -शेष पृष्ठ पांच पर

देश में 4,000 से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। देश में मंगलवार तक कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 4,000 को पार कर गई। पिछले 24 घंटों में पांच लोगों की मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने केरल में एक, महाराष्ट्र में दो, तमिलनाडु में एक और पश्चिम बंगाल में एक व्यक्ति की कोरोना की वजह से मौत की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 4026 है। सबसे ज्यादा संक्रमित लोग केरल में मिले हैं।

मेघालय : इंदौर टूरिस्ट केस में परिवार ने की सीबीआई जांच की मांग

गुवाहाटी (हि.स.)। मेघालय की पहाड़ियों में लापता हुए इंदौर के टूरिस्ट दंपति का मामला अब संदेह के घेरे में आ गया है। आठ दिन की खोजबीन के बाद राजा रघुवंशी का शव वेसावडोंग वॉटरफॉल के पास एक गहरे खड्ड से बरामद किया गया। शव की पहचान उसके शरीर पर बने टैटू के आधार पर की गई। खतरनाक इलाके में ड्रोन की मदद से शव को निकाला गया, जो इस ऑपरेशन की चुनौती को दर्शाता है। वहीं, मृतक राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अब भी लापता हैं। पुलिस और राहत दल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और विशेष जांच -शेष पृष्ठ पांच पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अंबुवासी मेले की तैयारियां जारी, सरकार ने व्यवस्थाओं के लिए 4.55 करोड़ रुपए आवंटित किए

गुवाहाटी। सरकार ने कामाख्या मंदिर में 22 से 26 जून तक आयोजित होने वाले अंबुवासी मेले के सुचारू संचालन के लिए 4.55 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने कहा कि तैयारियां पहले से ही चल रही हैं और सरकार श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तैयार है। दास ने कहा कि सरकार ने आज 24 विभागों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें कामरूप मेट्रो के डीसी, पर्यटन निदेशक और एपीडीसीएल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, जिसमें व्यवस्थाओं के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर तैयारियों का जायजा लेने के लिए 9 जून को कामरूप मेट्रो डीसी कार्यालय और कामाख्या मंदिर में एक और बैठक होगी। दिव्यांग श्रद्धालुओं और पहाड़ी पर चढ़ने में असमर्थ श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। दास ने कहा कि हर साल की तरह, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वैकल्पिक मार्ग चालू -शेष पृष्ठ पांच पर

पूर्वोत्तर में बारिश और बाढ़ का कहर, 5.5 लाख से अधिक प्रभावित, 36 की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के उफान से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 36 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 5.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बारिश के चलते सड़क, रेल और नौका सेवाएं बाधित हो गई हैं। क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। राहत और बचाव कार्य एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना की मदद से तेजी से जारी है। असम के 22 जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, राज्य की 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से लखीमपुर और कछार का दौरा किया और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं, सिक्किम में भी भूस्खलन से तीन सैनिकों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हैं। मृतकों की पहचान हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लाखड़ा के रूप में हुई है। लाचुंग और चुंगथांग से 1,678 फंसे पर्यटकों को -शेष पृष्ठ पांच पर

सुप्रभात

दौलत, दोस्त, पत्नी और राज्य दोबारा हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन ये शरीर दोबारा हासिल नहीं किया जा सकता।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम में 3.6 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी में मंगलवार रात मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। बताया गया है कि रात 08 बजकर 25 मिनट 43 सेकेंड पर भूकंप का झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी -शेष पृष्ठ पांच पर

देवी कामाख्या की अवमानना के आरोप में वजाहत खान के खिलाफ मुकदमा

कोलकाता (हि.स.)। असम सरकार ने हिंदू धर्म और देवी-देवताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियों के मामले में कोलकाता निवासी वजाहत खान कादरी राशिदी के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज किया है। देवी कामाख्या असम सहित देश के धार्मिक और सांस्कृतिक विश्वस में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि आरोपित द्वारा की गई टिप्पणियां न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली -शेष पृष्ठ पांच पर

नए प्रदेश अध्यक्ष गोगोई के सम्मान समारोह में मची अफरा-तफरी, रोकना पड़ा कार्यक्रम

गुवाहाटी। असम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में प्रदेश अध्यक्ष गोगोई को बधाई देने वालों की होड़ रही। आलम यह रहा कि गोगोई के सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए। आयोजकों ने जब मंच गिरने की आशंका जताई तो कार्यक्रम में अफरातफरी मच गई। इसके चलते दो बार कार्यक्रम को कुछ देर के लिए रोका गया। कांग्रेस ने असम में गौरव गोगोई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। मंगलवार को उन्होंने पदभार ग्रहण किया। इसके बाद गौरव गोगोई के सम्मान में दिसपुर क्षेत्र में मनबेंद्र शर्मा कॉम्प्लेक्स कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गौरव गोगोई ने तीन नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्षों के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग -शेष पृष्ठ पांच पर

चुनाव आयोग ला रहा नई तकनीक

अब हर दो घंटे में मिलेगा सटीक वोटिंग परसेंटेज

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने मतदान रुझानों की समय से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रक्रिया को तकनीकी और त्वरित बनाने का निर्णय लिया है। इससे पुराने मैनुअल तरीके की तुलना में देरी कम होगी और मतदान प्रतिशत से जुड़ी जानकारी समय पर मिल सकेगी। इससे पहले मतदान प्रतिशत का आंकड़ा क्षेत्रीय अधिकारी फोन, संदेश या एसएमएस से भेजता था। जानकारी देर रात या अगले दिन तक अपडेट होती रहती थी। इससे असल आंकड़े जारी -शेष पृष्ठ पांच पर

अकेले पड़ गए यूनुस, बांग्लादेश के सबसे बड़े दल को भी लेना पड़ा भारत का सहारा

ढाका। शेख हसीना के बाद खालिदा जिया की पार्टी ने भी बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर भारत के खिलाफ बयान देकर लोगों को गुमराह का आरोप लगाया है। ढाका में एक बैठक में बीएनपी के प्रतिनिधि ने कहा कि यूनुस चुनाव नहीं कराना चाहते हैं, इसलिए भारत का नाम लेकर टाल-मटोल कर रहे हैं। बीएनपी के प्रतिनिधि सलाहुद्दीन का कहना था कि आप बार-बार कह रहे हैं कि एक देश बांग्लादेश में जल्दी से चुनाव चाहता है। हम पर भी आप भारत की तरह बात करने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन क्या आप बताएंगे कि आप आखिर चुनाव क्यों नहीं करा रहे हैं? सलाहुद्दीन ने कहा कि सुधार को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। सरकार यह नहीं बता सकती है कि आखिर पिछले 10 महीने में क्या-क्या हुआ? जब 10 महीने में कुछ नहीं हुआ, तो अगले 10 महीने में क्या हो जाएगा? सलाहुद्दीन के मुताबिक यूनुस की सरकार सिर्फ बयानबाजी पर चल रही है। सरकार न्यूट्रल नहीं है। एक पक्ष को बढ़ाने के लिए मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है। इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। यूनुस की बैठक में सलाहुद्दीन ने कहा कि आपने जापान में यह बयान दिया कि सिर्फ एक -शेष पृष्ठ पांच पर

भूकंप के बीच 213 कैदी कराची जेल से हथियार छीनकर भागे

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में आधीरात के आसपास आए भूकंप के दौरान मची अफरातफरी के बीच सिंध प्रांत की राजधानी कराची के मलीर जिला जेल से 213 कैदी भाग गए। हालांकि, बाद में 78 कैदियों को पकड़ लेने का दावा किया गया है, लेकिन सिंध सरकार ने जेल ब्रेक की जांच के लिए समिति गठित करने का फैसला लिया है। सिंध के जेलमंत्री अली हसन ने आईजी जेल और डीआईजी जेल से रिपोर्ट मांगी है। कराची में पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और पूरे शहर में गश्त बढ़ा दी गई है। दुनिया न्यूज टीवी चैनल की खबर के अनुसार सिंध के पुलिस महानिदेशक गुलाम नबी मेमन ने बताया कि सोमवार देर रात मलीर जेल से 213 कैदी भाग गए। उनमें से 78 को पकड़ लिया गया है। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण जेल प्रशासन ने 2,000 कैदियों को गिनती के लिए बैरकों से बाहर निकाला। इस दौरान सुरक्षा कर्मचारियों के हथियार छीनकर कैदी भागने लगे। जेल में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर हवाई फायरिंग करनी पड़ी। गोलीबारी में एक कैदी की मौत हो गई। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने कहा कि कैदियों को खुले मैदान में इकट्ठा होने देने का फैसला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जवाबदेही तय करने के लिए जांच समिति गठित करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री शाह ने माना कि कैदियों ने पुलिसकर्मियों से हथियार छीन लिए और गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान एक कैदी की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। गोलीबारी में तीन सुरक्षा कर्मी भी घायल हो गए। विभिन्न क्षेत्रों से करीब 78 कैदियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नौ संदिग्धों को भी हिरासत में लिया। सिंध के जेलमंत्री अली हसन ने कहा कि आईजी जेल और डीआईजी जेल से रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि इलाके की घेराबंदी की जाए। भागे हुए सभी कैदियों को हर -शेष पृष्ठ पांच पर

पाकिस्तान ने माना- भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान हमलों में भारी नुकसान पहुंचाया

- व्यापक नुकसान के कारण ही पाकिस्तान के पास नहीं बचा था युद्धविराम के अलावा कोई विकल्प

नई दिल्ली, (हि.स.)। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने उन पाकिस्तानी ठिकानों को भी निशाना बनाया था, जिनके बारे में हवाई हमलों के बाद भारतीय वायु सेना या डीजीएमओ ने नहीं बताया था। पाकिस्तान ने 18 मई को कई देशों को सौंपे गए अपने डोजियर में माना है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों से पाकिस्तान में कहीं ज्यादा नुकसान हुआ है।डोजियर में साफ तौर पर दिखाया गया है कि भारत ने पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरांवाला, बहावलनगर, अटॉक और चोर पर हमला किया। पाकिस्तान के एक आधिकारिक डोजियर से पता चला है कि भारत ने अपने बताए गए लक्ष्यों की तुलना में कम से कम सात अधिक लक्ष्यों पर हमला किया। डोजियर के नक्शों में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, बहावलनगर, अटॉक और चोर पर हमले दिखाए गए हैं। पिछले महीने हवाई हमलों के बाद प्रेस वार्ता में भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने इन स्थानों का नाम नहीं लिया था। नए रहस्योद्घाटन से पता चलता है कि भारत ने जितना स्वीकार किया था, उससे कहीं अधिक अंदर तक हमला किया था। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए पाकिस्तान ने भारत से

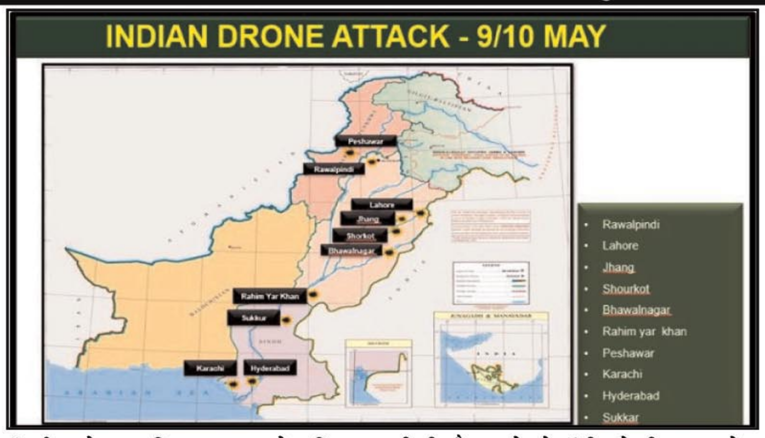

संपर्क करके युद्ध विराम का अनुरोध किया। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 सैलानियों में विधवा हुई महिलाओं के उजड़े सुहाग को ध्यान में रखते हुए 6/7 मई की आधी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। भारत ने बिना सीमा पार किए हैमर, स्कल्प और मिसाइलों से पाकिस्तान और पीओके के नौ आतंकी शिविरों पर हमला करके जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकानों को तबाह कर दिया। भारत ने हवाई हमलों के बाद इसकी अधिकृत जानकारी भी दी थी। मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने भी उपग्रह इमेज जारी करके ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान सटीक हमलों से हुए नुकसान का खुलासा किया था, लेकिन अब पाकिस्तान के डोजियर से नए खुलासे हुए हैं। भारत ने बताया था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद मुख्यालय और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण केंद्र सहित नौ स्थानों पर हमला किया गया। 7 मई के हमलों में लक्षित अन्य स्थानों में मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वरी, भीमबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल शामिल थे। इसके अलावा ग्यारह हवाई ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें नूर खान, रफीकी, मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियन, सरगोधा, स्कारू, भोलारी और जैकोबाबाद शामिल हैं। भारी नुकसान के कारण पाकिस्तान के पास युद्ध विराम के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा, जिससे तीन दिनों से जारी तनाव समाप्त हो गया। अब पाकिस्तान के डोजियर से पता चलता है कि भारत ने जितना स्वीकार किया है, उससे कहीं अधिक गहराई से और कठोर हमले किये गए थे। पाकिस्तानी डोजियर के मानचित्रों में प्रमुख शहरों जैसे पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटॉक और चोर पर भारतीय हमले दिखाए गए हैं, जिनका उल्लेख 7 मई के जवाबी हमले के बाद प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने नहीं किया था। पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ड्रोन अटैक में अपने कई एयरबेस को हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी है। डोजियर में कम से कम आठ अतिरिक्त भारतीय हवाई हमलों का उल्लेख किया गया है, जिनका भारतीय रक्षा अधिकारियों ने पहले खुलासा नहीं किया था।

पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष की विशेष सत्र की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। आईएनडीआई गठबंधन की कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में मंगलवार को बैठक हुई जिसमें 16 विपक्षी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। बैठक के बाद विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने संयुक्त तौर पर पत्रकार वार्ता की। इसमें उन्होंने विशेष सत्र की अपनी मांग को दोहराया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पहलगाम हमला से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर तक की घटनाओं और उसके बाद हुए डिप्लोमेटिक डेवलपमेंट पर चर्चा होनी चाहिए। भारत ने क्या पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग कर दिया है? यदि नहीं, तो आगे की रणनीति क्या है? इन सब मुद्दों पर संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। सत्र में सशस्त्र बलों को कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया जाए और उनकी वीरता को सलाम दिया जाए। साथ ही आगे की दिशा पर विचार किया जाए। समाजवादी पार्टी सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सीजफायर की घोषणा कर दी। यह भारत के लिए चिंता का विषय है। इन मुद्दों पर चर्चा जरूरी है। ट्रंप की घोषणा से भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। ऐसे में संसद सत्र बुलाना जरूरी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि विपक्ष के मुख्य दलों ने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र पर हस्ताक्षर किए। यह सामान्य पत्र नहीं है। विपक्ष देश की आवाज है। पहलगाम की घटना पर विशेष सत्र हो तो देश की "प्रतिष्ठा" बनी रहेगी और जनता को उत्तर मिलेगा। तृणमूल सांसद डेरेक ओब्रायन ने आम आदमी पार्टी के शामिल नहीं होने पर कहा कि हमारी समझ है कि कल शाम छह बजे तक आम आदमी पार्टी भी इसी मुद्दे और भावना के साथ प्रधानमंत्री को पत्र लिखेगी। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 दिनों में 13 बयान दिए। इन बयानों ने भारत की भावनाओं को ठेस पहुँचाई। देश और समाज के रूप में हम आहत हैं। संसद सत्र बुलाए जाने पर हम एक स्वर में इसपर अपनी बात रख सकते हैं। यह सरकार या विपक्ष का मुद्दा नहीं बल्कि जवाबदेही का विषय है।

मकोका मामले में नरेश बाल्यान की न्यायिक हिरासत 5 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मकोका के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता नरेश बाल्यान समेत दूसरे आरोपितों की न्यायिक हिरासत 5 जुलाई तक बढ़ा दी है। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने 5 जुलाई से सभी आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि इस मामले के आरोपित विकास गहलोत के खिलाफ जांच जारी रखे। आज नरेश बाल्यान समेत सभी आरोपितों को कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया। इसके पहले कोर्ट ने 27 मई को नरेश बाल्यान

की इस मामले में दायर दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने नरेश बाल्यान के अलावा साहिल ऊर्फ पोली, विजय ऊर्फ कालू और ज्योति प्रकाश ऊर्फ बाबा के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने इनके खिलाफ मकोका की धारा 3 और 4 के तहत संज्ञान लिया है। कोर्ट ने 24 फरवरी को रितिक पीटर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया था।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई : सीतारमण

नई दिल्ली, (हि.स)। केंद्रीय वित्त एवं कॉपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डीआरआई उन चुनिंदा भारतीय

एजेंसियों में से एक है जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की रक्षा करती है। हम सोना के बारे में जितना बोलते हैं, नारकोटिक्स सबसे बड़ा खतरा है जो हर राज्य और यहां तक कि छोटे शहरों में भी घुसपैठ कर चुका है। स्कूल और कॉलेज इसके पहले शिकार हैं। डीआरआई को इसे रोकना होगा और फिर राज्य पुलिस के साथ समन्वय करना होगा। हमें खतरे के आकार और दायरे के बारे में बेहतर समन्वय और बेहतर समझ की आवश्यकता है। उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों से कहा, "बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से जांच करें। आपको गहरे प्रणालीगत जोखिमों और खतरों को उजागर करने के लिए अव्यक्त बिंदुओं को जोड़ना होगा।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तस्करी के पूरे नेटवर्क को खत्म करना ही किसी भी जांच का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटी-छोटी जब्तियों या गिरफ्तारियों तक ही सीमित न रहें। वित्त मंत्री ने कहा, "अगर आप छोटी मछलियों को पकड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं है। बड़ी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना होगा और उस पर कार्रवाई करनी होगी। ठोस नतीजे सामने आएं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जाए।" इससे पहले निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ डीआरआई मुख्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुंबई महानगरपालिका ने रद्द की तुर्की से संबंधित फर्म की निविदा

मुंबई, (हि.स.)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद निर्माण हुई युद्ध की स्थिति के बीच पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्की को मुंबई महानगरपालिका ने झटका दिया है। मनपा प्रशासन ने तुर्की से संबंधित कंपनी से रोबोटिक जल बचाव नौका खरीदने के टेंडर को रद्द कर दिया है। यह निविदा पिछले साल जारी की गई थी और बोलीदाताओं की शॉर्टलिस्टिंग जनवरी और फरवरी महीने के बीच की गई थी। मनपा अधिकारियों के अनुसार नौका जैसे तैरने वाले उपकरणों के लिए आपूर्तिकताओं को शॉर्टलिस्ट किया गया था। लेकिन कोई स्वीकृति पत्र जारी नहीं किया था। इसलिएमनपा कोनिविदा वापस लेने का कानूनी अधिकार है। अब नौकाओं को प्राप्त करने के लिए एक नई निविदा जारी की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि क्या मेक-इन-इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिए भारत की फर्मों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राप्त करना संभव हो सकता है। मनपा प्रशासन ने पिछले साल सितंबर महीने में छह बचाव नौकाओं को हासिल करने के लिए निविदा जारी की थी। इन नौकाओं का उपयोग मुंबई फायर ब्रिगेड द्वारा समंदर में संचालन के लिए किया जाना था। प्रत्येक नाव की कीमत 9.62 लाख रुपये आंकी गई थी। बोलीदाता कंपनी द्वारा अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने के बाद, कंपनियों कोशॉर्टलिस्ट किया गया था। चयनित की गई आपूर्तिकर्ता कंपनी भारतीय थी, जो तुर्की की फर्म मैरेन रोबोटिक्स से उत्पाद लेकर मनपा को आपूर्ति करने वाली थी। मैरेन रोबोटिक्स की वेबसाइट परनौकाओं को'मैरेन फास्टी - रिमोट कंट्रोल और सेल्फ प्रोपेल्ड वाटर रेस्क्यू व्हीकल'के रूप में ब्रांडेड किया गया है। इन नौकाओं को मुंबई के गिरगांव, दादर, जुहू, वसोर्वा, गोराई और अक्सा समुद्र तटों पर तैनात किया जाना था। हर नौका की वहन क्षमता 200 किलोग्राम है और अधिकतम संचालन गति 18 किमी प्रति घंटा है।

अस्पताल परिसर में मेडिकल प्रतिनिधियों को नहीं होगी अनुमति, निदेशालय ने लिखा अस्पतालों को पत्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। अब मेडिकल प्रतिनिधियों को केंद्र सरकार के अस्पतालों में डॉक्टरों से सीधे मिलने की अनुमति नहीं होगी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने केंद्र सरकार के अस्पतालों को पत्र लिखकर कहा है कि वे अस्पताल परिसर में मेडिकल प्रतिनिधियों को अनुमति न दें। इसका मकसद, दवा कंपनियों और मेडिकल पेशेवरों के बीच आपसी सांठगांठ पर लगाम लगाने के साथ मरीजों को लंबे इंतजार से बचाना है। कई बार देखा जाता है कि फार्मा प्रतिनिधि काफी देर तक चिकित्सकों से बात करते हैं, जिससे काम प्रभावित होता है और कई बार मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। 28 मई को

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा आदेश में सभी सरकारी अस्पतालों को मेडिकल प्रतिनिधियों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया कि अगर दवा कंपनियां नए उपचार या चिकित्सा शोध के बारे में जानकारी साझा करना चाहती हैं तो उन्हें ईमेल या अन्य डिजिटल मीडिया के माध्यम से ऐसा करना होगा। 28 मई को जारी आदेश में सरकारी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुखों को नई नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

शिमला में प्रवासी मजदूरों की नियुक्ति से पहले पुलिस में सत्यापन जरूरी : डीसी अनुपम कश्यप

शिमला, (हि.स.)। जिला प्रशासन ने शिमला में कार्य करने आने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए पहचान और सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत यह आदेश आपातकालीन उपाय के तौर पर जारी किए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी दो माह तक प्रभावी रहेंगे। जारी आदेशों के अनुसार अब कोई भी नियोक्ता, ठेकेदार या व्यापारी शिमला जिले में आने वाले किसी भी प्रवासी मजदूर को तब तक किसी भी प्रकार की सेवा, छोटी-मोटी नौकरी या अनुबंध श्रम में नियुक्त नहीं करेगा, जब तक वह मजदूर संबंधित पुलिस स्टेशन में जाकर स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के समक्ष अपनी पहचान प्रस्तुत नहीं करता। पहचान के लिए प्रवासी मजदूर को पासपोर्ट साइज फोटो के साथ अपना व्यक्तिगत विवरण देना अनिवार्य होगा। सिर्फ नियोक्ता ही नहीं, बल्कि कोई भी प्रवासी व्यक्ति जो शिमला में स्व-रोजगार, अस्थायी व्यापार, सेवाएं या रोजगार की तलाश में है, उसे पहले नजदीकी थाने में सूचना देनी होगी। बिना पुलिस को जानकारी दिए कार्य प्रारंभ करने वाले प्रवासी श्रमिकों और उन्हें रोजगार देने वाले नियोक्ताओं पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एहतियातन उठाया गया है। विशेषकर हालिया घटनाओं और बाहरी व्यक्तियों की गतिविधियों को लेकर बढ़ती सतर्कता के मद्देनजर यह कदम आवश्यक समझा गया।

देश में 4,000 से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित, 24 घंटे में पांच की मौत

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। देश में मंगलवार तक कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 4,000 को पार कर गई। पिछले 24 घंटों में पांच लोगों की मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने केरल में एक, महाराष्ट्र में दो, तमिलनाडु में एक और पश्चिम बंगाल में एक व्यक्ति की कोरोना की वजह से मौत की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना संक्रिमत लोगों की संख्या 4026 है। सबसे ज्यादा संक्रमित लोग केरल में मिले हैं। इनकी संख्या 1416 है।

महाराष्ट्र में संक्रमित लोगों की संख्या 494, गुजरात में 397 और दिल्ली में 393 है। हालांकि पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या में 90 की कमी आई है। गुजरात में लहर बढ़ी है। संक्रमित लोगों की संख्या 59 का इजाफा हुआ है।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली, (हि.स)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गायल ने मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा भारतीय शिपिंग क्षेत्र में व्यापक अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से शिपिंग क्षेत्र में भारत की ओर से प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला। इससे पहले गोयल ने तीन दिवसीय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी नेताओं और कारोबारियों से मुलाकात की थी। वाणिज्य मंत्री ने देर रात पेरिस

में शीर्ष फ्रांसीसी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसके अलवा गोयल ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के ईडी फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट और लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस सहित शीर्ष सीईओ और मंत्रियों के साथ कई बैठकें की हैं और भारत में निवेश के विशाल अवसरों पर प्रकाश डाला है। पेरिस में हुई बैठक में अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उपभोक्ता उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत के विकास के लिए नए अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बिरोल से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान समग्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और भारत और आईईए के बीच गहरी होती साझेदारी पर अच्छी चर्चा हुई।

देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में कश्मीरी पंडित माता खीर भवानी के मंदिर पहुंचे

श्रीनगर, (हि.स.)। देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में कश्मीरी पंडित मंगलवार को जम्मू और कश्मीर के तुल्लामुल्ला शहर में माता खीर भवानी का मंदिर पहुंचे हैं। मंदिर में सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और जन सहायता के लिए पर्याप्त व्यवस्था कीगईहै। तुल्लामुल्ला पहुंचने के लिएइस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग पर पुलिस और सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई है। गंदेरबल जिले में श्रीनगर शहर से 27 किलोमीटर दूर माता खीर भवानी मंदिर लोकप्रिय रूप से जाना जाता है। वास्तव में यह देवी राग्न्या का मंदिर है, जिन्हें देवी दुर्गा का अवतार माना जाता है। माना जाता है कि लंका के राजा रावण माता राग्न्या के परम भक्त थे, लेकिन राजा की जीवनशैली से नाराज देवी ने हनुमान को अपना स्थान बदलकर दूर स्थान पर रखने का आदेश दिया। इस प्रकार देवी का मंदिर तुल्लामुल्ला शहर में स्थित हो गया। मंदिर का गर्भगृह एक पवित्र झरने के बीच में स्थित है, जिसे कश्मीरी पंडित समुदाय अत्यधिक शुभ मानता है। देवी के आंगन में झरने के पानी का रंग भविष्य

की घटनाओं का पूर्वाभास देता है। गुलाबी या दूधिया रंग शुभ माना जाता है। काला रंग आपदा का संकेत देता है। तुल्लामुल्ला शहर के बुजुर्गों का कहना है कि 1947 में जब पाकिस्तानी कबायली हमलावरों ने कश्मीर पर आक्रमण किया था, तो झरने का पानी काला हो गया था। हर साल ज्येष्ठ अष्टमी पर देवी का वार्षिक उत्सव तुल्लामुल्ला मंदिर में मनाया जाता है। त्योहार के दौरान भक्तों द्वारा खीर (दूध, चीनी और चावल को उबालकर बनाया गया हलवा) तैयार किया जाता है और परोसा जाता है इसलिए इसका नाम माता खीर भवानी पड़ा। घाटी से स्थानीय पंडित समुदाय के पलायन के बाद जब यहां हिंसा शुरू हुई, तो प्रवासी कश्मीरी पंडित देश के विभिन्न स्थानों पर बस गए। इसके बावजूद वह वार्षिक उत्सव पर देवी के मंदिर में पूजा करने आते हैं। पूरी रात भक्तगण अपने संरक्षक देवता का आशीर्वाद पाने के लिए मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर में सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और जन सहायता के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। तुल्लामुल्ला पहुंचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग पर पुलिस और सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई है।

शर्मिष्ठा पानोली को हिरासत में बलात्कार की धमकी, एनएचआरसी ने बंगाल सरकार से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, (हि.स.)। ऑपरेशन सिंदूर पर सोशल मीडिया में की गई विवादास्पद टिप्पणी के आरोप में गिरफ्तार लॉ छात्रा शर्मिष्ठा पानोली को हिरासत में बलात्कार और जान से मारने की धमकी मिलने से कोलकाता पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। खास बात यह है कि शर्मिष्ठा पानोली सोशल मीडिया पोस्ट को डिलीट करने के साथ माफी मांग चुकी है। बावजूद इसके उसे गिरफ्तार किया गया पर उसे धमकी देने वालों के खिलाफ पुलिस ने कुछ नहीं किया। इस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी है। कोलकाता निवासी शर्मिष्ठा पानोली पुणे के एक लॉ कॉलेज की छात्रा है। उसे पिछले शुक्रवार को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर टिप्पणी के दौरान एक समुदाय विशेष के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक बातें कहने के आरोप में कोलकाता के गार्डेन रीच थाने में एफआईआर

दर्ज की गई है। अलीपुर कोर्ट ने पानोली को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक संस्था ने एनएचआरसी से शिकायत की है कि शर्मिष्ठा को हिरासत के दौरान जान से मारने और बलात्कार की धमकियां मिल रही हैं। साथ ही उसे गुरुग्राम से गिरफ्तार करने के दौरान उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एनएचआरसी के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा, "शिकायत में कहा गया है कि गिरफ्तारी और ट्रांजिट प्रक्रिया में कानूनी नियमों का पालन नहीं हुआ। साथ ही यह भी बताया गया कि हिरासत में रहते हुए उन्हें कट्टरपंथियों से बलात्कार और हत्या की धमकियां मिल रही हैं।" एनएचआरसी ने पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शर्मिष्ठा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही हरियाणा सरकार से भी पूछा गया है कि गिरफ्तारी के समय क्या सभी कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया या नहीं। पानोली की गिरफ्तारी के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया और बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने 01 जून को जारी बयान में कहा, "मैं शर्मिष्ठा पानोली के साथ खड़ा हूं, जिनकी अब डिलीट हो चुकी सोशल मीडिया पोस्ट पर तुरंत माफी मांगने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। यह न्याय का अपमान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।" बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने भी जारी बयान में कहा, "कोलकाता पुलिस ने जिस तरह से शर्मिष्ठा को गिरफ्तार किया, वह अत्यधिक, चयनात्मक और राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई है। यह पश्चिम बंगाल सरकार के इशारे पर की गई कार्रवाई प्रतीत होती है।"

जो समाज अपने इतिहास से विमुख हो जाता है उसकी स्थिति जड़ से कटे पेड़ की तरह : शेखावत

वीरवर राव चांदाजी मेड़तिया की 520 वीं जयंती समारोह

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो समाज अपने इतिहास से विमुख हो जाता है, उसकी स्थिति जड़ से कटे हुए पेड़ की तरह होती है। इतिहास केवल सफलताओं से प्रेरणा लेने का विषय नहीं होता, बल्कि विफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़े का माध्यम भी होता है। मंगलवार को पीपाड़ शहर के जोधपुर पीपाड़ शहर के ग्राम मेरासिया में भव्य समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवम् पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह विचार व्यक्त किए। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जिस तरह लोग नौकरी, व्यवसाय आदि के लिए अपने गांवों से दूर हो रहे हैं, उसी तरह अपने इतिहास से भी दूर हो रहे हैं, जो स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह स्थिति हर जगह है, इसलिए हमें इस बात पर चिंता करने की जरूरत है कि हमारी आने वाली पीढ़ी किस तरह इतिहास से जुड़े। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीरवर राव चांदाजी मेड़तिया जी का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है। कल्पना कीजिए कि 520 साल पुरानी उस परिस्थिति में, जब देश में मुगल आक्रांताओं द्वारा आक्रमण की श्रृंखला शुरू हुई थी। उस कालखंड में वीरवर राव चांदाजी मेड़तिया ने अपनी प्रतिभा, पुरुषार्थ और व्यक्तित्व के आधार पर अपना नाम और साम्राज्य स्थापित किया। उस दौर में जिन्होंने संघर्ष किया, उन्होंने कालजयी जीवन जिया, इसलिए आज भी हम सभी उन्हें गर्व के साथ स्मरण करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उस महान विभूति की जयंती पर चांदा परिवार जिस तरह पिछले 25 सालों से कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, उसकी हर साल भव्यता और भी बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रमों में युवाओं की क्या उपस्थिति है, हमें इस दृष्टिकोण से भी सोचने की जरूरत है, क्योंकि जब युवा ऐसे कार्यक्रमों से जुड़ेंगे तो निश्चित तौर पर उनका इतिहास के प्रति लगाव बढ़ेगा। शेखावत ने कहा कि आने वाले समय में जिस समाज की सरकारी नौकरियों पर निर्भरता अधिक होगी, वह समाज प्रगति की दौड़ में पिछड़ जाएगा। इसलिए जरूरी है कि राजपूत समाज को अपने आने वाली पीढ़ी को किस तरह व्यवसाय के हर क्षेत्र में प्रतिस्थापित किया जा सकता है, उस दिशा में गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है। शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद राजपूत समाज ने बहुत प्रगति की है, लेकिन बदलते समय के साथ केवल नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय व्यवसाय के क्षेत्र में किस तरह आगे बढ़ा जा सकता है। उसके लिए सभी को मिलकर आगे आने की जरूरत है। समारोह में पूर्व राज्यसभा सांसद पद्मभूषण डॉ नारायण सिंह माणकलाव, मारवाड़ राजपूत सभा हनुमान सिंह खांगटा, पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईड़वा, भाजपा के प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा देहात दक्षिण अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी, शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, शक्ति सिंह राठौड़ आई ए एस, पूर्व मंत्री श्रीमती कमसा मेघवाल, ठाकुर गोपाल सिंह बालूंदा सहित क्षेत्र के समाज के कई लोग मौजूद रहे।

राजस्थान में कोरोना के 24 नए मरीज, इस साल अब तक 137 संक्रमित-एक की मौत

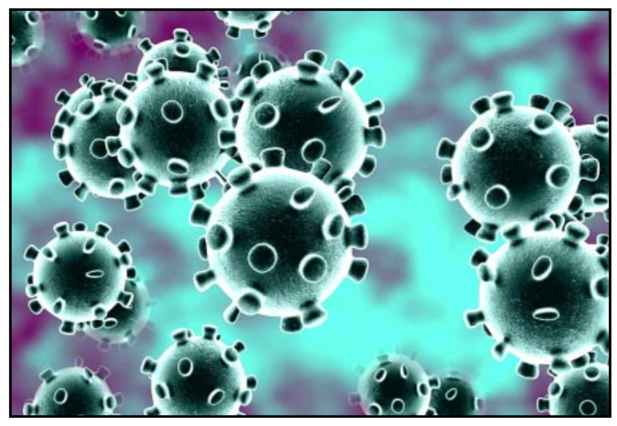

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। मंगलवार को प्रदेशभर में कुल 24 नए कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इससे पहले भी अलग-अलग दिनों में छिटपुट मामले सामने आ रहे थे, लेकिन अब संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार इस साल अब तक राज्य में कुल 137 कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं, जिनमें से एक मरीज की मृत्यु हो चुकी है। आज के 24 मामलों में सबसे अधिक 17 मरीज जयपुर जिले से सामने आए हैं। इनमें 10 महिलाएं और सात पुरुष शामिल हैं। इनकी उम्र 25 वर्ष से लेकर 89 वर्ष के बीच है। इसके अलावा बीकानेर से 24 और 34 वर्ष के दो पुरुष, डूंगरपुर से 38 वर्षीय पुरुष, जोधपुर से 23 और 53 वर्षीय दो पुरुष, सवाई माधोपुर से 85 वर्षीय वृद्धा और टोंक से 29 वर्षीय युवक संक्रमित पाया गया है। इन सभी मरीजों की जांच राज्य के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों और प्रयोगशालाओं में की गई, जिनमें एम्स जोधपुर, एसएन मेडिकल कॉलेज, डूंगरपुर की वीआरडीएल लैब, ईएचसीसी हॉस्पिटल जयपुर, एसपीएमसी बीकानेर, जेएनयू जयपुर और बी. लाल लैब शामिल हैं। इनमें बी. लाल लैब से ही 13 मामले रिपोर्ट हुए हैं, जो सर्वाधिक हैं। फिलहाल, राज्य में 14 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें से एक-एक मरीज मरुधर अस्पताल, जेके लोन अस्पताल, राजस्थान अस्पताल जयपुर और एमडीएम जोधपुर में भर्ती हैं। वहीं, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर में दो और एम्स जोधपुर में आठ मरीजों का इलाज हो रहा है। साल 2025 में अब तक कोरोना संक्रमण के 137 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें जयपुर में सर्वाधिक 80 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा उदयपुर में 14, जोधपुर में 13, बीकानेर में आठ, डीडवाना में पांच, अजमेर, बालोतरा, डूंगरपुर, दौसा और सवाई माधोपुर में दो-दो मामले, जबकि चित्तौड़गढ़, चूरू, फालोदी, राजसमंद, सीकर और टोंक में एक-एक मामला सामने आया है। साथ ही एक मामला मध्य प्रदेश से आया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फिलहाल घबराने जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। विभाग की नजर संक्रमण के फैलाव पर बनी हुई है और जरूरत पड़ने पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब सरकार ने 4727 दलित परिवारों का माफ किया कर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य के अनुसूचित जाति परिवारों का कर्ज माफ करने का फैसला किया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पत्रकारों से कहा कि आज हजारों परिवारों के लिए राहत का दिन है। बजट में जो वित्त मंत्री ने वादा किया था। उस पर कैबिनेट की मोहर लगी है। एससी परिवारों पर 68 करोड़ का कर्ज बकाया था। उन्होंने बताया कि आज 31 मार्च 2020 तक दिए गए कर्ज माफ किए जा रहे है। यह सारे कर्ज छोटे-छोटे काम शुरू करने के लिए गए थे। इनमें कईयों ने एजुकेशन लोन भी लिए थे। किसी घर में कमाने वाला नहीं रहा। इससे 4 हजार 727 परिवारों को फायदा होगा। पीएससीएफएस से लिए गए सारे कर्ज माफ किए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीस साल तक का लोगों का कर्ज माफ किया गया है। इस कर्ज में 30 करोड़ मूल धन, 23 करोड़ ब्याज और 15 करोड़ पेनल इंट्रस्ट है। यह पिछले 20 सालों से बकाया राशि थी, लेकिन पिछले समय में किसी भी सरकार ने इस दिशा में फैसला नहीं लिया है। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि कर्ज लेना किसी का कोई शौक नहीं होता है।

राजस्थान : पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में सरकारी कर्मचारी शकूर खान गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस यूनिट ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में जैसलमेर जिला रोजगार कार्यालय में कार्यरत क्लर्क शकूर खान को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया। उसे आज कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 10 जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। शकूर खान को इंटेलिजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने 28 मई को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान सामने आया कि वह पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत रह चुके अफसर एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में था। वह पाकिस्तान दूतावास के एक अन्य अधिकारी सोहेल कमर से भी मुलाकात करता था। शकूर खान वर्ष 2008 में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के रूप में भी कार्य कर चुका है। उस समय सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे। डीआईजी सीआईडी (सुरक्षा) विष्णुकांत गुप्ता ने बताया कि शकूर की गतिविधियां लंबे समय से संदिग्ध थीं और उस पर नजर रखी जा रही थी। जांच में सामने आया कि वह आईएसआई के करीब 13 एजेंटों से व्हाट्सएप के माध्यम से जुड़ा था और उन्हें भारतीय सेना की मूवमेंट सहित कई संवेदनशील जानकारियां साझा करता था। इसके अलावा वह पाकिस्तान की यात्रा के लिए कई बार वीजा भी प्राप्त कर चुका है और अब तक सात बार पाकिस्तान जा चुका है। जानकारी के अनुसार उसकी पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहीमयार खान, सक्खर और घोटकी क्षेत्रों में रिश्तेदारी भी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक शकूर खान हाल ही में बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान गया था। *पहलगाम हमले* और *ऑपरेशन सिंदूर* के बाद सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं और उसने जो गतिविधियां कीं, वे उन्हें संदिग्ध लगीं।

पंजाब पुलिस ने तरनतारन से पकड़ा आईएसआई का एजेंट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में तरनतारन से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी सैन्य जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेज रहा था। आरोपी की पहचान तरनतारन के मोहल्ला रोडूपुर गली नजर सिंह वाली के गगनदीप सिंह उर्फ गगन के रूप में हुई है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट और तरनतारन पुलिस ने की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गगनदीप सिंह पांच साल से पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला के संपर्क में था। चावला के जरिए ही उसका परिचय पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों से हुआ था। आरोपी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत में सेना की गतिविधियों, सैनिकों की तैनाती और रणनीतिक ठिकानों की सूचनाएं पाकिस्तान से साझा की थी, जो देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती थी। डीजीपी के अनुसार आरोपी को उसके घर से सोमवार देर रात को पकड़ा गया है। वह लगातार पाकिस्तानी एजेंसियों के संपर्क में था।

नीतीश कैबिनेट का फैसला : विभिन्न विभागों में 4 हजार 799 पदों पर होगी बहाली

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में मंगलवार को राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों में 4 हजार 799 पदों पर बहाली करने सहित कुल 47 प्रस्ताव को मंजूरी दी। सर्वाधिक शिक्षा विभाग में 2361 अलग-अलग पदों पर नियुक्ति की जाएगी। दूसरी सर्वाधिक बहाली नगर विकास एवं आवास विभाग में 1350 पदों पर होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षा पदाधिकारी के 935 एवं शिक्षा विकास पदाधिकारी के 568 यानी कुल 1503 पदों पर बहाली होगी। औसतन 10 पंचायतों पर एक निरीक्षण पदाधिकारी के पद का सृजन कर प्रखंड स्तर पर एक सुदृढ़ प्रशासनिक संरचना विकसित करने के उद्देश्य से पंचायतों की संख्या के आधार पर सहायक शिक्षा पदाधिकारी और शैक्षणिक प्रखंडों की संख्या के आधार पर शिक्षा विकास पदाधिकारी के पदों का सृजन किया गया है। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद में भी विभिन्न स्तर के 818 पदों की स्वीकृति दी गई है। शिक्षा विभाग में सरकारी विद्यालयों या शैक्षणिक संस्थानों या कार्यालयों में जमीन का सत्यापन, जमीन विवरण एकत्र करने और इनके संरक्षण के लिए 2 भू-संपदा पदाधिकारी और सहायक भू-संपदा पदाधिकारी के 38 पद बनाए गए हैं। इन पर भी जल्द बहाली होगी। नगर विकास एवं आवास विभाग में 1350 पदों पर बहाली होगी। 7 आयोजन क्षेत्र प्राधिकार बोधगया, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, आरा, मुजफ्फरपुर और सहरसा में 147 को प्रत्यार्पित करते हुए 1350 पद का सृजन किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग में 653 पदों पर बहाली होगी। इसमें बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के अंतर्गत इन पदों पर बहाली होगी। इसमें राज्य स्तरीय 43, जिला स्तर पर 76 (प्रत्येक जिला के लिए 2-2 पद) और प्रखंड स्तर पर 534 पद पर बहाली की जाएगी। समाज कल्याण विभाग के महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत मुख्यालय, निगम, जिला और अनुमंडल स्तर पर 390 पदों को सृजित गया है। सामान्य प्रशासन विभाग में 15 और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में 28 पदों पर बहाली होगी। राज्यपाल सचिवालय में 2 पद चालक के लिए सृजित किए गए हैं। राज्य सरकार ने हवाई जहाज के परिचालन को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर की संपर्कता को बढ़ावा देने के लिए वायुयान ईंधन (एटीएफ) पर लगने वाले वैट की दर में 25 फीसदी तक की कटौती की है। अभी इस पर लगने वाले वैट की 29 फीसदी की दर को कम करते हुए 4 फीसदी कर दिया गया है। पहले वाली लागू दर उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों की तुलना में अधिक थी। इससे पटना समेत राज्य के अन्य शहरों में वायुयान का परिचालन बढ़ेगा और क्षेत्रीय संपर्कता को बढ़ावा मिलेगा। हवाई जहाज के किराए में भी गिरावट आ सकती है। कैबिनेट की बैठक में अमृत-2 योजना के तहत 6 शहरों में जलापूर्ति और सीवरेज समेत ऐसे अन्य कार्य कराए जाएंगे। इसके तहत आरा में जलापूर्ति परियोजना के लिए 138 करोड़ 26 लाख रुपये, सीवान जलापूर्ति परियोजना के लिए 113 करोड़ 28 लाख और सासाराम जलापूर्ति परियोजना के लिए 76 करोड़ 44 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं।

बकरीद पर किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए : जिलाधिकारी

जौनपुर (हिंस)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मंगलवार को कहा कि बकरीद पर किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। ईदगाहों में साफ-सफाई करा ली जाए। जिलाधिकारी मंगलवार को गंगा दशहरा, बकरीद और अन्य त्योहारों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में बर्ड फ्लू संक्रमण के दृष्टिगत कहीं भी खुले में मांस की बिक्री नहीं की जाएगी। इसके लिए उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मांस की बिक्री करने वालों के साथ बैठक अवश्य कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में निर्धारित स्थानों पर ही कुर्बानी होगी। यदि निर्धारित स्थानों के बाहर कुर्बानी की जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुर्बानी के उपरांत अपशिष्ट निस्तारण की सुनियोजित व्यवस्था रहे। उन्होंने कहा कि नमाज परंपरागत स्थलों पर पढ़ी जाए और सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा के अवसर पर चार जून को स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर *एक पेड़ मां के नाम* अभियान शुरू करने के भी निर्देश दिये। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सभी से बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने की अपील की है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्धारित स्थान पर ही योग किया जाए, कोई भी व्यक्ति सड़क पर योग नहीं करेगा।

पृष्ठ तीन का शेष

बाढ़ रोकथाम के...

बिना स्थायी समाधान संभव नहीं। मुख्यमंत्री ने सिलचर पहुंचने के बाद छह राहत शिविरों- गवर्नमेंट बॉयज एचएस स्कूल, नॉर्मल स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, हिरण प्रोवा शिशु मंदिर, मलिनी बील स्थित कॉस्मिक मार्केट और उकील बाजार एलपी स्कूल- का दौरा किया और बाढ़ प्रभावितों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कछार के उपायुक्त मृदुल यादव को राहत शिविरों में सभी आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित करने और वृद्धजनों, स्तनपान कराने वाली माताओं व बच्चों की विशेष देखभाल करने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि सरकार सभी बाढ़ प्रभावितों को त्वरित सहायता, पुनर्वास और हरसंभव समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बाढ़ का पानी उतरते ही शिविरों में रह रहे लोग अपने घरों को लौट सकें, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बराक नदी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, लेकिन अब तक किसी भी तटबंध के टूटने की सूचना नहीं है।

पीएम ने सीएम...

में जानकारी लेने के लिए मुझे फोन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने उन्हें बताया कि किस तरह असम और आस-पास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आई है और इससे कई लोगों की जान पर असर पड़ा है। मैंने उन्हें राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत अभियान के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने चिंता व्यक्त की और हमारे राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कहा है कि असम के लोगों के लिए उनके मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए मैं आभारी हूं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री मंगलवार सुबह बराक घाटी के कछार जिले में आई बाढ़ का जायजा लेने के लिए पहुंचे हैं।

चीन ने ब्रह्मपुत्र रोका...

फायदेमंद रहेगा क्योंकि यह असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी का अधिकांश प्रवाह पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की वजह से ही होता है, जबकि ग्लेशियरों के पिघलने और सीमित तिब्बती बारिश से नदी के जल प्रवाह में महज 30-35 फीसदी का ही योगदान होता है। सोशल मीडिया एक्स पर अपने लंबे पोस्ट में मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि क्या होगा अगर चीन भारत में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक दे? पाकिस्तान के नए डरावने नैरेटिव का जवाब, उन्होंने कहा कि भारत की ओर से सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से अलग हो जाने के बाद, पाकिस्तान अब एक और मनगढ़ंत धमकी दे रहा है। क्या होगा यदि चीन भारत को ब्रह्मपुत्र का पानी देना बंद कर दे? उन्होंने कहा कि आइए इस मिथक को तोड़ देते हैं, डर से नहीं, बल्कि तथ्यों और राष्ट्रीय स्पष्टता के साथ। अपने तीखे बयान के लिए चर्चित सीएम शर्मा ने कहा कि भले ही चीन पानी के प्रवाह को कम कर दे (जिसकी संभावना नहीं है क्योंकि चीन ने कभी किसी आधिकारिक मंच पर इस तरह की धमकी नहीं दी और न ही ऐसा कोई संकेत ही दिया है), लेकिन यह वास्तव में भारत को असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में मदद कर सकता है, इस वजह से हर साल लाखों लोगों का विस्थापन होता है और उनकी आजीविका बर्बाद हो जाती है।

मेघालय : इंदौर टूरिस्ट...

दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। परिवार का कहना है कि राजा की मोबाइल, अंगूठी और चेन गायब हैं, जिससे लूट और साजिश की आशंका गहराई है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि जहां शव मिला, वहां कोई सीसीटीवी नहीं है।

अंबुवासी मेले की तैयारियां ...

और सुलभ हों। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि भूस्खलन की आशंका वाली कुछ सड़कें मौसम खराब होने पर वाहनों के लिए बंद हो सकती हैं, हालांकि वे पैदल चलने वालों के लिए खुली रहेंगी। कोविड-19 सावधानियों के संबंध में दास ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा अभी तक कोई विशिष्ट प्रोटोकॉल जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक कोई आधिकारिक दिशानिर्देश नहीं आ जाता, हम इस मोर्चे पर कोई कदम नहीं उठा सकते। मंत्री ने श्रद्धालुओं से जूते-चप्पल लाने से बचने और मोजे पहनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कालीन और पानी की व्यवस्था की जाएगी।

पूर्वोत्तर में बारिश ...

सुरक्षित निकाला गया है, जबकि लाचेन में 100 से अधिक अब भी फंसे हैं। कई पुल क्षतिग्रस्त होने से गुरुडोंगमार लेक, वैली ऑफ फ्लावर्स और जीरो प्वाइंट जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच बाधित है। कठिन परिस्थितियों में राहत अभियान जारी है। मणिपुर में भारी बारिश के कारण नदी तटबंधों के टूटने से 19,800 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है और 103 बस्तियां जलमग्न हैं। राज्य प्रशासन ने 31 राहत शिविर बनाए हैं, जिनमें से अधिकतर इंफाल ईस्ट में हैं। अरुणाचल प्रदेश के 23 जिलों और 156 गांवों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही मची है। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। कई स्थानों पर सड़कें धंसने से संपर्क टूट गया है। नगालैंड में भी लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की सूचनाएं मिली हैं। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना सामने नहीं है। कई क्षेत्रों में घरों और सड़कों को नुकसान होने की सूचना है। त्रिपुरा की स्थिति में थोड़ा सुधार आया है। बारिश कम होने और नदियों का जलस्तर घटने से राहत मिली है, लेकिन अभी भी 10,000 से अधिक लोग 66 राहत शिविरों में हैं। पश्चिम त्रिपुरा में सबसे अधिक प्रभावित परिवार हैं। मिजोरम में लगातार बारिश के चलते सभी स्कूल बंद रहे। भूस्खलन, चट्टानें गिरने और जलभराव ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

देवी कामाख्या की ...

हैं, बल्कि समाज में साम्प्रदायिक तनाव को भी बढ़ावा दे सकती हैं। इसे देखते हुए असम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। असम के मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान यह भी कहा कि हमने पश्चिम बंगाल सरकार से औपचारिक अनुरोध किया है कि आरोपित वजाहत खान कादरी राशिदी को असम पुलिस के हवाले किया जाए, ताकि वह यहां की न्यायिक प्रक्रिया का सामना कर सके। यह देखना होगा कि पश्चिम बंगाल सरकार इस पर किस प्रकार का सहयोग करती है।

नए प्रदेश अध्यक्ष गोगोई ...

दो हजार पार्टी सदस्य मौजूद थे, लेकिन जब गोगोई मंच की ओर बढ़े तो लोगों में उनका स्वागत करने के लिए धक्का-मुक्की होने लगी। तमाम पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और सदस्य गौरव गोगोई के साथ अन्य वरिष्ठ नेताओं को बधाई देने के लिए मंच पर चढ़ गए। आलम यह रहा कि छोटे से लकड़ी के मंच पर 300से अधिक लोग मौजूद थे। इस दौरान आयोजकों ने लोगों से कहा कि वे मंच से उतर जाएं अन्यथा मंच ध्वस्त हो जाएगा। लोग नहीं माने तो कार्यक्रम को दो बार बीच में स्थगित करना पड़ा। इससे पहले गौरव गोगोई ने पार्टी के राज्य मुख्यालय राजीव भवन में निवर्तमान अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा से नए पार्टी प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम असम में कांग्रेस की सरकार बनाने की कोशिश करेंगे। हमने देखा है कि पिछले कुछ दिनों में लोगों का हमारे प्रति स्नेह बढ़ा है। इससे पहले उन्होंने कामाख्या मंदिर में आशीर्वाद लिया था।

अब हर दो घंटे...

होने में 4 से 5 घंटे की देरी होती थी और कई बार इससे गलत धारणाएं बनती थीं। आयोग का कहना है कि नई प्रक्रिया से यह समस्या समाप्त होगी। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 49एस के अंतर्गत, प्रत्येक मतदान केंद्र के *प्रिसाइडिंग ऑफिसर* को मतदान समाप्ति के बाद *फॉर्म 17सी* मतदान एजेंटों को देना आवश्यक है। यह कानूनी प्रावधान यथावत रहेगा।

अकेले पड़ गए ...

पार्टी दिसंबर 2025 तक चुनाव चाह रही है। यहां हम 30 पार्टियां मौजूद है, जिसमें से सिर्फ 3 पार्टियां ही दिसंबर में चुनाव नहीं चाह रही है। सलाहुद्दीन ने कहा कि आप गौर से देख लीजिए कि हम 27 पार्टी एक साथ हैं। आपने जो बयान दिया, उससे हम लोगों को ठेस पहुंचा। बांग्लादेश के लोगों को धक्का लगा। बीएनपी के मुताबिक अगर दिसंबर 2025 में चुनाव नहीं कराए जाते हैं तो आने वाले वक्त में इसे संपन्न कराना आसान नहीं होगा।

भूकंप के बीच 213 ...

हाल में पकड़ा जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की पहचान की जाए। उधर, सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर ने जिला मलीर का दौरा किया है। कराची जेल के डीआईजी मोहम्मद हसन ने कहा कि भूकंप के दौरान बड़ी संख्या में कैदी बैरक से बाहर आ गए। कैदियों ने जेल का गेट तोड़ दिया और भाग गए। डीआईजी जेल ने कहा कि जेल में बंद कैदियों की गिनती की जाएगी। उसके बाद पता चलेगा कि कितने कैदी भागे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कराची में पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और पूरे शहर में गश्त बढ़ा दी गई है।

असम में 3.6 ...

तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र कमरुप (मेट्रो) जिला में जमीन के अंदर 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.13 उत्तरी अक्षांश तथा 91.72 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

संपादकीय

मेहमाननवाजी का नया दौर

मेहनत को मार्किटिंग के जरिए सुधारने की एक और कोशिश हिमाचल पर्यटन विकास निगम ने शुरू की है। निगम ने पहले होटल बुकिंग को प्रोफेशनल आधार देने के लिए निजी कंपनी से अनुबंध किया और अब सार्वजनिक उपक्रमों के साथ पैकेज डील का करार किया है। दरअसल पहली बार निगम ने अपनी रणनीति में व्यापारिक उद्देश्य जोड़ते हुए निजी क्षेत्र के सलीके सीखे हैं। ओएनजीसी, दिल्ली मैट्रो, सेल, गेल और दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू करके निगम ने मेहमाननवाजी का दायरा बड़ा और चुस्त-दुरुस्त किया है। हिमाचल के पर्यटन संदर्भों में खुद को रेखांकित करने की इच्छा शक्ति का कमाल है कि सरकारी उपक्रम ने उन्हीं राहों में नई मंजिलें खोज लीं। अपनी हैसियत में पर्यटन के कुनबे को प्रतिष्ठित करने की कोशिश पहली बार शुरू हुई है, तो निगम के प्रबंध निदेशक डा. राजीव कुमार के नेतृत्व की प्रशंसा करनी होगी। ये दायरे आगे चलकर और बड़े तथा सशक्त हो सकते हैं। भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है ही, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोडऩे होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी। उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जे एंड के या राजस्थान परिवहन के साथ हिमाचल यात्रा का अनुबंध, एक पैकेज डील की तरह हो सकता है, जहां आने-जाने के टिकट के साथ कुछ डिस्काउंट पर सरकारी होटलों की बुकिंग तथा साइट सीईंग का पूरा पैकेज नत्थी हो। निजी वोल्वो बसें दरअसल हिमाचली पर्यटन की ब्रांड हैं, लेकिन इस तथ्य से अनभिज्ञ सरकारी होटल, कमाई का एक बड़ा स्रोत गंवा रहे हैं। अगर निजी वोल्वो बसों के संचालन, पार्किंग तथा बोर्डिंग के स्थल पर्यटन विकास निगम अपनी देखरेख या अपने परिसरों से अनुमोदित करे, तो यात्री सुविधाओं के स्थायी पते के कारण ये संपत्तियां बेहतर ढंग से इस्तेमाल होंगी। कुछ मॉल, पेट्रोल पंप व होटल इकाइयां निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के कारण पर्यटकों की पसंद बन गए हैं। ऐसे में पर्यटन निगम धर्मशाला जैसे स्थान पर पर्यटक वाहनों व निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के लिए परिसर बना कर, हर दिन सैकड़ों पर्यटकों के ठहराव तथा टूअर प्रोग्राम की मेजबानी कर सकता है। पर्यटन विकास निगम को अपनी मार्किटिंग के पार्टनर खोजते हुए एचआरटीसी, राज्यों के परिवहन उपक्रमों के अलावा रेलवे तथा एयरलाइंस के साथ आगमन-प्रस्थान के अलावा राज्य में विश्राम, मनोरंजन व सुकून के पैकेज शेयर करने चाहिएं। मसलन अंब-अंदौरा तथा पठानकोट तक वंदे भारत ट्रेनों से आ रहे पर्यटकों को प्रमुख पर्यटक केंद्रों तक पहुंचाने, ठहराने तथा घुमाने की जिम्मेदारी का विस्तार तथा अनुबंध करना होगा। इसी तरह हवाई उड़ानों के साथ हिमाचल टूअर के अलग-अलग पैकेज बनाकर राज्य के पूर्ण पर्यटन की मार्किटिंग शुरू करनी चाहिए। पर्यटक को राज्य के उपक्रमों के साथ जोडक़र सुरक्षा, ईमानदारी व बेहतर मेहमाननवाजी का एहसास कराने से पर्यटन का नया दौर शुरू हो सकता है।

> भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है ही, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोडऩे होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी।

आप का नजरीया

यह वक्त एकजुटता का है

1947-48 के भारत-पाक युद्ध में हमारे करीब 6000 जवान 'शहीद' हुए थे। 1965 के युद्ध में यह संख्या 3500 के करीब रही और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी करीब 3000 सैनिक शहीद हुए। 1999 के कारगिल युद्ध में भी यह संख्या 527 तक पहुंच गई। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, विभिन्न युद्धों, संघर्षों या किसी अन्य ऑपरेशन के दौरान 15,000 से अधिक सैनिक शहीद हो चुके हैं। क्या देश को यह एहसास है कि कितने परिवार अनाथ हुए होंगे? क्या कांग्रेस ये तमाम आंकड़े जानती है, क्योंकि इन युद्धों के कालखंड में अधिकतर वह ही सत्तारूढ़ थी? क्या कांग्रेस देश को बताएगी कि इन शहीद सैनिकों को लेकर संसद के कितने विशेष सत्र बुलाए गए? शहादत के आंकड़े किसी संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज हैं? कितने जांबाज जवान घायल हुए होंगे और अपाहिज हो गए होंगे? क्या देश को यह भयानक यथार्थ किसी ने बताया है? लोकतंत्र और सरकार की गतिविधियों, कार्रवाइयों को जानने का अधिकार इतना शिथिल और संकीर्ण नहीं हो सकता। युद्ध और सामान्य, सार्वजनिक मुद्दों के बीच गहरे अंतर होते हैं। सवाल है कि कांग्रेस यह जान कर कौन-सा राजनीतिक लक्ष्य हासिल कर लेगी कि भारत-पाक के हालिया संघर्ष के दौरान हमारे कितने लड़ाकू विमान धराशायी हुए? हमारी वायुसेना ने आतंकियों के 9 बड़े ठिकाने मिट्टी में मिला दिए, करीब 170 आतंकियों को ढेर भी किया, पाकिस्तान के महत्वपूर्ण एयरबेस, रडार सिस्टम और वायु रक्षा प्रणालियां इस कदर तबाह कर दी गईं कि 4-5 साल तक पाकिस्तान युद्ध की सोच भी नहीं सकता। क्या कांग्रेस खुश नहीं है कि हमारी सेनाओं ने तय लक्ष्य हासिल किए और दुनिया के विशेषज्ञ भारत की निर्णायक जीत के विश्लेषण कर रहे हैं? अब चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की आड़ में छिप कर कांग्रेस मोदी सरकार और सेना को निशाना बनाने पर आमादा है। बेशक सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि हालिया संघर्ष में शुरुआत के दो दिनों में हमें हवाई नुकसान उठाना पड़ा। नंबर अहम नहीं हैं, लेकिन हमने गलतियां सुधारीं और अपने टारगेट पर हमला बोल कर उसे तबाह कर दिया। डीजीएमओ (एयर ऑपरेशन) एयर मार्शल एके भारती ने भी लगभग यही बात कही थी कि जंग में नुकसान अपरिहार्य है, लेकिन सीडीएस ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार, 5 राफेल विमान गिराने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस सीडीएस के बयान का एक छोर पकड़ कर सवाल करते हुए संदेह जताने पर क्यों तुली है? उसकी संसद के विशेष सत्र बुलाने में क्या दिलचस्पी है? हम पहले भी कह चुके हैं कि यदि सामूहिक विपक्ष संसद सत्र की मांग कर रहा है, तो सरकार को मॉनसून सत्र कुछ पहले ही बुला लेना चाहिए, लेकिन अब कांग्रेस चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी सीडीएस के बयान पर संसद में स्पष्टीकरण दें। कांग्रेस को पता होगा कि अभी 'ऑपरेशन सिंदूर' स्थगित है, खत्म नहीं हुआ है। युद्ध की रणनीति अति गोपनीय विषय है, उसे संसद के मंच पर भी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीडीएस ने रणनीति की ओर संकेत किया है। क्या प्रधानमंत्री के स्पष्टीकरण के जरिए कांग्रेस उस रणनीति का खुलासा करवा देना चाहती है, जो पाकिस्तान के लिए फायदेमंद हो सकती है। पाकिस्तान हमारी सैन्य रणनीति जानने के बाद अपनी रणनीति दोबारा बना सकता है। हमारा सवाल है कि क्या कांग्रेस का अस्तित्व भारत के अस्तित्व से भिन्न है? उसने कारगिल युद्ध के बाद विशेषज्ञ समिति की तर्ज पर नई समीक्षा-समिति बनाने की भी मांग की है। इस संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बातचीत कर सकते हैं। सार्वजनिक मंच पर शोर मचाने और प्रधानमंत्री पर देश को गुमराह करने जैसे आरोप लगाने से हासिल क्या होगा? दुश्मन ही खिल्ली उड़ाएगा। यह युद्ध-सा माहौल है, लिहाजा कांग्रेस को ऐसा गैर-जरूरी रवैया नहीं अपनाना चाहिए। देश और सेना उसकी भी है।

लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है

वैश्विक विस्मृति के शिकार तियानमेन चौक के शहीद

राकेश सैन

> चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई।

वर्तमान युग लोकतंत्र का है, इस प्रणाली की लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है। यहां तक कि मजहबी राजनीतिक व्यवस्था वाले देश भी अपने नाम में किसी न किसी तरह लोकतंत्र शब्द को शामिल करके स्वयं को प्रगतिशील साबित करने का प्रयास करते हैं। पर आश्चर्य की बात है कि लोहावरणवादी कम्युनिस्ट व्यवस्था को जबरन ढो रही चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई। एक वर्ग वो जो तीव्र परिवर्तन की मांग कर रहा था, तथा दूसरा वो कठोर राज्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता था। इस दौरान छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसमें भाग लेने वालों में वे लोग शामिल थे जो विदेश में रह चुके थे और नए विचारों तथा उच्च जीवन स्तर से परिचित थे। 1989 में अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन बढ़ गये। प्रदर्शनकारियों को एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हू याओबांग से प्रोत्साहन मिला, जिन्होंने कुछ आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की देखरेख की। दो वर्ष पहले राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया था। अप्रैल में हू की मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार के दिन हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कम सेंसरशिप की मांग की। अगले सप्ताहों में, प्रदर्शनकारी तियानमेन चौक पर एकत्र हुए, जिनकी अनुमानित संख्या दस लाख तक थी। तत्कालीक कम्युनिस्ट व्यवस्था ने इस दौरान न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों, विशेषकर छात्रों और श्रमिकों का निर्मम दमन किया गया, बल्कि करोड़ों चीनी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को भी रौंद दिया। 3-4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है। घटना वाले दिन बीजिंग की सडक़ों पर वह भयावह मंजर शुरू हुआ। चीनी सेना ने राजधानी में प्रवेश कर

गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 35-36 लोग मारे गए। लेकिन यह तो केवल शुरुआत थी। 4 जून की सुबह करीब 4 बजे, जब तियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में निहत्थे छात्र, नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग शांतिपूर्वक लोकतंत्र और पारदर्शिता की मांग को लेकर एकत्र थे, तब कम्युनिस्ट सरकार ने क्रूरतम रूप का प्रदर्शन किया। सरकार ने न सिर्फ टैंक और हथियारबंद जवानों को तियानमेन चौक पर भेजा, बल्कि लड़ाकू विमानों तक की तैनाती की। बिना किसी चेतावनी के गोलियां बरसाई गईं। निर्दोष लोगों को कुचला गया, दौड़ते बच्चों को निशाना बनाया गया, और चौक को रक्तरंजित कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ एक नरसंहार नहीं बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की भावना पर एक संगठित, राज्य-प्रायोजित प्रहार था। बीजिंग की सडक़ों पर मानव रक्त की नदियाँ बह रही थीं। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं था, बल्कि एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन के खिलाफ राज्य द्वारा चलाया गया सुनियोजित नरसंहार था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने छात्रों और नागरिकों की शांतिपूर्ण मांगों का उत्तर टैंकों और गोलियों से दिया। रात के अंधेरे में बीजिंग की सडक़ों पर टैंक गर्जना करने लगे और कुछ ही घंटों में लगभग 10,000 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। चीनी सरकार अनुसार, दो सौ लोग मरे और तीन हजार घायल हुए। तियानमेन नरसंहार को लेकर वर्षों तक चीन सरकार ने मृत्यु संख्या को लेकर पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी, लेकिन समय के साथ कुछ अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज सामने आए, जिन्होंने इस भयावह घटना की असली तस्वीर उजागर की। चीन में तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत एलन डॉनल्ड ने 1989 में लंदन भेजे अपने एक गोपनीय टेलीग्राम में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 10,000 लोगों की मृत्यु हुई। यह टेलीग्राम घटना के 28 वर्षों बाद सार्वजनिक हुआ। हांगकांग बैप्टिस्ट विश्वविद्यालय में चीनी इतिहास, भाषा और संस्कृति के विशेषज्ञ ज्यां पिए कबेस्टन ने भी इस टेलीग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'ब्रिटिश राजनयिकों द्वारा भेजे गए आँकड़े हैं और इन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।' प्रसिद्ध चीनी लेखक और सामाजिक आलोचक लियाओ इयवु ने तियानमेन नरसंहार को लेकर अपनी लेखनी के माध्यम से चीनी सत्ता की क्रूरता को बेनकाब किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि चीन अब पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। 'बॉल्स ऑफ ओपियम' नामक अपनी पुस्तक में, जो विशेष रूप से तियानमेन चौक की घटना पर आधारित है, उन्होंने लिखा, 'लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हजारों लोगों को सेना ने निर्ममता से कुचल दिया।' यह पुस्तक न केवल चीन में प्रतिबंधित कर दी गई, बल्कि लियाओ को इस विचारधारा के खिलाफ बोलने के कारण जेल, गुप्त निगरानी और अंततः निर्वासन तक का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद भी चीनी सरकार ने दमनात्मक रवैया छोड़ा नहीं बल्कि अत्याचारों की सारी सीमाएं लांघ दी। 6 जून नरसंहार के तुरंत बाद चीन में स्थित विदेशी दूतावासों ने अपने-अपने नागरिकों को सुरक्षा कारणों से देश छोडऩे के निर्देश जारी किए ताकि इस घटना पर पर्दा डाला जा सके। 16 जून को आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं की व्यापक गिरफ्तारी शुरू हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े 1000 से अधिक छात्र नेताओं को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। अगले दिन 17 जून बीजिंग में 8 नागरिकों को मृत्युदंड दिया गया। 20 जून को चीन ने सभी ट्रैवल वीजा पर रोक लगा दी। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि कोई भी आंदोलनकारी देश छोडक़र अंतर्राष्ट्रीय समर्थन न प्राप्त कर सके, और विरोध की आवाज को सीमा के भीतर ही दबा दिया जाए। वैसे तियानमेन नरसंहार वामपंथी विचारधारा के चरित्र का कोई अपवाद नहीं, बल्कि उसकी सतत अमानवीय प्रवृत्तियों की ही एक कड़ी है। इतिहास के पन्ने पलटने पर स्पष्ट होता है कि वामपंथी अधिनायकवाद का पूरा इतिहास ऐसे ही संविधान-विरोधी अत्याचारों और दमन की घटनाओं से अटा पड़ा है। लेनिन के नेतृत्व में 'बोल्शेविक क्रांति' के बाद लाखों विरोधियों का दमन, स्टालिन के 'ग्रेट पर्ज' के दौरान अनुमानित दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्या, और माओत्से तुंग के 'ग्रेट लीप फारवर्ड' और 'कल्चरल रेवेल्यूशन' में करोड़ों लोगों की मौतें, यह दिखाती हैं कि वामपंथी शासन अक्सर आलोचना और विरोध को कुचलने के लिए नरसंहार और दमन को ही नीति का रूप दे देता है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि भारत के वामपंथी विचारक और संगठन भी उन्हीं वैश्विक व्यक्तित्वों लेनिन, माओ और स्टालिन से वैचारिक प्रेरणा लेते रहे हैं, जिनकी नीतियाँ अत्याचार, दमन और हिंसा से जुड़ी रही हैं। चाहे वह बंगाल और केरल की वामशासित सरकारों में राजनीतिक हिंसा का इतिहास हो, या फिर नक्सलवाद और अर्बन नक्सलिज्म के माध्यम से राज्यविरोधी हिंसक गतिविधियाँ, इन सबमें वामपंथी विचारधारा की भूमिका बार-बार सामने आती रही है। भारत-चीन युद्ध के दौरान जैसे भारत के कम्युनिस्टों ने दुश्मन देश का समर्थन कर अपने चरित्र का प्रमाण दिया उसी तरह तियानमेन चौक नरसंहार पर भी उन्होंने चीन को मूक समर्थन दिया।

देश दुनीया से

विकास के विनाशकारी प्रभाव

मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है। हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमरीका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं। विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटी ग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 फीसदी ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा। भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 फीसदी क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पाच्छू से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं। हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी

जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है। भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है। इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फलसफा अमरीकी फलसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है। पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था। अब तो ऐसी वस्तुएं बनने लगी हैं जिनको एक बार प्रयोग करके फैंकना ही पड़ता है। इससे एक तो संसाधनों का अत्यधिक दोहन और खनन करना पड़ता है और दूसरे, इतना ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है जिसके निपटारे की समस्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। इस सबके लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। टिकाऊ उत्पाद बनाने से इस फिजूलखर्ची से बचा जा सकता है।

कुछ अलग

डिले करप्शन...

आजकल वह गुस्से में हैं। बेहद गुस्से में। उनकी आंखें ठीक उसी तरह लाल हैं जिस तरह चीन को देखते ही प्रधानमंत्री की हो जाती हैं। लेकिन चीन को लाल आंखें दिखाने के बावजूद प्रधानमंत्री के मुंह से चीन का च तक नहीं निकल पाता। ख़ुद लाखों का विदेशी चश्मा, पेन, जूते और कपड़े पहनने के बावजूद ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आवाह्न करते हुए वह सिर्फ छोटी आंखों वाली गणेश की मूर्ति का हवाला देकर, चीन का नाम लिए बिना पतली गली से निकल गए। पर इधर सभी सरकारी योजनाओं के मार्फत सुख बांटने वाले अपने मुख्यमंत्री आजकल बेहद गुस्से में हैं। उनका कहना है कि 'डिले करप्शन' के आरोपी अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरेगी। करप्शन में डिले करने वाले अफसरों को सरकार भारमुक्त करके ही मानेगी। अफसरों की इतनी मजाल कि उन्होंने डिले करप्शन किया। करप्शन को बिना किसी डिले के तुरंत पूरा किया जाना चाहिए था। उन्होंने एक साक्षात्कार में बाकायदा ऐलान किया है कि डिले करप्शन के आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री कहना है कि किसी काम को डिले करना भी एक करप्शन है। लेकिन साक्षात्कारकर्ता ने उनके हवाले से कहा है कि डिले करप्शन के आरोपी अफसरों को राज्य सरकार भारमुक्त करेगी। मुख्यमंत्री के इस साक्षात्कार के बाद सरकार के एक आला अधिकारी झुन्नू लाल जी इस दुविधा में हैं कि किस तरह के अधिकारियों को भारमुक्त किया जाएगा? काम में डिले करने वाले अधिकारियों को या करप्शन में डिले करने वालों को? उन्हें सरकार की मंशा पर रत्ती भर भी संदेह नहीं। पर उनका मानना है कि अगर सरकार काम को डिले करने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सचमुच संजीदा होती तो अब तक आधे से ज़्यादा कर्मी निपट लिए होते। पर उससे पहले न जाने देश में कितनी सरकारें निपट गई होतीं। अभी एक दिन पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री के सामने कहा कि कई रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं और सैन्य प्लेटफार्मों की आपूर्ति के लिए वितरण कार्यक्रम का पालन करने में डिले हो रहा है। समय सीमा का पालन एक बड़ी समस्या है। इसी समस्या को लेकर हमारे मुख्यमंत्री भी परेशान हैं। लेकिन उनके साक्षात्कार में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह काम में डिले की वजह से परेशान हैं या डिले करप्शन की वजह से। पता नहीं साक्षात्कार लेने वाले पत्रकार बंधु का हाथ अंग्रेजी में तंग है या मुख्यमंत्री का या फिर दोनों का। पर इतना तो तय है कि इन दोनों महानुभावों के अलावा शायद ही किसी तीसरे आदमी को पता चल पाया हो कि यह दोनों कहना क्या चाहते हैं। कई बार इस तरह की अंग्रेजी हमारे वैश्विक प्रधानमंत्री भी बोलते हैं। प्रधानमंत्री की एंटायर पॉलिटिक्स साईंस के बाद यह उनकी एंटायर इंग्लिश का ही कमाल था कि उन्होंने मधुबनी में आयोजित चुनावी रैली में पाकिस्तान को उग्रवाद के खिलाफ अंग्रेजी में चेताया। पर शुक्र है कि उन्होंने पाकिस्तानियों को शांति से रोटी खाने की सलाह अंग्रेजी में नहीं दी।

दृष्टि कोण

रक्षा निर्यात में ताकत बनकर उभरेगा भारत

पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ भारत द्वारा छेड़े गए युद्ध के केवल चार दिनों के बाद, हालांकि युद्धविराम ने इस आतंकवादी राष्ट्र को और अधिक नुकसान से बचा लिया है, लेकिन इस छोटी सी अवधि में पाकिस्तान को निश्चित रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। और अगर हम संघर्ष के इन चार दिनों को देखें, तो भारत निश्चित रूप से अपनी रक्षा क्षमताओं, विशेष रूप से स्वदेशी रक्षा उपकरणों को वैश्विक स्तर पर अपने संबंधित श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय प्रणालियों द्वारा शत्रु की प्रौद्योगिकियों को बेअसर करने के ठोस सबूत भी पेश किए- चीनी पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, तुर्की मूल के यूएवी, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन के टुकड़े बरामद किए गए।' पीआईबी आगे कहता है, 'जिन्हें बरामद किया गया और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चलता है कि पाकिस्तान द्वारा विदेशों से आपूर्ति किए गए उन्नत हथियारों का फायदा उठाने के प्रयासों के बावजूद, भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर बना हुआ है।' गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढक़र 2023-24 में 21083 करोड़ रुपए हो गया, और 2024-25 में यह 23622 करोड़ रुपए हो गया। अगले वर्ष के लिए इसका लक्ष्य 35000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करना है। भारत अब इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन और चिली सहित 85 से अधिक देशों को निर्यात करता है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उपकरणों में शामिल हैं- आकाश-सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जिसे आर्मेनिया जैसे देशों को निर्यात किया गया है और सूडान में प्रदर्शित किया गया। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे फिलीपींस को निर्यात किया जा रहा है और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है (सौदों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं)। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, 155 मिमी आर्टिलरी गन, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, जो उन्नत आर्टिलरी प्रणालियों में भारत की क्षमताओं को उजागर करता है। डोर्नियर-228 विमान, जिसे परिवहन और निगरानी भूमिकाओं के लिए विभिन्न देशों को निर्यात किया गया। हालांकि, इन रक्षा वस्तुओं की विभिन्न देशों में पहले से ही मांग है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद परिदृश्य भारत के रक्षा निर्यात के पक्ष में और भी बदल गया है। भारत अब अधिक रक्षा सामान बेचने की बेहतर स्थिति में है। इस ऑपरेशन ने न केवल भारत की सैन्य साख को बढ़ाया है, बल्कि स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का जीवंत प्रदर्शन भी किया है। कैसा रहा प्रदर्शन? पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता साबित हुई है। आज दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के युद्ध में मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों का समय आ गया है। भारत ने अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया है और नए युग के युद्ध में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को कार्रवाई में प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया है। वास्तव में, हम युद्ध के मैदान में भारत के वर्तमान कार्य को दुनिया में भारत निर्मित हथियारों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रचार अभ्यास कह सकते हैं, क्योंकि हम कह सकते हैं कि वे परीक्षण केवल मैदान में नहीं बल्कि चीन और तुर्की जैसी प्रमुख सैन्य शक्तियों द्वारा समर्थित वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति में सिद्ध हुए हैं। आकाश मिसाइल सिस्टम पर इकोनॉमिक टाइम्स लिखता है कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच, आकाश मिसाइल ने अपनी 'अग्नि परीक्षा' पास कर ली है। उल्लेखनीय है कि आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत की स्वदेशी प्रणाली है, जिसने हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।

राजशाही समर्थकों का हौसला बढ़ाने पूर्व युवराज्ञी सड़कों पर उतरी

काठमांडू

नेपाल में राजशाही की वापसी को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे अपने समर्थकों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह भी सड़क पर आईं। अपने बेटे के साथ सड़क पर समर्थकों के बीच पहुंची हिमानी को देखकर लोगों में काफी उत्साह देख गया।

राजदरबार हत्याकांड की 24वीं बरसी पर दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पहले यह आयोजन राजदरबार के भीतर ही करना था लेकिन सरकार ने राजपरिवार के सदस्यों को उसी राजदरबार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं दी जिस राजदरबार में रह कर शाह परिवार ने 240 वर्षों तक शासन चलाया था।

सरकार द्वारा राजदरबार में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह ने काठमांडू के कमलादी में रहे गणेश मन्दिर में इसका आयोजन किया। सड़क पर अपने समर्थकों के बीच गणेश मंदिर से एक बार फिर से राजशाही की वापसी के लिए संघर्ष का श्रीगणेश माना जा सकता है। वे हजारों समर्थकों के बीच शालीनतापूर्वक मुस्कुराते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करती नजर आईं।

हिमानी का सड़क पर आना विपक्षी के उन सवालों का भी जवाब है जो यह कहते हैं कि जिस राजसंस्था की पुनर्बहाली के लिए उनके समर्थक सड़कों पर पुलिस की लाठियां खा रहे हैं उस राजसंस्था का कोई भी सदस्य कभी भी उनके साथ सड़क पर क्यों नहीं आता अपने बीच राजपरिवार के सदस्यों को देख कर समर्थकों और आम जनता में काफी उत्साह देखा गया।

हिमानी शाह के सड़क पर आने के बाद सोमवार को एक दिन के लिए स्थगित संघर्ष को मंगलवार से फिर शुरू करने की घोषणा कर दी गई। राजसंस्था पुनर्बहाली के लिए बनाई गई जनसंघर्ष समिति ने मंगलवार से दोपहर को उसी स्थान पर प्रदर्शन करने की जानकारी दी है जो सरकार ने उपलब्ध कराया है। कल का प्रदर्शन काठमांडू के सिफल मैदान में करने की जानकारी दी जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

बिलावल भुट्टो ने जम्मू-कश्मीर विवाद को भारत से झगड़े की जड़ माना

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के पूर्व विदेशमंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के स्थायी समाधान के लिए जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान एक अनिवार्य शर्त है। नौ सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बिलावल ने चीन के एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम से स्थायी शांति आनी चाहिए। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज टीवी चैनल ने एसोसिएट प्रेस ऑफ पाकिस्तान के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। बिलावल ने दोटूक कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद को सुलझाए बिना कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। बिलावल ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला तनाव बढ़ाने वाला है। इस संबंध में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दोनों देशों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, आईडब्ल्यूटी और आतंकवाद पर भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद के हालात की जानकारी दी है।

दक्षिण कोरिया चुनेगा अपना अगला राष्ट्रपति, मतदान शुरू

सियोल। दक्षिण कोरिया के लोग अपना नया राष्ट्रपति चुनेंगे। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार सुबह 6 बजे देशभर के 14,295 मतदान केंद्रों पर शुरू हो गया। यह उपचुनाव संवैधानिक न्यायालय के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पिछले साल के अंत में मार्शल लॉ घोषित करने के कारण अप्रैल में पद से हटाए जाने के 60 दिन बाद हो रहा है। खबर के अनुसार, विजयी उम्मीदवार बुधवार को पदभार ग्रहण करेंगे। नए राष्ट्रपति का कार्यकाल जून 2030 तक रहेगा। मतदान रात 8 बजे समाप्त होगा। इसके लगभग 30 मिनट बाद 254 केंद्रों पर मतपत्रों की गिनती शुरू हो जाएगी। आधीरात बाद नतीजा आने की उम्मीद है। आंतरिक एवं सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, पात्र मतदाताओं की संख्या लगभग 44.39 मिलियन है। चुनाव से पहले गुरुवार और शुक्रवार को हुए प्रारंभिक मतदान में उदारवादी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया के उम्मीदवार ली जे-म्यांग को लगभग 49 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। रूढ़िवादी पीपल पावर पार्टी के उम्मीदवार किम मून-सू उनके निकटतम प्रतिद्वंदी हैं। प्रारंभिक मतदान में लगभग 15.42 मिलियन मतदाताओं ने हिस्सा लिया।

कोलोराडो हमला बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणामः ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलोराडो के बोल्डर शहर में इजराइल समर्थक रैली पर हुए

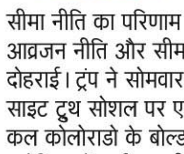

हिंसक हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमेरिका में बिल्कुल बर्दाश्त न करने योग्य करार दिया है। उन्होंने इस घटना को जो बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणाम बताते हुए एक बार फिर कड़ी आव्रजन नीति और सीमाओं की सुरक्षा की मांग दोहराई। ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक बयान जारी कर कहा कि कल कोलोराडो के बोल्डर में हुआ भयानक हमला अमेरिका में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि देश की सीमाएं कमजोर हैं और राष्ट्रपति बाइडन की नीति के कारण अवैध और अमेरिका-विरोधी तत्व देश में घुसपैठ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप नीति के तहत उन्हें देश से निकाल बाहर करना होगा। आतंकवाद जैसे कृत्यों के लिए सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पर्ल स्ट्रीट मॉल के पास हमला हुआ, जहां प्रो-इजराइल रैली चल रही थी। आरोपित ने कथित रूप से इंसीनिडरी डिवाइस और घरेलू फ्लेमथ्रोअर का उपयोग करते हुए हमला किया और फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। जांच में पता चला है कि आरोपित मिस्र निवासी मोहम्मद सबरी सोलिमान (45 वर्ष) करीब एक साल से इस हमले की योजना बना रहा था। इस हमले में चार महिलाएं और चार पुरुष घायल हुए हैं। आरोपित कथित रूप से वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था।

भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ब्राजील खुलकर साथ

ब्रासीलिया

भारत की पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ब्राजील ने खुलकर साथ देने की प्रतिबद्धता दोहराई है। भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में ब्राजील के नेताओं से मुलाकात की है। इस दौरान ब्राजील के शीर्ष नेतृत्व को भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद के ताजा हालात से अवगत कराया गया। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि ब्राजील के नेताओं ने भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयास ऑपरेशन सिंदूर के लिए स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया और पाकिस्तान के सीमा पार आतंकवाद की निंदा की। प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजील की संसद के अध्यक्ष, कार्यवाहक विदेशमंत्री और भारत-ब्राजील मैत्री समूह के सांसदों से मुलाकात की है। ब्राजील के नेताओं ने आश्वासन दिया कि ब्राजील भारत का मित्र है और आगे भी मित्रता का निर्वहन करेगा।

सूर्या ने कहा कि यह भारत के लिए बहुत बड़ी बात है। लैटिन अमेरिका और इस पूरे भूगोल में ब्राजील का महत्वपूर्ण स्थान है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजील के शीर्ष अधिकारियों तीन दौर की चर्चा की है। सभी बैठकों में ब्राजील ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख का हर तरह से समर्थन किया। तेजस्वी ने कहा कि भारत को गुयाना, पनामा और कोलंबिया से अपार समर्थन मिला। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिनिधिमंडल में सरफराज अहमद, गंटी हरीश मधुर, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता, तेजस्वी सूर्या और पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उनकी ब्राजील की उप विदेशमंत्री मारिया लॉरा दा रोचा के साथ बैठक सफल रही।

मोनरोविया (लाइबेरिया) में भाजपा नेता एसएस अहलूवालिया ने कहा कि पाकिस्तान हमारा खराब पड़ोसी है। यह पड़ोसी हमेशा हमसे लड़ता रहता है। पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र बनता जा रहा है। बीजू जनता दल के सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि आतंकवादी अच्छे या बुरे नहीं होते। वह केवल आतंकवादी होते हैं। यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की लड़ाई है। भारत वसुदैव कुटुंबकम की विचारधारा पर यकीन रखता है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आतंकवाद किसी क्षेत्र की समस्या नहीं है। इस वक्त सारी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एक साथ खड़ा हो जाना चाहिए। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला इंसानियत की हत्या थी।

काहिरा(मिस्र) में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह वह संदेश है जिसे हम सभी ने अपने वार्ताकारों को देने का प्रयास किया है कि समय आ गया है कि उन सभी देशों पर एक बार प्रतिबंध लगा दिया जाए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं। दुर्भाग्य से पाकिस्तान उन देशों में सबसे आगे है।

मैड्रिड (स्पेन) में डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा किहमने स्पेन के विदेशमंत्री से मुलाकात की। सीनेट के सदस्यों से मुलाकात की। हमने स्पेन इंडिया काउंसिल के साथ बैठक की। सबसे पहले हमने आतंकवाद पीड़ितों का समर्थन करने वाले संघ के साथ बैठक की। हमें विदेशमंत्री से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि जब भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ना चाहेगा या इसे समाप्त करना चाहेगा, तो वे उसका समर्थन करेंगे। बताया गया है कि रूस, लातविया, स्लोवेनिया, ग्रीस और स्पेन की यात्रा पूरी करने के बाद सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत के लिए रवाना होगा। प्रतिनिधिमंडल की नेता कनिमोझी चेन्नई पहुंचेंगी, उनके अन्य सदस्य कल दिल्ली में होंगे।

शशि थरूर ने ब्राजील में उपराष्ट्रपति से की मुलाकात- आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता पर दिया जोर

ब्रासीलिया

विभिन्न देशों का दौरा कर दुनिया के सामने पाकिस्तान की करतूतों को उजागर कर रहे भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन से मुलाकात की। इस दौरान उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की ब्राजील यात्रा को लेकर खुशी जाहिर की।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कामिन ने कहा, भारतीय विदेशी मामलों में संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर और सांसदों व भारत के ब्राजील राजदूत का स्वागत करना हमारे लिए सम्मान और खुशी की बात है। हम खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं, क्योंकि ब्राजील एक मित्र देश और भारत का एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक साझेदार है। हम हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हैं। ब्राजील हमेशा शांति और समझ को बढ़ावा देता है और हम भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, यह यात्रा अब तक बहुत अच्छी रही है और हम चारों देशों में हुई बैठकों की गुणवत्ता से बहुत संतुष्ट हैं। आज ब्रासीलिया में हमने राष्ट्रपति के वरिष्ठ कूटनीतिक सलाहकार से मुलाकात की, जो पहले विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रह चुके हैं। हमारी बातचीत में हमारी स्थिति को पूरी तरह समझा गया। हमारी सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के साथ भी शानदार बैठक हुई। वे भारत-ब्राजील मैत्री समूह के अध्यक्ष भी हैं और हमारे विचारों और स्पष्टीकरण के प्रति बहुत सहायक और ग्रहणशील थे। शशि थरूर ने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुटता चाहते हैं। इन देशों में यह बात स्पष्ट हो गई है कि वे कुछ मुद्दों को समझते हैं, लेकिन कुछ अन्य को पूरी तरह नहीं समझा गया है। कई देश स्वाभाविक रूप से बातचीत का सुझाव देते हैं, लेकिन उन लोगों से बातचीत करना बहुत मुश्किल है, जो आपके सिर पर बंदूक ताने हुए हैं और आपकी सीमा पर आतंकवादी भेज रहे हैं। यह एक मूलभूत समस्या है। पहला कदम यह होना चाहिए कि वे आतंकवाद के ढांचे को खत्म करें।

नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का है कंट्रोल बिना इजाजत पाक अफसर भी नहीं जा सकते

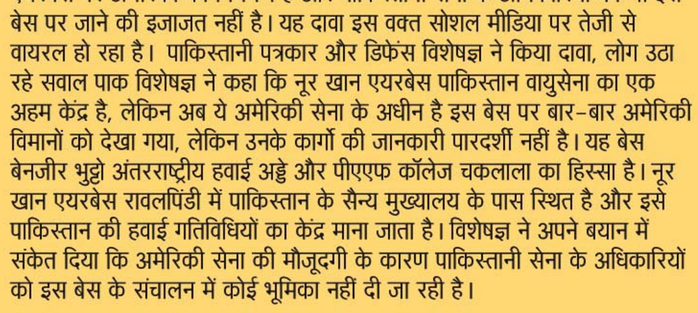

क्या पाकिस्तान का नूर खान एयरबेस अमेरिका की कस्टडी में है क्या अमेरिका एयरबेस की मदद से इस रीजन में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत कर रहा है यह दावा पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया है कि रावलपिंडी में स्थित नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का नियंत्रण है और पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भी इस बेस पर जाने की इजाजत नहीं है। यह दावा इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया दावा, लोग उठा रहे सवाल पाक विशेषज्ञ ने कहा कि नूर खान एयरबेस पाकिस्तान वायुसेना का एक अहम केंद्र है, लेकिन अब ये अमेरिकी सेना के अधीन है इस बेस पर बार-बार अमेरिकी विमानों को देखा गया, लेकिन उनके कार्गो की जानकारी पारदर्शी नहीं है। यह बेस बेनजीर भुट्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पीएएफ कॉलेज चकलाला का हिस्सा है। नूर खान एयरबेस रावलपिंडी में पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय के पास स्थित है और इसे पाकिस्तान की हवाई गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। विशेषज्ञ ने अपने बयान में संकेत दिया कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी के कारण पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को इस बेस के संचालन में कोई भूमिका नहीं दी जा रही है।

पाक में दो पुलिस थानों पर आतंकी हमला, सात बलूच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के दो प्रांतों में पिछले 24 घंटे के दौरान दो पुलिस थानों पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले से इतर मुठभेड़ में सात बलूच लड़ाके मारे गए। बलूच लड़ाकों को पाकिस्तान आतंकी बता रहा है। बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अजादी की मांग कर रहे हैं। वहां लंबे समय से आजादी के लिए लोग संघर्ष कर रहे हैं।

खबर के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिला और बन्नू जिले में दो पुलिस स्टेशनों पर आतंकवादियों के हमले को विफल कर दिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि लोई मामुंड (बाजौर जिला) और मिरयान (बन्नू) में पुलिस स्टेशनों पर देररात आतंकवादियों ने हमला किया। पुलिस बल ने बहादुरी से हमलावरों का सामना किया और उन्हें खदेड़ दिया। हमीद ने पुलिस बल के लिए प्रशंसा पत्र और पुरस्कार की घोषणा की है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में सात बलूच लड़ाकों को मार गिराया। सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि मरने वाले सातों आतंकवादी हैं। यह अभियान दो जून को चलाया गया। कच्छी जिले के माच के सामान्य क्षेत्र में खुफिया आधारित ऑपरेशन के दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। कलात जिले के मार्गंड के सामान्य क्षेत्र में दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। पाकिस्तान की सेना ने कहा कि मारे गए सातों आतंकी फितना अल हिंदुस्तान के हैं। उल्लेखनीय है कि आतंकवाद परस्त पाकिस्तान लंबे समय से बलूचिस्तान के विद्रोहियों को फितना अल हिंदुस्तान (विद्रोही और हिन्दुस्तान के एजेंट) कहकर इस राजनीतिक समस्या को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही टीटीपी को भी 'फितना अल खवारिज' कहकर (धार्मिक अपशब्द) भारत का साथ देने वाला बताकर प्रलाप करता रहता है। सैन्य अधिकारी भी हुकूमत की हां में हां मिलाते हैं। डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि बलूचिस्तान को कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा।

तुर्की में शांति वार्ता के लिए ट्रंप तैयार, पुतिन और जेलेंस्की से मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोआन के उस प्रस्ताव के लिए तैयार हैं, जिसमें उन्होंने ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच तीन-तरफा शांति वार्ता आयोजित करने की पेशकश की है। यह जानकारी सोमवार को व्हाइट हाउस की ओर से दी गई। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन ने सोमवार को कहा कि उनका देश रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए इस उच्चस्तरीय वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। उन्होंने कहा, तुर्की इस प्रकार की बैठक के लिए आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि यदि ऐसी स्थिति आती है, तो वे इसके लिए तैयार हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि दोनों नेता और दोनों पक्ष एक साथ बातचीत की मेज पर आएं। यह बयान

ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं सीमित होती दिख रही हैं। एर्दोआन इससे पहले भी रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता की कोशिशें करते रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस प्रस्ताव पर पुतिन या जेलेंस्की की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूएस संसद में भारत का गुणगानः महात्मा गांधी के बाद पीएम मोदी को बताया सबसे महान नेता

वॉशिंगटन। दुनिया के कई देश भारत की तारीफ कर चुके हैं। यहां आयोजित अमेरिका भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों ने जिस तरह से भारत की तारीफ की, उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि व्यापार के मामले में भारत और अमेरिका एक अच्छी साझेदारी निभाने वाले हैं। यहां मौजूद अमेरिकी सांसद और इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रिच मैककॉर्मिक ने दिल खोलकर भारत और पीएम मोदी की तारीफ की। अमेरिकी सांसद रिच मैककॉर्मिक ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कहा है कि वे भारत के सबसे प्रभावशाली राजनेता हैं। वे शायद भारत में महात्मा गांधी के बाद सबसे महान नेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएम बेहद विनम्र हैं और जो लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनने से पहले जानते थे, वे बताते हैं कि मोदी उनके घर आने पर फर्श पर सोते थे।उन्होंने पीएम मोदी को जननेता बताते हुए कहा - वे आक्रामक और राष्ट्रवादी प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था को विकसित करने का वैश्विक दृष्टिकोण अच्छी तरह समझ है। आने वाला समय भारत का है और इस बात को अब अमेरिकी राजनेता भी मान रहे हैं। तभी तो यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम में अमेरिकी प्रतिनिधियों ने भारत की तारीफ करते हुए इसकी तुलना चीन से कर दी अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनक ने पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा नेता कहा, जिसे पूरे देश से समर्थन मिला है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स ने भारत की तुलना चीन से करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर निवेश अब चीन से हटकर भारत की ओर बढ़ रहा है।

योगी कैबिनेट का फैसला : पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी राज्य सरकार

-योगी कैबिनेट में पर्यटन विभाग की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट व होमस्टे नीति-2025' का अनुमोदन
- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में 11 में से 10 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में पूर्व अग्निवीरों को पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुड़सवार एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में आरक्षण देने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 को भी मंजूरी दे दी गई। लोकभवन के सभागार में आयोजित कैबिनेट बैठक में कुल 11 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए रखे गए, जिसमें 10 प्रस्तावों को स्वीकृति दी है।योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुड़सवार एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में पूर्व अग्नि-वीरों को (4 साल की सेवा के पश्चात) 20 प्रतिशत पदों को आरक्षित रखते हुए क्षैतिज आरक्षण दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। भूतपूर्व सैनिक की तरह अग्निवीर के रूप में की गयी सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में 03 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अग्निपथ योजना शुरू की गई है, जो देशभक्त और प्रेरित युवाओं को सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना) में सेवा करने का अवसर देती है। इसके तहत अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में सेवा से बाहर आएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व अग्निवीरों को प्रदेश स-रकार के इस निर्णय का लाभ मिलेगा।

6 कमरे और 12 बेड की होगी अनुमति - उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 को भी मंजूरी दे दी गई। इस नई नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा उपलब्ध करना है। पर्यटन विभाग के इस प्रस्ताव से प्रमुख धार्मिक या पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के आवास की समस्या का समाधान होगा। बीएंडबी एवं होमस्टे नीति-2025 के अनुसार धार्मिक और पर्यटन स्थलों में कोई भी व्यक्ति अपने 1 से 6 कमरों तक की इकाई को होमस्टे के रूप में रजिस्टर करा सकता है।

इसके तहत, अधिकतम 12 बेड की अनुमति होगी। कोई भी पर्यटक लगातार 7 दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। इससे अधिक ठहरने की स्थिति में रिन्यूअल की भी व्यवस्था होगी। अनुमति की प्रक्रिया जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाली कमेटी के माध्यम से पूरी की जाएगी। आसान होगा

पंजीकरणकैबिनेट फैसल की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे इकाइयों के लिए 500 रुपये से 750 रुपये तक का नाममात्र शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहरी या सिल्वर श्रेणी के होमस्टे के लिए दो हजार रुपये का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों के कारण यह राज्य विदेशी और घरेलू पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। राज्य में पहले ऐसी कोई नीति न होने के कारण होमस्टे संचालकों को केंद्र सरकार के निधि प्लस पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता था। अब राज्य सरकार की इस नई नीति के तहत वे स्थानीय निकायों की अनापत्ति लेकर सरल प्रक्रिया से पंजीकरण कर सकेंगे। पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावासुरेश खन्ना ने बताया कि इसके अतिरिक्त, इस नीति में वित्तीय प्रोत्साहन और अनुदान की भी व्यवस्था की गई है ताकि राज्य के निवासियों को प्रोत्साहित किया जा सके कि वे अपने घरों को पर्यटन हित में उपयोग करें। इस नीति के लागू होने से न केवल पर्यटकों को सस्ते और सुविधाजनक ठहरने का विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत होगा अन्नपूर्णा भवनों का निर्माणसार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं राशन कार्डधारकों को खाद्यान्न सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के लिए मॉडल उचित दर दुकानों व अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इन भवनों के निर्माण में गति लाने के लिए राजकोषीय बचत से भी अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अब मनरेगा के अतिरिक्त राज्य वित्त आयोग, सांसद निधि, विधायक निधि, पूर्वांचल विकास निधि, बुन्देलखण्ड विकास निधि या अन्य किसी राज्य या केन्द्र सरकार की योजना, जिसमें इनका निर्माण अनुमन्य है, अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा सकेगा। जहां इन योजनाओं के माध्यम से धनराशि की उपलब्धता नहीं हो सकेगी, वहां खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा बचत से धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। इस प्रकार प्रति जनपद 75-100 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण प्रति वर्ष कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त इस भवनों के अनुरक्षण इत्यादि की व्यवस्था का भी प्राविधान किया गया है। 5 मेगा श्रेणी की इकाइयों को प्रोत्साहन धनराशि की स्वीकृतियोगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश औद्योपगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017' के तहत मेगा श्रेणी के औद्यो गिक उपक्रमों के द्वारा 5 इकाईयों को प्रोत्साहन धनराशि दिए जाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत, एसएलएमजी बेवरेज प्रा० लि०, बाराबंकी को अनुमन्य वितीय प्रोत्साहन / सुविधाओं की प्रथम किस्त के रूप में 38,73,01,888 रुपये, सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्रा. लि. मुजफ्फरनगर को 1,88,99,905 रुपये, एसीसी लि., अमेठी को 17,28,07,828 वंडर सीमेन्ट लि. अलीगढ़ को 38,32,30,659 और मून वेबरेजेज हापुड़ को अनुमन्य वित्तीय प्रोत्साहन/सुविधाओं की प्रथम किस्त की धनराशि 8,68,31,672 रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई।

मायावती ने दलित नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या की घटना पर बिहार सरकार को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। मंगलवार को बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि बिहार के जिला मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग के साथ दुष्कर्म और उसको चाकू से मारने की घटना हुई। बाद में घायल बच्ची के इलाज में पटना अस्पताल में लापरवाही से हुई, जिससे उसकी मौत हो गई। यह ताजा घटना राज्य की बदहाल कानून व स्वास्थ्य व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है, जो अति-निन्दनीय एवं चिन्तनीय है। उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार कब बदलेगा? बसपा प्रमुख ने मांग की है कि बिहार सरकार सभी दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करके पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए।

ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति को रोका जा सके। सरकार पीड़ित परिवार की हर प्रकार से मदद करे, यही बेहतर होगा।

आईआईटी बीएचयू में 11 दिवसीय योग शिविर 11 जून से

- निःशुल्क पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 जून

वाराणसी, (हि,स,)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (आईआईटी बीएचयू) में 21 जून को ग्यारहवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान में 11 दिवसीय योग शि-विर का आयोजन किया गया है, जो 11 जून से 21 जून तक प्रतिदिन प्रातः 06 बजे से 07 बजे तक जिमखाना मैदान में आयोजित होगा। मंगलवार को यह जानकारी छात्र अधिष्ठाता (छात्र-कल्याण) प्रोफेसर राजेश कुमार ने दी। प्रोफेसर राजेश ने बताया कि शिविर में शत-प्रतिशत उपस्थिति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 जून

2025 निर्धारित की गई है। पंजीकरण प्रपत्र जिमखाना कार्यालय से सुबह 10 बजे से सांय 05 बजे तक निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रोफेसर कुमार ने संस्थान के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं समस्त काशीवासियों से अपील की है कि वे इस योग शि-विर में बढ़-चढ़कर भाग लें और इस अद्भुत अवसर का लाभ उठाएं। इस आयोजन के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के साथ जीवनशैली में सुधार को प्रोत्साहन मिलेगा।

बकरीद पर निर्दोष जानवरों की हत्या रोकने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, संतों ने किया समर्थन

मथुरा, (हि.स.)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे पं. दिनेश फलाहारी ने मंगलवार मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर मांग की है कि बकरीद वाले दिन निर्दोष जानवरों की कुबार्नी नहीं दी जानी चाहिए। इस मांग का समर्थन ब्रज के साधु-संतों ने किया है। ईद वाले दिन पंडित दिनेश फलाहारी ने साधु-संतों के साथ निर्दोष जानवरों की आत्मा की शांति के लिए हवन करने का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि यह भूमि भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला स्थली है ,यहां पर बड़ी-बड़ी ऋषि मुनियों ने तपस्या की है ,जहां पर राधा-कृष्ण ने गोपियों के साथ में रासलीलाएं की हैं,ऐसे दिव्य, पवित्र स्थान पर यदि निर्दोष जानवरों की हत्या होती है तो वह महा पाप है । इससे बृजवासियों की भावना आहत होंगी। उन्होंने कहा इस भूमि पर भगवान के भक्त ध्रुव महाराज ने बिना भोजन के ,बिना हवा के, बिना पानी के कई वर्षों तक

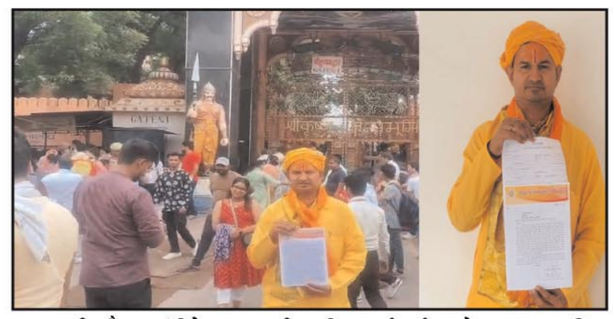

तपस्या की और स्वयं दिनेश फलाहारी ने कहा कि उन्होंने भी कई वर्षों से भगवान श्री कृष्ण मंदिर के लिए भोजन त्याग दिया है ,तो क्या ये लोग अपने अल्लाह के लिए निर्दोष जानवरों की कुबार्नी नहीं त्याग सकते हैं । अपने अल्लाह के लिए मांस का भोजन नहीं त्याग सकते हैं । यह सनातनियों की भूमि है ,यहां पर यदि खून की नालियां बहेंगी तो संतों की भावना आहत होगी। आपको बता दें कि यह वही दिनेश फलाहारी हैं जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण मंदिर के लिए कई वर्ष पहले अन्न त्याग दिया था और नंगे पैर रहते हैं,। आज भी अपने संकल्प पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि यदि बकरीद के दिन निर्दोष जानवरों की हत्या होती है तो वह भी उसी दिन उन जानवरों की आत्मा की शांति के लिए हवन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह लोग कहां चले गए जो होली के त्योहार पर जिनको रंगों से प्रदूषण नजर आता था, दीपावली पर बम पटाखों से जिनको प्रदूषण नजर आता था, आज वह जानवरों की हत्या पर मौन क्यों हैं।

युवा पीढ़ी राष्ट्र की असली पूंजी हैं : राज्यपाल

पूर्वी सिंहभूम, (हि. स.)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि बहरागोड़ा क्षेत्र बहुभाषी और बहुस-ंस्कृतिक विरासत से समृद्ध है, यहां की प्रतिभाओं ने शिक्षा, कला और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश-विदेश में झारखंड का गौरव बढ़ाया है। राज्यपाल मंगलवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में आशीर्वाद संस्था की ओर से आयोजित ह्यप्रतिभा सम्मान समारोह' में 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्ष-ाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह ह्यप्रतिभा सम्मान समारोहह्न केवल पु-रस्कार वितरण का अवसर नहीं है, बल्कि यह परिश्रम, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों का उत्सव है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। जब विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, शिक्षक समाज निर्माण में योगदान देते हैं और नागरिक जनसेवा में योगदान देते हैं, तो यही हमारे राष्ट्र की सच्ची नींव बनाते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि यह समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में प्राथमिकता दें तथा अपने ज्ञान और ऊर्जा का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में करें। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराना भी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से स्थानीय समस्याओं का समाधान निकालें, विशेषकर अपने क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता उच्च शिक्षा की मजबूत नींव बनाती है और सशक्त आधार बनते हैं। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य स्कूली शिक्षा की मजबूती पर निर्भर है। राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त बहरागोड़ा में स्थित विभिन्न विद्यालयों को भी सम्मानित किया। लोक सभा सांसद विद्युत वरण महतो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बहरागोड़ा प्रारंभ से ही शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक रहा है। आज यह क्षेत्र एक शैक्षिक केंद्र के रूप में विक-सित हो रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थापना की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़-ीकरण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने राज्यपाल की उपस्थिति को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल उच्च शिक्षा के विकास के लिए सदैव चिंतित रहते हैं और इसमें सुधार के लिए प्रयास कर रहे हैं। उच्च शिक्षा के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सर्वविदित है।

उपायुक्त ने किया जिला सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का उद्घाटन

लोहरदगा, (हि.स.)। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने मंगलवार को ललित नारायण स्टेडियम में लोहरदगा एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित जिला सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस दो दिवसीय चैंपियनशिप में 14 और 16 आयु वर्ग के बालक और बालिका वर्ग शामिल होंगे। इस अवसर पर हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को 600 मीटर के दौड़ शुरू करायी गयी। साथ ही, उपायुक्त ने लंबी कूद स्पर्धा (बालक वर्ग) की भी शुरूआत करायी। इससे पूर्व उपायुक्त ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और स्टेडियम के स्थिति की जानका-री ली। लंबी कूद में खिलाड़ियों का हौसला भी बढ़ाया। उपायुक्त ने कहा कि लोहरदगा जिला में खेल को ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए जिला प्रशासन तत्पर है। इस जिला के युवक-युवतियों में खेल के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। यहां के खिला-ड़ियों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की

पूरी क्षमता है। उपायुक्त ने कोच से खिलाड़ियों का डाइट प्लान तैयार करने और प्रतिदिन अभ्यास कराने का निर्देश दिया। जिला खेल पदाधिकारी को खिलाड़ियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था और चलंत टॉयलेट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।दो दिन की प्रतियोगिता में अंडर-16 वर्ग में 60 मीटर की दौड़, 600 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक और पेंटाथलॉन की स्पधाएं आयोजित की जाएंगी।अंडर-14 वर्ग में भाला फेंक, लंबी कूद और ट्राय एथलॉन की प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पुलिसकर्मियों पर हमला, थाना प्रभारी सहित पुलिस जवान घायल

रांची, (हि.स.)। रांची के लापुंग थाना क्षेत्र में जमीन विवाद के मामले को लेकर चल रही ग्राम सभा में लापुंग थाना के पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। इस हमले में लापुंग थाना प्रभारी सहित दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। थाना प्रभारी के सिर में चोट लगी है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बेड़ो पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अशोक राम ने बताया कि लापुंग में जमीन विवाद को लेकर चल रहे ग्राम सभा में कुछ असामाजिक तत्वों के मौजूद रहने की सूचना पर लापुंग थाना प्रभारी संतोष यादव ग्राम सभा में पहुचे थे। इसी दौरान पुलिस की टीम पर हमला किया गया। इस हमले में थाना प्रभारी को सिर में चोट लगी है। जबकि एक अन्य जवान घायल हुआ है। घायल थाना प्रभारी का लापुंग में ही प्रारंभिक इलाज करवा कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मौके पर भारी

संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है । ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीण पुष्कर सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद है। पुलिस को आशंका है कि ग्रामीणों को कुछ बाहर से आए लोग भड़का रहे हैं। इस बीच डीआईजी सह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने घायल थाना प्रभारी से अस्पताल में मुलाकात की और स्वास्थ्य का जानकारी ली। एसएसपी ने डॉक्टर से बातचीत कर घायल थाना प्रभारी और जवान का बेहतर इलाज करने का अनुरोध किया। मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह रांची के बेड़ो थाने पर भी हमला किया गया था। इस मामले की जांच में बाहरी लोगों का ही हाथ सामने आया था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लोग बेड़ो पहुंचे थे। उन्होंने ग्रामीणों को उकसा कर थाना में हमला कराने की घटना को अंजाम दिलवाया था। आशंका जताई जा रही है कि बेड़ो की घटना में शामिल लोग ही लापुंग में भी थे। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बिहारवासियों के लिये खुशखबरी, हवाई सफर होगा सस्ता, सरकार ने घटाया एटीएफ पर वैट

पटना, (हि.स.)। बिहार के पटना, गयाजी और दरभंगा जिले के एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों के टिकट के दाम सस्ते होने वाले हैं। नीतीश कैबिनेट ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एट-ीएफ) पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) की दर में 25 प्रतिशत की कटौती की है। एट-ीएफ पर वैट की दर 29 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर दी गयी है। लंबे समय से बिहार के लोगों की शिकायत थी कि यहां आने वाले विमानों की टिकट दर काफी अधिक है। अब नीतीश सरकार ने उनकी शिकायतों को दूर कर दिया है। नीतीश कैबिनेट की ओर से लिये गये फैसले के बाद जहां एटीएफ पर पहले 29 प्रतिशत वैट लगता था, वहीं अब सिर्फ 4 प्रतिशत लगेगा। राज्य सरकार के इस फैसले के बाद बिहार के तीनों एयरपोर्ट पटना, गयाजी और दरभंगा से उड़ान भरने वाले विमानों के टिकट के दाम आने वाले दिनों में सस्ते होंगे। साथ ही विमानों की संख्या भी बढ़ेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इसमें कुल 47 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें एक फैसला वाणिज्य एवं कर विभाग का भी रहा। इसके तहत बिहार में रीजनल कनेक्टि-विटी स्कीम के तहत एविएशन टर्बाइन फ्यूल की दर को एक (1) प्रतिशत पर यथावत रखने

का निर्णय लिया गया। साथ ही अन्य मामलों में एटीएफ की बिक्री पर राज्य सरकार द्वारा आगे से 4 प्रतिशत वैट ही लगाया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य स-रकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए विमान ईंधन-एविएशन टरबाइन फ्यूल यानी एटीएफ (ATF) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) की दर 29 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर दी है। यह कदम बिहार में हवाई सेवाओं को प्रोत्साहन देने और निवेश के माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार का यह निर्णय बिहार को उन अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाएगा, जिन्होंने पहले ही एटीएफ पर वैट घट-ाकर हवाई यातायात को विस्तार देने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि इसके पहले केवल रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (RCS) के तहत 1 प्रतिशत और गया एयरपोर्ट के लिए 4 प्रतिशात वैट दर लागू थी। अब यह सुविधा दूसरे सभी हवाई अड्डों को भी मिलेगी। अभी तक बिहार में एटीएफ पर वैट की दर 29 फीसदी थी। इससे विभिन्न एयरलाइन्स को विमानों का फ्यूल महंगा खरीदना पड़ रहा था। इसका असर यात्रियों के फ्लाइट किराये पर भी देखने को मिलता है। वैट कम होने से बिहार में हवाई यात्रा का किराया भी घटेगा। विमान कंपनियों को भी इससे फायदा मिलेगा और वह दूसरी चीजों में बेहतर सुविधायें देंगे।

बेगूसराय और पटना जिले में तटबंध एवं कटाव निरोधक कार्य के लिए 116 करोड़ स्वीकृत

पटना, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि बेगूसराय और पटना जिले में तटबंध एवं कटाव निरोधक कार्य के लिए 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां बताया कि बेगूस-राय जिले में हसनपुर-बनिया से सगुनी तक 8.330 कि.मी. लंबाई के नए तटबंध निर्माण एवं सुरक्षात्मक कार्य हेतु ड्59.9827 करोड़ की वित्तीय मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण को सुदृढ़ किया जाएगा एवं तटबंध को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पटना जिले के बख्तियारपुर प्रखंड में गंगा चैनल के दाएं तट पर पक्के सुरक्षात्मक कार्य एवं कटाव निरोधक उपाय हेतु 56.06 करोड़ का आवंटन किया गया है। इस कार्य का उद्देश्य गंगा किनारे होने वाले कटाव को रोकना एवं स्थायी सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं से स्थानीय आबादी को राहत मिलने के साथ-साथ कृषि भूमि एवं आवासीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी जल संसाधन विभाग द्वारा इन परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस के 1717 जवानों को दिया सेवा विस्तार

पटना, (हि.स.)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को सुद्दढ बनाए रखने के लिए स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (सैप) में कार्यरत जवानों की सेवा अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बिहार पुलिस के अंतर्गत कार्यरत 1717 सैप कर्मियों में-1698 जवान, 10 जेसीओ और 9 रसोइया शामिल हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां जानकारी देते हुए कहा कि सैप जवानों को सेवा विस्तार मिलने से बिहार में उग्रवाद, हिंसा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा। सैप जवानों-कर्मियों की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक बढ़ा दी गई है । राज्य सरकार ने इस-के लिए कुल 43.66 करोड (तैंतालीस करोड़ छियासठ लाख इक्यावन हजार छह सौ) रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है। उन्होंने बताया कि बिहार में पहली एनडीए सरकार बनने पर कानून-व्यवस्था की स्थिति में तेजी सुधार करने के लिए सैप का गठन 2006 में किया गया था। इसमें भारतीय सेना से सेवानिवृत्त जवानों को अनुबंध पर बहाल किया गया था। राज्य सरकार समय-समय पर सैप की संख्या और अनुबंध अवधि में विस्तार करती रही है। वर्तमान स्वीकृति भी उसी कड़ी में है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि सैप व्यवस्था से जहाँ बिहार के पुलिस बल को सहयोगी शक्ति मिली, वहीं सेना से सेवानिवृत्त अनुभवी और प्रशिक्षित जवानों को अपनी सेवाएँ जारी रखने का अवसर मिला।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा भारतीय शिपिंग क्षेत्र में व्यापक अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से शिपिंग क्षेत्र में भारत की ओर से प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला।

इससे पहले गोयल ने तीन दिवसीय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी नेताओं और कारोबारियों से मुलाकात की थी। वाणिज्य मंत्री ने देर रात पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसके अलवा गोयल ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के ईडी फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट और लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस सहित शीर्ष सीईओ और मंत्रियों के साथ कई बैठकें कीं हैं और भारत में निवेश के विशाल अवसरों पर प्रकाश डाला है। पेरिस में हुई बैठक में अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उपभोक्ता उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत के विकास के लिए नए अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बिरोल से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान समग्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और भारत और आईईए के बीच गहरी होती साझेदारी पर अच्छी चर्चा हुई।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स का शेयर 19 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। एकीकृत बिजली समाधान कंपनी प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 105 रुपये से 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो गया है। बीएसई पर शेयर का मूल्य 19 प्रतिशत चढ़कर 125 रुपये पर आया, जो बाद में 23.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 130 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर भी समान रूप से शेयर ने 14.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 120 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी ने 168 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 95-105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से हासिल धन का उपयोग कंपनी ने 72.50 करोड़ रुपये के लिए पूंजीगत जरूरतों के लिए, 17.95 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान के लिए और शेष की अमाउंट को अन्य रणनीतिक कार्यों में निवेश करने के लिए किया है।

एईकस ने आईपीओ के लिए जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। एईकस नामक विनिर्माण कंपनी ने एक गोपनीय मार्ग चुनकर भारतीय बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह विनिर्माण कंपनी करीब 20 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य रख रही है। इस आईपीओ में कंपनी ने कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) घटक को शामिल नहीं किया है। एईकस कंपनी ने मंगलवार को एक सार्वजनिक घोषणा में बताया कि उन्होंने सेबी और शेयर बाजारों के सामक्ष गोपनीय मार्ग के जरिये आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी ने पूरी तरह से नए निर्गम पर आधारित है। एईकस कंपनी की इस कदम से उम्मीद है कि वे विशेष उत्पादों और सेवाओं के साथ उद्योग में अपनी जगह बना सकेंगे।

पिछले महीने 12,327 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली 7-सीटर कार

नई दिल्ली। 7-सीटर कारों की मांग लगातार बढ़ रही है लेकिन, महंगी होने के कारण कई लोग नहीं खरीद पाते हैं। इस समस्या का समाधान मारुति सुजुकी ने किया है। यही वजह है कि पिछले माह मई में मारुति सुजुकी की ईको 7 सीटर कार 12 हजार 3 सौ 27 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली। इससे मारुति सुजुकी इंडिया एक बार फिर गाड़ी बेचने के मामले में देश की नंबर-1 कंपनी बनकर सामने आई है। मारुति ने पिछले महीने यानी मई में कुल 180,077 गाड़ियां बेचीं। जबकि मई 2024 में उसने 174,551 गाड़ियां बेची थीं। यानी सालाना आधार पर कंपनी को 3 प्रतिशत की ग्रोथ मिली। कंपनी की सेल्स में वैन सेगमेंट की ईको का अहम रोल रहा। ये देश की सबसे सस्ती 7-सीटर कार भी है। पिछले महीने इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। जबकि सालभर पहले ये आंकड़ा 10,960 यूनिट का था। इस यूटिलिटी वैन को 5, 6 और 7 सीटर फॉर्मेट में खरीद सकते हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.70 लाख रुपए है। मारुति ईको की सेल्स की बात करें तो ये हर महीने शानदार प्रदर्शन कर रही है। वहीं, मई में पिछले 7 महीने का सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। नवंबर 2024 में इसकी 10,589 यूनिट, दिसंबर 2024 में इसकी 11,678 यूनिट, जनवरी 2025 में इसकी 11,250 यूनिट, फरवरी 2025 में इसकी 11,493 यूनिट, मार्च 2025 में इसकी 10,409 यूनिट, अप्रैल 2025 में इसकी 11,438 यूनिट और मई 2025 में इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। ईको में 11 सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं, जो सेफ्टी से जुड़े सभी मौजूदा और कुछ आने वाले नियमों को पूरा करते हैं। इनमें रिवर्स पार्किंग सेंसर, इंजन इमोबिलाइजर, दरवाजों के लिए चाइल्ड लॉक, सीट बेल्ट रिमाइंडर, ईबीडी के साथ एबीएस, 6 एयरबैग शामिल हैं। ईको को अब एक नया स्टीयरिंग व्हील और एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है। दोनों यूनिट कंपनी ने अपनी एस-प्रेसो और सेलेरियो से ली है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निचले स्तर से अच्छी खरीदारी हुई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,935.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 128.85 अंक यानी 0.67 प्रतिशत उछल कर 19,242.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 126.28 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,179.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,774.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,737.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत फिसल कर 23,930.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से पांच के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। एशियाई बाजारों में गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,717.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत टूट कर 3,887.04 अंक के स्तर पर आ गया है।

टोरेंट पावर ने बीपी सिंगापुर से बिक्री समझौते पर किए हस्ताक्षर

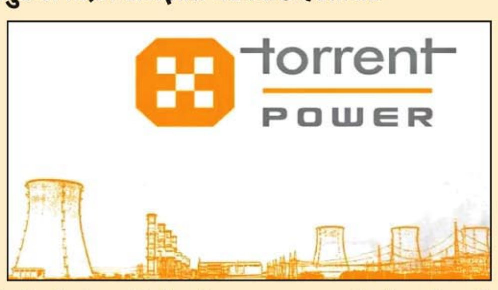

अहमदाबाद। टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) ने वैश्विक एकीकृत ऊर्जा कंपनी बीपी की सहायक कंपनी बीपी सिंगापुर पीटीई लिमिटेड से 2027 से 2036 तक 0.41 एमएमटीपीए तक एलएनजी की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक खरीद और बिक्री समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। टीपीएल की ओर से बताया गया कि इस समझौते के तहत टीपीएल द्वारा खरीदी गई एलएनजी का देश की बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से उपयोग किया जाएगा। साथ ही पीक डिमांड अवधि में पर्याप्त पावर सप्लाय करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संतुलित करने के लिए 2,730 मेगावाट के संयुक्त चक्र गैस-फायर पावर प्लांट (जीबीपीपी) का संचालन भी टीपीएल द्वारा किया जाएगा। यह समझौता टोरेंट ग्रुप की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) इकाई - टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) को एलपीजी की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा, जिससे कंपनी की घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों के साथ-साथ सीएनजी वाहनों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित कर पाएगी।

ओर, निक्केई इंडेक्स 104.23 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,574.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत उछलकर 3,363.48 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 252.73 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,410.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 161.23 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,163.94 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 7,070.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ईवी उत्पादन में विदेशी निवेश को बढ़ावा: सरकार ने घटाया आयात कर

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह घरेलू ईवी उत्पादन में निवेश करने वाले विदेशी वाहन निर्माताओं के लिए आयात कर में भारी कमी करने जा रही है। योजना के तहत योग्यता और लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास ऑटोमोटिव विनिर्माण से न्यूनतम 10,000 करोड़ रुपये का वैश्विक समूह राजस्व होना आवश्यक है।

10000 करोड़ के वैश्विक राजस्व वाली कंपनियां होंगी पात्र

नई नीति के तहत आवेदन दाखिल करते समय वार्षिक वित्तीय विवरणों के आधार पर किसी कंपनी या उसके समूह की कंपनियों का अचल संपत्तियों में वैश्विक निवेश कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होना चाहिए। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास पर किया गया खर्च इस योजना के अंतर्गत निवेश से संबंधित लाभ लेने के लिए पात्र होगा। जमीन पर किए गए खर्च पर विचार नहीं होगा। हालांकि, मुख्य संयंत्र और उपयोगिताओं की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 फीसदी से अधिक न हो।

योजना के तहत आवेदकों के लिए अनुमोदन पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर न्यूनतम 25 फीसदी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त करना होगा। पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 50 फीसदी डीवीए प्राप्त करना होगा। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया खर्च प्रतिबद्ध निवेश का 5 फीसदी तक माना जाएगा। आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस के जरिये आवेदन पाने की अवधि 120 दिन या अधिक की होगी। भारी उद्योग मंत्रालय को 15 मार्च, 2026 तक आवश्यकतानुसार आवेदन विंडो खोलने का अधिकार होगा। आवेदन पत्र दाखिल करते समय आवेदक को पांच लाख रुपये आवेदन शुल्क देना होगा, जो वापस नहीं होगा।

एलन मस्क के पिता ने इलेक्ट्रिक वाहनों में नए निवेश की सराहना की

एलन मस्क के पिता और घरेलू सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड के वैश्विक सलाहकार एरोल मस्क ने भारत की यात्रा के दौरान भारत को ई-वाहनों के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दूरदर्शी योजना की सराहना की। एरोल ने 35,000 डॉलर के न्यूनतम सीआईएफ पर इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों पर 15 प्रतिशत का कम सीमा शुल्क को अच्छा विचार बताया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत अच्छा विचार है। साथ ही यह ईवी क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए कई चीजों को आसान बनाएगा। दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी ने कहा कि हाई-टेक इलेक्ट्रिक व्हीकल को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नोलॉजी के साथ बनाना कठिन है। उन्होंने ईवी निर्माताओं की मदद के लिए हर संभव अवसर देने की मांग की नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा एरोल भारत की ग्रीन टेक्नोलॉजी और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में तेजी लाने पर केंद्रित यात्रा के लिए भारत पहुंचे हैं। नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा। इसके बाद उन्हें 15 प्रतिशत के कम आयात शुल्क पर सालाना 8,000 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन इंपोर्ट करने की अनुमति होगी।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली

समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवाईएनई) के तहत निवेश होगा।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविन) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने बताया कि भूमि हस्तांतरण समारोह की अध्यक्षता मेघालय सरकार के मुख्य सचिव डोनाल्ड फिलिप्स वाहलांग और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने की। इस अवसर पर आईआईसीए के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव इंद्रदीप सिंह धारीवाल, योजना विभाग के आयुक्त और सचिव सीबीडी डिएंगदोह, आईआईसीए के (कर्नल) अमनदीप सिंह पुरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई: सीतारमण

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डीआरआई उन चुनिंदा भारतीय एजेंसियों में से एक है जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की रक्षा करती है। हम सोना के बारे में जितना बोलते हैं, नारकोटिक्स सबसे बड़ा खतरा है जो हर राज्य और यहां तक कि छोटे शहरों में भी घुसपैठ कर चुका है। स्कूल और कॉलेज इसके पहले शिकार हैं। डीआरआई को इसे रोकना होगा और फिर राज्य पुलिस के साथ समन्वय करना होगा। हमें खतरे के आकार और दायरे के बारे में बेहतर समन्वय और बेहतर समझ की आवश्यकता है।

उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों से कहा, बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से जांच करें। आपको गहरे प्रणालीगत जोखिमों और खतरों को उजागर करने के लिए अव्यक्त बिंदुओं को जोड़ना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तस्करी के पूरे नेटवर्क को खत्म करना ही किसी भी जांच का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटी-छोटी जब्तियों या गिरफ्तारियों तक ही सीमित न रहें।

वित्त मंत्री ने कहा, अगर आप छोटी मछलियों को पकड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं है। बड़ी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना होगा और उस पर कार्रवाई करनी होगी। ठोस नतीजे सामने आएं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जाए।

इससे पहले निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ डीआरआई मुख्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक दीवाने की दीवानियत की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं मिलाप जावेरी

मुंबई (ईएमएस)। अपनी अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की रिलीज को लेकर फिल्म निमार्ता-निर्देशक मिलाप जावेरी बेहद उत्साहित हैं। सोशल मीडिया पर मिलाप जावेरी ने अपनी टीम के सदस्यों, खासकर अभिनेत्री सोनम बाजवा और अभिनेता हर्षवर्धन राणे की जमकर तारीफ की है। मिलाप ने इंस्टाग्राम पर सोनम बाजवा के साथ एक सेल्फी शेयर करते हुए उनके अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि उनका प्रदर्शन दमदार और धमाकेदार रहा। उन्होंने बताया कि सोनम के लिए फिल्म में लिखा गया मोनोलॉग उनके करियर का सबसे शक्तिशाली डायलॉग था, जिसे सोनम ने अपनी प्रतिभा, भावना और जुनून के साथ जीवंत कर दिया। मिलाप ने कहा कि एक निर्देशक के तौर पर सोनम पर भरोसा करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी और

दर्शक ताली और सीटी बजाकर उनका स्वागत करेंगे, तो वह उस दिन को हमेशा याद रखेंगे। मिलाप ने साफ कहा कि एक दीवाने की दीवानियत में सोनम ने ऐसा प्रभावशाली काम किया कि वे उनके फैन बन गए हैं। इसके पहले, मिलाप जावेरी ने इस फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे की भी खूब तारीफ की। उन्होंने हर्षवर्धन के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया और सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें दोनों गले मिलते हुए और मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। मिलाप ने हर्षवर्धन को अपना हीरो बताते हुए उनकी मेहनत, समर्पण, विनम्रता और धैर्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हर्षवर्धन की ये खूबियां इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत हैं। एक दीवाने की दीवानियत में सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर, यानी 2 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है, जबकि राघव शर्मा को-प्रोड्यूसर हैं।

ब्रिटिश नाटक कॉक का मंचन करेंगी श्वेता त्रिपाठी

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर ब्रिटिश नाटक कॉक का अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी मंचन करेंगी। इस नाटक मंचन उनके थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के तहत होगा। इस नाटक का पहला शो 6 जून 2025 को दिल्ली के मैक्स मुलर भवन में होगा, जबकि 10 जून को इसका प्रदर्शन मुंबई के प्रसिद्ध पृथ्वी थिएटर में किया जाएगा। यह श्वेता का पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिससे वे थिएटर की दुनिया में कदम रख रही हैं। श्वेता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में कहा, मुझे थिएटर हमेशा से बहुत पसंद रहा है। थिएटर में सब कुछ सीधे-सादे तरीके से सामने आता है, कोई भी चीज छुपाई नहीं जा सकती। कॉक बनाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत और रचनात्मक फैसला है। मेरा मानना है कि कहानियों में दुनिया की सारी सच्चाई और खूबसूरती दिखनी चाहिए। इस नाटक का निर्देशन यूके में रहने वाले मनीष गांधी कर रहे हैं।

कॉक की कहानी समलैंगिक प्यार और प्राइड मंथ को समर्पित है। जून महीने को एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए प्राइड मंथ के रूप में मनाया जाता है, इसलिए इस महीने में इसका प्रदर्शन विशेष मायने रखता है। कॉक ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट द्वारा लिखा गया है। नाटक एक ऐसे आदमी की कहानी है जो अपने लंबे समय के पुरुष साथी और एक नई महिला के प्रति अपनी भावनाओं के बीच उलझा

हुआ है। यह नाटक इंसान की पहचान और प्यार के बारे में गहरी, भावुक और सच्चाई से भरी कहानी पेश करता है। श्वेता ने बताया, हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब लोग अपनी असली पहचान को खुलकर अपना रहे हैं। कॉक उस सफर की मुश्किलें और खूबसूरती दोनों को सच्चाई के साथ सामने रखता है। यह सफर थोड़ा उलझा हुआ है। इस नाटक ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर दें, लेकिन एक सकारात्मक तरीके से। ऐसी कहानियां जो बातचीत को बढ़ावा दें, दूसरों की भावनाओं को समझने में मदद करें और शायद कुछ बदलाव भी लाएं। श्वेता ने प्राइड मंथ को एक उत्सव बताया, जो हमें याद दिलाता है कि लोगों को दिखना, शामिल होना और स्वीकार किया जाना अभी भी एक संघर्ष है। इस नाटक के जरिए वे समलैंगिक अनुभवों का सम्मान करना चाहती हैं और उन्हें वह मंच देना चाहती हैं जिसके वे लंबे समय से हकदार हैं।

गुरु रंधावा को विदआउट प्रेजुडिस से मिली विशेष पहचान

मुंबई (ईएमएस)। वॉर्नर म्यूज़िक इंडिया के साथ मिलकर गुरु रंधावा ने अपने पहले स्वतंत्र एलबम विदआउट प्रेजुडिस को लॉन्च किया था। इसके बाद ही उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। बीते दिनों उन्होंने अपने फैंस के लिए इस एलबम का दूसरा आधिकारिक म्यूज़िक वीडियो किथे वसदे ने यूट्यूब पर प्रीमियर किया, जो खूब चर्चा में है। इस गाने का निर्देशन हैरी सिंह और प्रीत सिंह ने किया है, जबकि गुरु रंधावा ने इसे अपनी आवाज दी है। गीत यंगवीर ने लिखा है और संगीत का काम मंदीप पंघाल ने किया है। एलबम के पहले वीडियो कतल ने भी खूब सफलता पाई है और अब यह ग्लोबल म्यूजिक चार्ट्स में अपनी जगह बना चुका है। यूट्यूब पर इसे अब तक 55 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है, जो इसके बढ़ते लोकप्रियता का प्रमाण है। किथे वसदे ने भी दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाने की पूरी

उम्मीद जगा रहा है। गुरु रंधावा की दिल छू लेने वाली आवाज, भावनात्मक अभिव्यक्ति और आकर्षक अंदाज ने इस गाने को जल्द ही चार्टबस्टर बनाने की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। इसके अलावा, विदआउट प्रेजुडिस एलबम के नौ गाने अपनी-अपनी अलग थीम और स्टाइल के साथ श्रोताओं की प्लेलिस्ट में छाए हुए हैं। गुरु रंधावा की गायकी ने हर गीत में एक नया रंग और असर पैदा किया है, जो सुनने वालों को भावुक और उत्साहित दोनों करता है। एलबम की इस बड़ी सफलता के बीच, गुरु रंधावा अपने हालिया सिंगल वाइब की भी लोकप्रियता का आनंद ले रहे हैं। उनकी दमदार आवाज, जुनून और सच्ची भावना ने हर ट्रैक को जीवंत बना दिया है। गुरु रंधावा न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारतीय संगीत की सीमाओं को लगातार पार कर रहे हैं। अपनी कला और परफॉर्मेंस से वे खुद को एक सशक्त और प्रभावशाली कलाकार के रूप में स्थापित कर चुके हैं।

जावेद अख्तर ने कंगना मामले में तोड़ी चुप्पी

गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई और उनकी माफी को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ दी है। यह विवाद 2020 में शुरू हुआ था, जब कंगना ने एक इंटरव्यू में जावेद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। 2025 में कंगना ने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी थी, जिसे अब जावेद ने स्वीकार किया है और कहा कि इस कदम से मामला खत्म हो चुका है। जावेद ने बताया कि अदालत में दोनों मिले थे, जहां कंगना ने माफी पत्र पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी माफी के बदले पैसे नहीं मांगे, न तो बड़े पैमाने पर और न ही छोटे। केवल माफी मांगी गई थी, जो मिल गई। कोर्ट के बाद हुई बातचीत में कंगना ने कहा कि वह जावेद के लिए अपनी अगली फिल्म में गाने चाहती हैं, जिस पर जावेद ने हामी भरी। जावेद अख्तर ने कहा कि कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है और कंगना ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि अगर भविष्य में कंगना से मुलाकात हुई तो वह उनका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। इस तरह इस विवाद का अंत हो चुका है।

आईएसए ने जारी की टॉप 100 स्ट्रीमिंग और डिजिटल पावर की लिस्ट

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन स्ट्रीमिंग अकादमी (आईएसए) की लिस्ट में बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। हाल ही में आईएसए ने 2025 की टॉप 100 स्ट्रीमिंग और डिजिटल पावर लिस्ट जारी की है। अभिषेक ने हाल के वर्षों में युवा, लूडो, बॉब बिस्वास, घूमर और मनमर्जियां जैसी यादगार फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता है। उनकी फिल्म दसवीं नेटफ्लिक्स पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर चुकी है, वहीं बी हैप्पी अमेजन प्राइम वीडियो पर टॉप स्थान पर रही। उनकी हालिया फिल्म आई वांट टू टॉक ने आलोचकों की खूब प्रशंसा पाई और कई पुरस्कार भी दिलाए। साथ ही, जल्द रिलीज होने वाली हाउसफुल 5 के साथ अभिषेक की सफलता की कहानी लगातार आगे बढ़ रही है। इस पावर लिस्ट में अभिषेक के बाद अदिति राव हैदरी और आदित्य रॉय कपूर को भी उनकी डिजिटल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है। चौथे नंबर पर यूट्यूब के मशहूर क्रिएटर अजय नागर उर्फ कैरीमिनाटी हैं, जो इस लिस्ट में सबसे

उच्च रैंक वाले गैर-अभिनेता कलाकार हैं। इंडियन स्ट्रीमिंग अकादमी के संस्थापक विष्णु इंदुरी ने कहा, भारत का डिजिटल स्टोरीटेलिंग क्षेत्र आज अपने सबसे रोमांचक दौर में है। देश भर से नए क्रिएटर्स उभर रहे हैं, जो सीमाओं को पार कर अपनी कहानियां प्रस्तुत कर रहे हैं। यह पावर लिस्ट उन क्रिएटिव दिमागों का जश्न है जो मनोरंजन के भविष्य को आकार दे रहे हैं। सह-संस्थापक राज नायक ने कहा, आज स्ट्रीमिंग ने कहानी कहने को लोकतांत्रिक बना दिया है। छोटे शहर के विचार भी अब वैश्विक दर्शकों तक पहुंच रहे हैं। यह लिस्ट उन लोगों को सम्मानित करती है जो डिजिटल युग में नए ट्रेंड बनाते हैं, न कि केवल उनके पीछे चलते हैं। इस तरह, यह सूची भारतीय डिजिटल मनोरंजन की बढ़ती ताकत और उसकी वैश्विक पहचान का प्रतीक बनती जा रही है। बता दें कि आईएसए हर साल भारत के ओटीटी और डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री के सबसे प्रभावशाली और क्रिएटिव चेहरों को सम्मानित करती है। अभिषेक बच्चन ने इस लिस्ट में अपनी मजबूत पकड़ से साबित किया है कि वे डिजिटल दुनिया के सबसे भरोसेमंद और गतिशील कलाकारों में से एक हैं।

कन्नड़ भाषा विवाद पर कमल हासन का जवाब

फेमस साउथ स्टार कमल हासन इन दिनों कन्नड़ भाषा को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हाल ही में अपनी फिल्म ठग लाइफ के लॉन्च इवेंट में उन्होंने कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही उत्पन्न हुई है। उनके इस बयान ने कन्नड़ समुदाय में काफी ना-राजगी पैदा कर दी है। कर्नाटक के लोगों ने उन्हें माफी मांगने की चेतावनी दी और कहा कि यदि उन्होंने माफी नहीं मांगी तो उनकी फिल्म को कर्नाटक में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। इस विवाद के बीच कमल हासन ने अब अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा है कि उनका बयान गलत तरीके से समझा गया है और उनका मकसद किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं था। उन्होंने कन्नड़ भाषा और संस्कृति का सम्मान करते हुए कहा कि वे दोनों भाषाओं के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों को ही उजागर करना चाहते थे। कमल हासन ने इस विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की इच्छा जताई है ताकि उनकी फिल्म को सभी जगह बिना किसी रुकावट के रिलीज किया जा सके।

जब आमिर खान को अमरीश पुरी ने सबके सामने डांटा

– फिर मांगी माफी, जानें दिलचस्प किस्सा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमरीश पुरी ने अपनी दमदार आवाज और खलनायकी से सिनेमा को एक अलग मुकाम दिया। उन्होंने हिंदी फिल्मों में विलेन के किरदार को ऐसा चेहरा दिया जिसे आज भी लोग भूले नहीं हैं। मोगैम्बो से लेकर ठाकुर दुर्जन सिंह तक, उनके निभाए किरदार आज भी दर्शकों के जहन में ताजगी के साथ बसे हैं। लेकिन पर्दे पर खौफ पैदा करने वाले अमरीश पुरी असल जिंदगी में बेहद अनुशासित और पा-रवारिक इंसान थे। हालांकि एक बार ऐसा वाकया हुआ जिसमें उन्होंने आमिर खान को सबके सामने डांट दिया था। यह किस्सा 1984-85 के बीच का है जब फिल्म ह्यजबरदस्तह्न की शूटिंग चल रही थी। इस फिल्म में सनी देओल, संजीव कुमार, राजीव कपूर और रति अग्निहोत्री जैसे कलाकार थे और इसे आमिर खान के चाचा नासिर हुसैन निर्देशित कर रहे थे। उस वक्त आमिर खान एक्टिंग में नहीं आए थे और एक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे। शूटिंग के दौरान अमरीश

पुरी एक सीन को बार-बार भूल जा रहे थे। आमिर, जो परफेक्शन के लिए जाने जाते हैं, बार-बार उन्हें यह याद दिला रहे थे कि उन्होंने पिछला शॉट कैसे दिया था और अब कैसे देना है। कुछ बार टोके जाने के बाद अमरीश पुरी गुस्से में आ गए और उन्होंने आमिर को सबके सामने डांट लगा दी। सेट पर मौजूद सभी लोग चुप हो गए और आमिर खुद भी बिना कुछ कहे सिर झुकाकर खड़े रहे। थोड़ी देर बाद जब अमरीश पुरी का गुस्सा शांत हुआ, तो उन्होंने आमिर को पास बुलाया और उनसे माफी मांगी। उन्होंने माना कि उनका रिएक्शन थोड़ा ज्यादा हो गया था, लेकिन आमिर की नीयत सही थी। यह वाकया आमिर के शुरूआती करियर का एक अहम हिस्सा बन गया। अमरीश पुरी की पहचान उनकी गूंजती हुई आवाज से थी, लेकिन यह कुदरती नहीं थी। वह अपनी आवाज को बनाए रखने के लिए रोजाना तीन घंटे अभ्यास करते थे। अपनी निजी जिंदगी में वह बेहद सादा और पा-रवारिक व्यक्ति थे, जो अपने पोते-पोतियों के साथ खेलना और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करते थे। उनका जीवन इस बात की मिसाल है कि एक बड़ा कलाकार बनने के लिए अनुशासन और विनम्रता कितनी जरूरी है।

हाउसफुल 5 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

मुंबईः अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 जल्द ही 6 जून को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट प्रदान किया है। इसका मतलब यह है कि फिल्म सभी उम्र के दर्शक देख सकते हैं, लेकिन 12 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी बड़े के साथ फिल्म देखनी होगी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में कुल 11 सेकेंड की फुटेज कट करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा कुछ शब्दों में भी बदलाव किया गया है। फिल्म के मेकर्स ने सेंसर बोर्ड की मांगों को मानते हुए ये कट्स किए, जिसके बाद उन्हें सर्टिफिकेट मिला। हाउसफुल 5 के दो वर्जन भी रिलीज होंगे, लेकिन दोनों का रन टाइम लगभग समान है, जो लगभग 2 घंटे 45 मिनट और 48 सेकेंड है। इस कॉमेडी फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, नाना पाटेकर, चंकी पांडे जैसे कई बड़े सितारे नजर आएंगे। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है जबकि निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है।

'तू मेरी मैं तेरा...' में कार्तिक के साथ दिखेंगी अनन्या पांडे

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस रोमांटिक ड्रामा का निर्देशन समीर विद्वांस कर रहे हैं, जबकि फिल्म को करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसने कयासों को हवा दी कि दोनों स्क्रीन पर एक बार फिर रोमांस करते नजर आ सकते हैं। अब इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए फिल्म के निमार्ताओं ने आधिका-रक तौर पर पुष्टि कर दी है कि अनन्या पांडे इस फिल्म में कार्तिक आर्यन की लव इंटरेस्ट के रूप में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है, खासकर कार्तिक और अनन्या की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए। यह जोड़ी इससे पहले 2019 में रिलीज हुई हिट फिल्म पति पत्नी और वो में साथ नजर आ चुकी है। हाल ही में फिल्म से कार्तिक और अनन्या की पहली झलक सामने आई है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को पासपोर्ट के पीछे छुपकर किस करते नजर आ रहे हैं। इस सीन ने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। रोमांस से भरपूर यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दर्शकों को एक बार फिर इस फ्रेश जोड़ी की कैमिस्ट्री बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा।

सूडोकु नवताल- 7172

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7171 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7919

श	स	बी	ला	प	इ	ज	हा	र	क	मां
ग	दा	औ	प	रिं	लै	ला	दि	शा	को	क
इ	ब	म	रि	दा	ल	अ	प	रि	हा	र
कु	हा	रु	हा	त	स	द	व	हा	र	म
व	र	न्न	र	क	ते	री	ग	स	ता	द
म	रि	प	व	गा	स	मा	हा	र	न	ती
गा	नु	स	अं	प	म	खे	क	ला	व	क
उ	जी	हा	ला	क	शा	सौ	व	हा	जू	क
प	थो	तें	र	ल	ज	का	त	न	नी	द
हा	ल	व्य	व	हा	र	ऐ	हा	न	हा	थ
र	सा	ल	व	कु	श	जा	एं	र	क	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछ 'हार' शब्द लगा है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

उपहार, परिहार, अपरिहार, समाहार, मनुहार, सदाबहार, शाकाहार, खेवनहार, इजहार, व्यवहार

शब्दजाल - 7918 का हल

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क
न	का	क	वि	इं	डे	ने	ग	ति	मा	न
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	मा	ब	न	स	पा	ह	लि	ल
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6872

3		4		7		2
	33		34		30	
5		7	1	2		4
4	30		25		34	
1		3		5	6	
	36		34		31	3
	6	5	4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6871 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	36	6	32	4	34	3
5	6	7	1	2	3	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

डी. गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 7वें राउंड में अर्जुन एरिगैसी को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

स्टावेंगर

नॉर्वे शतरंज 2025 के सातवें राउंड में सभी बोर्ड्स पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौर की सबसे चर्चित भिड़ंत मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश और भारत के ही ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के बीच हुई।

दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की। इससे पहले छठे राउंड में डी गुकेश ने और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की थी।

अर्जुन ने ओपनिंग में शानदार शुरुआत करते हुए तेज आक्रामक चालों से गुकेश पर दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जबरदस्त डिफेंसिव कौशल दिखाते हुए खेल को जटिल एंडगेम तक पहुंचाया। समय की कमी में दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फबियानो कारुआना ने चीनी ग्रैंडमास्टर और बर्थडे बॉय वे यी के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई और लंबे एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की।

दिन का आखिरी मुकाबला विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और हिकारु नाकामुरा के बीच खेला गया, जो क्लासिकल गेम में जल्दी ड्रॉ हो गया। हालांकि, अर्मागेडन गेम में कार्लसन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे विमेंस शतरंज: जु वेनजुन टॉप पर

विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जु वेनजुन ने सारा खादेम के खिलाफ क्लासिकल गेम में शानदार एंडगेम खेलते हुए जीत दर्ज की। दिन की दूसरी क्लासिकल जीत चीन की तिंगजी लेई को मिली, जिन्होंने वाइट पीसेज़ से भारत की वैशाली रमेशबाबू को मात दी। भारत की हम्पी कोनेरू और अन्ना मुझिचुक के बीच मुकाबला शांति से ड्रॉ रहा, जिसमें काफी पीस एक्सचेंज हुए।

न्यूज़ ब्रीफ

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिलाफ भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है। उनके साथ भाला फेंक की दुनिया के ये दिग्गज भी मैदान में उतरेंगे। एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा) – दो बार के वर्ल्ड चैंपियन, थॉमस रोहलर (जर्मनी) – रियो 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट , जूलियस येगो (केन्या) – 2015 के वर्ल्ड चैंपियन , किशोर जेना – एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता और भारत के उभरते सितारे।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है

और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से मंगलवार को जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं। विलियमसन फिलहाल इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडलसेक्स के लिए खेल रहे हैं और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उनकी काउंटी प्रतिबद्धताएं जारी रहने की संभावना है। लंदन में पिछले महीने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विलियमसन ने कहा था कि उनका कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट एक प्रगति प्रक्रिया है ।

फ्रेंच ओपन : नोवाक जोकोविच ने नोरी को हराकर लगाया जीत का शतक, नडाल के क्लब में हुए शामिल

पेरिस

फ्रेंच ओपन के तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ब्रिटेन के कैमरून नोरी को सीधे सेटों में 6–2, 6–3, 6–2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसी के साथ उन्होंने रोलां गैरों में अपना 100वां मैच जीतकर राफेल नडाल के सेंचुरी क्लब में जगह बना ली है।

नडाल के बाद सेंचुरी पूरी करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी – नोवाक जोकोविच रोलां गैरों में 100 मैच जीतने वाले केवल दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले राफा नडाल ने यहां 112 मैच जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। अब जोकोविच रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की ओर अग्रसर हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी आगे निकला रोलां गैरों रिकॉर्ड – जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपने करियर की सबसे ज्यादा 100 जीत दर्ज की हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनके नाम 99 जीत दर्ज हैं। हालांकि, उन्होंने मेलबर्न में रिकॉर्ड 10 बार खिताब जीता है, जबकि पेरिस में अब तक 3 खिताब अपने नाम किए हैं।

बिना सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच – इस साल जोकोविच का प्रदर्शन भले ही कुछ खास नहीं रहा हो, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने करियर का 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता और अब फ्रेंच ओपन में एक भी सेट गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने नोरी के खिलाफ पहला सेट कुछ शुरुआती ब्रेक के बाद आसानी से जीता। अब जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी टक्कर तीसरे सेट में जोकोविच ने तीसरे गेम में नोरी की सर्विस ब्रेक कर दी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बना रहा है केकेएफआई

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बनाने और इसके वैज्ञानिक व तकनीकी आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के तत्वावधान में विश्वभर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एडवांस्ड लेवल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया है। यह कोर्स 2 जून को श्री गुरु गोबिंद सिंह टर्सेंटेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय, बुढेड़ा में शुरू हुआ है और 15 जून तक चलेगा। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीलंका, बांग्लादेश, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कोरिया और मलेशिया जैसे सात देशों के लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय कोच और अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनके साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 50 कोच और 65 तकनीकी अधिकारी भी शामिल हैं। कोचों के प्रशिक्षण सत्र 2 जून से 11 जून तक आयोजित किए जा रहे हैं, इसके बाद 12 जून से 15 जून तक तकनीकी अधिकारियों के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह एडवांस्ड लेवल कोर्स न केवल तकनीकी उत्कृष्टता बल्कि खेल के समग्र विकास को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। दो सप्ताह के दौरान, प्रतिभागी बायोमैकेनिक्स और मूवमेंट विश्लेषण, रिकवरी के लिए ऑटोजेनिक ट्रेनिंग, खो-खो में स्पोर्ट्स साइंस का परिचय, खेलों में डोपिंग के प्रति जागरूकता, खेल मनोविज्ञान, वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग और आईकेकेएफ द्वारा निर्धारित नवीनतम नियमों जैसे विषयों में प्रशिक्षण लेंगे। कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, यह कोर्स हमारे उस संकल्प को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत हम कोचों और तकनीकी अधिकारियों की ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना चाहते हैं जो ज्ञान, उपकरणों और अंतरराष्ट्रीय अनुभव से लैस हो, जिससे वे खो-खो को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। चटाई-आधारित खेल से लेकर निर्णय पुनरीक्षण प्रणाली (डिसीज़न रिव्यू सिस्टम) जैसे तकनीकी नवाचारों तक, खेल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एकीकरण को ध्यान में रखते हुए मानव संसाधन का विकास ही दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है। कोचों का प्रशिक्षण 11 जून को एक व्यावहारिक परीक्षा और समापन सत्र के साथ पूरा होगा, जिसमें प्रशिक्षण के प्रमुख निष्कर्षों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद तकनीकी अधिकारियों के लिए सत्र आरंभ होंगे।

भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच हाई-स्कोरिंग मुकाबला ड्रॉ, बल्लेबाज़ों का चौथे दिन भी जलवा बरकरार

नई दिल्ली

कैंटरबरी में भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मुकाबले में लगातार चौथे दिन सोमवार को भी बल्लेबाज़ों का बोलबाला रहा, जिसमें दोनों टीमों के टॉप ऑर्डर ने रनों की बारिश कर दी। इंग्लैंड लॉयंस की पारी में आखिरी विकेट की साझेदारी ने बढ़ाया स्कोर मैच के चौथे दिन की शुरुआत इंग्लैंड लॉयंस की पहली पारी से हुई, जिसमें टीम ने भारत ए के 557 रन के जवाब में 587 रन बनाए। अंतिम विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई जिसने टीम के स्कोर को 30 रन की बढ़त दिला दी।

भारत ए की दूसरी पारी में तेज़ शुरुआत

दूसरी पारी में भारत ए की ओपनिंग जोड़ी ने तेज़ शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल और अभिमन्यु ईश्वरन दोनों ने पहले इनिंग की असफलता को पीछे छोड़ते हुए अर्धशतक जमाए। जायसवाल ने केवल 60 गेंदों में 64 रन बनाए, जिनमें 80प्रतिशत रन बाउंड्री से आए। दोनों ने मिलकर 123 रन की ओपनिंग साझेदारी की, वो भी रन-रेट से तेज़ गति से।

भारत ए की दूसरी पारी में सभी टॉप-6 बल्लेबाज़ों ने लगाया अर्धशतक

जुरेल-रेड्डी की जोड़ी ने रनों की रफ्तार को और बढ़ाया

जायसवाल के आउट होने के बाद ईश्वरन ने थोड़ी सावधानी बरती, लेकिन ध्रुव जुरेल के क्रीज़ पर आते ही फिर से रनगति तेज़ हो गई। जुरेल ने पहली पारी में 94 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में भी 51 गेंदों पर अर्धशतक ठोका। इसके बाद नितीश रेड्डी ने भी आक्रामक बल्लेबाज़ी की। पहली पारी में केवल 7 रन पर आउट होने वाले रेड्डी ने दूसरी पारी में 43 गेंदों में 51 रन जड़ दिए, जिसमें एक ओवर में डैन मौसली से 18 रन लिए। सभी टॉप-6 बल्लेबाज़ों ने दिखाया दम मैच की खास बात यह रही कि भारत ए के सभी टॉप-6 बल्लेबाज़ों ने दोनों पारियों में मिलाकर कम से कम एक अर्धशतक जरूर जमाया। इससे टीम का बल्लेबाज़ी क्रम पूरी तरह से संतुलित और मजबूत नज़र आया।

फ्रैंच ओपन टेनिस के दौरान डेंबले यूईएफए चैम्पयंस लीग ट्रॉफी दिखाते हुए

फ्रांस में पेरिस सेंट जर्मेन क्लब का फारवर्ड ओयुसमाने डेंबले यूईएफए चैम्पयंस लीग ट्रॉफी फ्रैंच ओपन टेनिस के दौरान दिखाते हुए।

इंग्लैंड के खिलाफ जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी 20 सीरीज के लिए सोमवार देर रात अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वापसी हुई है। वहीं, निकोलस पूरन को आईपीएल के व्यस्त शेड्यूल के बाद आराम दिया गया है। यह सीरीज मंगलवार को द ओवल में समाप्त हो रही वनडे सीरीज के बाद खेली जाएगी। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम आयरलैंड दौरे पर लौटेगी, जहां वे तीन और टी 20 मुकाबले खेलेंगे।

रसेल-होल्डर की वापसी, पूरन को आराम – जेसन होल्डर ने फरवरी 2024 में आखिरी बार टी20 मैच खेला था, जबकि रसेल ने नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ बारबाडोस में आखिरी बार मैदान संभाला था। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। निकोलस पूरन ने आईपीएल के बाद आराम की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया है।

शाई होप होंगे नए कप्तान, पॉवेल को बरकरार रखा गया – शाई होप को टी 20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है, जिन्होंने रोवमैन पॉवेल की जगह ली है। पॉवेल ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार झेली थी, लेकिन उन्हें टीम में बतौर खिलाड़ी शामिल रखा गया है।

शरफेन रदरफोर्ड और शिमरोन हेटमायर भी टीम में लौटे हैं, जबकि जस्टिन ग्रेव्स, शमार स्प्रिंगर और टेरेंस हाइंड्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली।

आयरलैंड सीरीज में कुछ बदलाव, नए चेहरे को मौका – आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए ब्रैंडन किंग को छुट्टी दी गई है, उनकी जगह कीसी कार्टी को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, नए टेस्ट कप्तान रोस्टन चेज इंग्लैंड सीरीज के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे और उनकी जगह पहली बार जेड गूली को टीम में मौका मिला है।

टीम के कोच डैरेन सैमी, फ्लॉयड रीफर और रवि रामपॉल भी इंग्लैंड सीरीज के बाद बारबाडोस लौटेंगे, जहां 13 से 21 जून तक टेस्ट कैंप लगेगा। आयरलैंड सीरीज के लिए रयॉन ग्रिफिथ को कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई है।

वेस्टइंडीज की इंग्लैंड के खिलाफ टी20 टीम:

शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

आयरलैंड के खिलाफ टी 20 टीम:

शाई होप (कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, जेड गूली, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

इंडोनेशिया ओपन में सिंधु ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर (राउंड ऑफ 32) में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराते हुए तीन गेमों के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की और लक्ष्य सेन को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने यह मुकाबला 22-20, 21-23, 21-15 से अपने नाम किया, जो कुल 1 घंटा 19 मिनट तक चला। पहला गेम जीतने के बाद लग रहा था कि सिंधु मुकाबला सीधे गेमों में निपटा लेंगी, लेकिन ओकुहारा ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को तीसरे गेम तक खींच लिया। तीसरे गेम में सिंधु ने लगातार बढ़त बनाए रखी और ओकुहारा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इसके साथ ही सिंधु बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन को सीजन की यह पांचवीं बार पहले राउंड में हार मिली। उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ 11-21, 22-20, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

अन्य मुकाबलों में अनुपमा उपाध्याय को साउथ कोरिया की किम गा युन के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। दिन में बाद में एच.एस. प्रणय और पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अपने-अपने मुकाबले में उतरेंगे।

इंडोनेशिया ओपन: मालविका बंसोड़ पहले दौर के मैच के दौरान हुईं रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया ओपन 2025 के राउंड ऑफ 32 में मंगलवार को स्थानीय खिलाड़ी पूतरी कुसुमा वर्दानी के खिलाफ मैच के बीच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा। बंसोड़ 21-16, 16-15 की बढ़त बनाए हुए थीं, तभी उनके घुटने में चोट लगने के कारण उन्होंने 54 मिनट के खेल के बाद मैच छोड़ दिया। भारतीय लेफ्ट हैंडर कोर्ट के पीछे से शॉट वापस करने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका बायां पैर फिसला और वह गिर पड़ीं। उन्हें दर्द में बायें घुटने को पकड़ते देखा गया। उन्होंने मेडिकल सहायता ली और वापसी की कोशिश की, लेकिन कोर्ट में हिलने-डुलने पर काफी दर्द महसूस होने के कारण खेल जारी नहीं रख पाईं। 23 वर्षीया मालविका इस सीजन थाईलैंड ओपन, मलेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में तीन बार राउंड ऑफ 16 तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अभी तक इस साल किसी भी टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय नहीं कर पाई हैं।

कहीं आपका टूथपेस्ट दांतों को चमकाने के बजाय आपको बीमार तो नहीं कर रहा...!

क्या आपके टूथपेस्ट में जहर है? अगर आपने अब तक इसके बारे में नहीं सोचा है तो अब सोचना शुरू कर दीजिए क्योंकि जो खुलासा हुआ है उसे जानकर आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से पहले हजार बार सोचेंगे.

हम आपको आज टूथपेस्ट से जुड़ी हुई खबर के बारे में बताने जा रहे हैं. टॉक्सिक लिंक नाम की एक एनजीओ ने दावा किया है कि ज्यादात्तर टूथपेस्ट में खतरनाक कैमिकल मिले हैं जो कि जहर के रूप में आपके शरीर में जा रहा है.

आपके टूथपेस्ट में जहर का दावा किया जा रहा है. दरअसल, टूथपेस्ट के जरिए जहर आपके शरीर में जा रहा है. टॉक्सिक लिंक नाम की संस्था का दावा है कि ज्यादात्तर टूथपेस्ट में ट्राईक्लोसन नामक केमिकल मिला होता है जो कि केमिकल के रूप में एक किस्म का जहर है. इसका असर ये होगा कि आप कैंसर और लीवर की गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था टॉक्सिक लिंक के प्रवक्ता प्रशांत कुमार का कहना है कि हमने लगभग 22 सैंपल की जांच की है जिनमें से तकरीबन 16 सैंपल्स में से ट्राईक्लोसन नामक केमिकल मिला है. बेशक, इन टूथपेस्ट में ट्राईक्लोसन की मात्रा किसी में कम या ज्यादा है. अब भारत में ट्राईक्लोवसन पर बैन की मांग की जा रही है. आपको जानकर हैरानी होगी सिर्फ टूथपेस्ट ही नहीं बल्कि नहाने के साबुन और हाथ धोने वाले सैनिटाइजर में भी ये कैमिकल बहुत अधिक मात्रा में है. जबकि दावा ये किया जाता है कि साबुन या सैनिटाइजर के इस्तेमाल से बैक्टीरिया के आक्रमण से बचा जा सकता है. लेकिन सच ये नहीं है जो विज्ञापनों में बताया जाता है.

काली गर्दन से हैं परेशान, तो इन घरेलू उपाय से करें गोरा

आज का समय फैशन का समय हैं। जिसमें हर कोई आगे रहने की होड़ लगाए रहता हैं। इस होड़ में कई ऐसी चीजे होती हैं। जिसके कारण हम अच्छे खासे परेशान भी हो जाते हैं। एक तरफ भागदौड़ भरी जिंदगी। दूसरी तरफ हम खुद पर इतना ध्यान नहीं दे पाते है। जिसके कारण न जाने कितनी स्किन प्राब्लम शुरु हो जाती हैं। अगर गर्दन काली हो तो चेहरे की सुंदरता भी फीकी पड़ने लगती है। कई लोग तो इसे साफ करने के लिए खूब रगड़ते भी है, लेकिन इससे आपको निजात नहीं मिलती है, बल्कि आपकी गर्दन भी लाल हो जाती हैं। अगर आप इससे निजात पाना चाहते है तो हम आपको अपनी खबर में कुछ घरेलू उपाय बता रहे है। जिनके इस्तेमाल से आप आसानी से अपनी काली गर्दन को गोरा कर सकते है। जानिए इन उपायों के बारे में।

बेकिंग सोडा : बेकिंग सोड़ा के बारे में तो आप अच्छी तरह जानते होगे। इसके इस्तेमाल आप खाने में करते है, लेकिन आप ये नहीं जानते है कि ये सौंदर्य के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इसके इस्तेमाल से आप आसानी से काली गर्दन को गोरा कर सकते है। इसके लिए 1 चम्मच पानी के साथ 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर अपनी गर्दन पर लगा लें। इसके बाद इसे सूखने दें। जब ये सूख जाएं, तो इसे साफ पानी से धो लें। अगर आप जल्द प्रभाव चाहते है, तो हफ्ते में कम से कम दो बार लगाएं।

आलू : आलू सेहत के साथ-साथ सौंदर्य के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इसके लिए कच्चे आलू को घिस कर सीधे गर्दन पर लगाए। इसके अलावा आप आलू का रस और नींबू का रस को मिलाकर इस पेस्ट को गर्दन में लगाएं। इसके बाद इसे कम से कम 20 मिनट लगा रहेने दे। इसके बाद साफ पानी से इसे धो लें। इससे आपको फायदा मिल जाएगा।

ये फायदे हैं बच्चे को डेकेयर में छोड़ने के

डेकेयर में भेजने के फैसला का सबसे उजला पहलू यह है कि आपके बच्चे को उसी की उम्र के बच्चों को साथ मिलेगा। इस तरह के माहौल में आपका बच्चा सोशल होना सीखेगा। यहां से उसे प्री-स्कूल और किंडरगार्टन जाने में भी आसानी होगी। वो जल्दी से जगह के माहौल के अनुरूप खुद को ढालना सीख लेगा।

एक शेड्यूल में रहना बच्चों की सबसे बड़ी जरूरत होती है। रूटीन नहीं होगा तो बच्चे चिढ़चिढ़े भी बन सकते हैं। डेकेयर में उन्हें तयशुदा वक्त पर सारे काम करना होंगे। यह शायद वो चीज है जो अभी तक आप भी अपने बच्चे को नहीं दे पाए हैं। अभी तक तो वो कभी भी सोता और कभी भी खाता था। हो सकता है यह आपको उसके लिए थोड़ा जल्दी लगे, लेकिन वो दुनिया के कायदे जल्दी से सीख भी तो रहा है।

यह तय है कि आपका बच्चा सर्दी और कीटाणु भी साथ लेकर लौटेगा। अगर कुछ वक्त वो और घर पर बिताता तो शायद ऐसा नहीं होता। वैसे अध्ययन बताते हैं कि जब वो स्कूल जाएगा तो साथी बच्चों की तुलना में कम बीमार रहा करेगा क्योंकि हो सकता है दूसरे बच्चे डे केयर में नहीं रहे हों और उनका इम्यून सिस्टम इतना मजबूत नहीं हो। उम्र के हिसाब से डेकयर में बच्चों को क्राफ्ट्स में बिजी रखा जाता है, उन्हें लेसन सिखाए जाते हैं। इससे वे सोचना शुरू करते हैं। उसका असर आपको तब दिखेगा जब वे स्कूल में अच्छे ग्रेड्स लेकर आएंगे। यह भी पक्का है कि डेकेयर में रहे बच्चों बौद्धिक क्षमताएं, आम बच्चों से ज्यादा ही होती हैं।

किसी भी मां के लिए अपने बच्चे को डेकेयर में भेजना एक मुश्किल फैसला होता है। कई बार यह जरूरी हो जाता है और आपको तय करना ही होता है। ये कुछ बातें आपको यह मुश्किल फैसला लेने में मदद करेंगी...

भले ही अपने बच्चे को डेकेयर में अजनबियों के भरोसे छोड़ना और उसकी देखभाल करने की इजाजत देना मुश्किल फैसला हो, लेकिन यह भी जरूरी है कि बतौर महिला या मां आपको अपने बच्चों से अपने लिए थोड़ा वक्त चुराना भी जरूरी है। अपनी समस्याओं के हल के लिए, आराम और खेल के लिए आपको भी कुछ वक्त चाहिए, ऐसा करेंगी तो ही अच्छी मां भी बन पाएंगी।

करें सिर्फ एक योगासन और पाएं डार्क सर्कल से निजात

आप ये बात तो अच्छी तरह से जानते है कि हमारे शरीर के लिए योग बहुत ही जरुरी है। योग करने से हमारे शरीर में स्फूर्ति के साथ हर तरह की बीमारी से बचाता हैं। आज के समय में तो योग को चिकित्सा से जोड़ दिया गया है। अब डॉक्टर्स भी हर बीमारी में योग करने की सलाह देते है।

योग करने से सेहत के साथ-साथ आपको सौंदर्य भी मिलता है। लेकिन आप यह बात नहीं जानते होगे कि योगासन से आप डार्क सर्कल से निजात पा सकते है। हम डार्क सर्कल से निजात पाने के लिए क्या नहीं करते है।

महंगे से मंहगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। या फिर किसी के द्वारा बताए गए उपायों को अपनाते हैं। जिससे निजात तो मिल जाते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर इसी समस्या का सामना करना पडता है। लेकिन इस योग को करने से आपको कभी भी डार्क सर्किल की समस्या नहीं होती है। इस योगासन का नाम है हस्तपदासन। जानिए इसे करने की विधि के बारें में।

हस्तपदासन को करने से सिर्फ डार्क सर्कल ही नहीं खत्म होते हैं, बल्कि इसे करने से पेट की मांसपेशिया मजबूत होती है, रक्त संचार, कमर दर्द आदि से निजात मिलता है। जानिए इसे योगासन को करने की विधि के बारें में।

ऐसे करें योगासन

सबसे पहले एक दरी बिछा लें, इसके बाद इसके ऊपर खड़े हो जाएं और अपने पैरों को दूर करें, जितना की आपके कंधे एक-दूसरे से हैं। फिर दोनों हाथों को सीधा करें और ऊपर की ओर ले जाएं, इससे आपकी रीढ़ की हड्डी पर जोर पडेगा। अब धीरे से झुकें और फर्श को अपनी हथेली से छुएं और सिर को घुटने से टच करें। इस प्रकार आपके शरीर में लचीलापन आ जाएगा। हथेली से फर्श को छूते हुए धक?का न लगाएं और अब अपनी उंगलियों के पोरों से फर्श को छूना शुरु करें। सहज होने तक ही छुएं। इससे आपको आराम मिलेगा। इसके बाद सामान?य तरीके से सांस लें और आसन करने के दौरान जोर न लगाएं। आराम से आसन करें। इस आसन को करने से आपको अच्छी नींद आएगी। जिससे आपको डार्क सर्कल की समस्या से निजात मिल जाएगा। आज के समय में डार्क सर्कल होने का मुख्य कारण पूरी नींद न लेना है।

कैरियर

मीडिया सेक्टर में मिल रहे हैं नए प्लेटफॉर्म पर ढेरों मौकें

गुजरते वक्त के साथ पत्रकारिता का चेहरा, उसके तेवर और कलेवर सब बदल रहे हैं। सूचनाओं के संप्रेषण के लिए समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या रेडियो ही विकल्प नहीं रहे, बल्कि डिजिटल और सोशल मीडिया के साथ-साथ स्मार्टफोन जैसे प्लेटफॉर्म से भी देश-दुनिया की खबरें मिल रही हैं। मगर इन सभी में एक कला का खास प्रयोग होता है, वह है लेखन।

कहते भी हैं कि कलम की ताकत और धार तलवार से अधि?क होती है। शायद यही वजह है कि वर्तमान पीढ़ी का मोह पत्रकारिता से भंग नहीं हुआ है। अगर आपके अंदर भी खबरों और घटनाओं को सूक्ष्मता से देखने, समझनेपरखने, समीक्षा करने की काबिलियत है, तो मास कम्युनिकेशन में स्वयं को आजमा सकते हैं।

संभावनाएं

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आने से मास कम्युनिकेशन में संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अखबार, मैग्जीन, न्यूज एजेंसी, टीवी, रेडियो, इंटरनेट पोर्टल्स, प्रोडक्शन हाउस, प्रेस सूचना ब्यूरो, पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट के अलावा डायरेक्टरेट ऑफ एडवरटाइजिंग एंड विजुअल पब्लिसिटी, सूचना प्रसारण मंत्रालय आदि में काम करने के बेहतर

अवसर हैं। आप फ्रीलांसर के रूप में भी पेशे से जुड़ सकते हैं। आप रिपोर्टर, स्तंभकार, फोटोग्राफर, रिसर्चर, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, पब्लिकेशन डिजाइन, फिल्ममेकिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, कॉपी एडिटिंग के अलावा बतौर समाचार विश्लेषक करियर बना सकते हैं।

स्पेशलाइजेशन

मीडिया वर्ल्ड के अंतर्गत प्रिंट, जर्नलिज्म, टीवी जर्नलिज्म, एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, सिनेमा, रेडियो, थिएटर, डिजिटल और सोशल मीडिया सभी आते हैं। मास कम्युनिकेशन के तहत ही इन सभी की पढ़ाई होती है। प्रिंट में रिपोर्टिंग, एडिटिंग, लेआउट डिजाइनिंग के विकल्प हैं, जबकि टेलीविजन में रिपोर्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, वीडियो एडिटिंग जैसे विकल्प हैं।

रिपोर्टिंग और डेस्क

एक पत्रकार डेस्क और फील्ड, दोनों क्षेत्रों में काम कर सकता है। डेस्क वर्क में कॉपी राइटिंग और संपादन का कार्य होता है। जो थोड़े बहिर्मुखी होने के अलावा खबरों के अंदर छिपे सच को सामने लाने की काबिलियत रखते हैं, वे फील्ड ऑप्शन यानी रिपोर्टिंग चुन सकते हैं।

डिमांड कंटेट राइटर्स की

भारत में टेक्नोलॉजी ने डिजिटल और सोशल मीडिया के अलावा अखबारों को भी विस्तार दिया है। प्रिंट, टेलीविजन, एडवरटाइजिंग, डिजिटल और सोशल मीडिया सेक्टर में काफी ग्रोथ देखी जा रही है।
- एन आर मोहंती, (निदेशक, जेआइएमएमसी, नोएडा)

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड मास कम्युनिकेशन, नोएडा- कानपुर
- एडिट वर्क्स, नोएडा
- एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली
- द दिल्ली फिल्म इंस्टीट्यूट

भगवान हनुमान से जानिए जीवन में सफल होने के 3 स्पेशल फ़ॉर्मूले

हर मनुष्य को अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होता है। क्योंकि बिना संघर्ष के सफलता नहीं पाई जा सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण स्वयं भगवान हनुमान हैं। जैसे - रामभक्त हनुमान ने भी लंका जाने के लिए और वहां माता सीता को खोजने के लिए बहुत संघर्ष किया था। इसलिए मनुष्य को संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसी प्रकार जामवंत भी लंका विजय के अभियान में सबसे बुजुर्ग वानर थे। जब हम सुंदरकांड का पाठ शुरू करते हैं तो शुरुआत में ही उनके नाम का उल्लेख आता है, वह हमें सीख देता है कि हम अपने बुजुर्गों का सम्मान करें।

भगवान हनुमान से जानिए सफलता के 3 सूत्र

1. **सफलता का पहला सूत्रः** सक्रियता। जैसे हनुमानजी हमेशा सक्रिय रहते थे। वैसे ही मनुष्य का तन हमेशा सक्रिय रहना चाहिए और मन निष्क्रिय होना चाहिए। मन का विश्राम ही मेडीटेशन है। आप मन को निष्क्रिय करिए तो जीवन की बहुत-सी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

2. **सफलता का दूसरा सूत्र हैः** सजगता। मनुष्य को हमेशा सजग रहना चाहिए। यह तभी संभव है, जब उसका लक्ष्य निश्चित होगा। इससे समय और ऊर्ज़ा का सदुपयोग होगा। इसका उदाहरण यह है कि स्वयं हनुमानजी ने लंका यात्रा के दौरान कई तरह की बाधाओं का सामना किया। सबसे पहले उन्होंने मैनाक पर्वत को पार किया, जहां पर भोग और विलास की सारी सुविधाएं उपलब्ध थी, लेकिन हनुमानजी ने मैनाक पर्वत को केवल छुआ। अन्य चीजों पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

इसके बाद उन्हें सुरसा नामक राक्षसी मिली। इसे पार करने के लिए हनुमानजी ने लघु रूप धारण किया। हनुमानजी का यह लघु रूप हमें बताता है कि दुनिया में बड़ा होना है, आगे बढ़ना है तो छोटा होना पड़ेगा। छोटा होने का तात्पर्य यहां आपके कद से नहीं आपकी विनम्रता से है, यानी हमें विनम्र होना पड़ेगा।

3. **सफलता का तीसरा सूत्रः** सक्षम होना यानी मनुष्य को तभी सफलता मिल सकती है, जब वह सक्षम होगा। सक्षम होने का मतलब केवल शारीरिक रूप से ही सक्षम होना नहीं है, बल्कि तन, मन और धन तीनों से सक्षम होना है। जब हम इन तीनों से पूरी तरह सक्षम हो जाएंगे तभी हम सफलता को प्राप्त कर सकेंगे।

डायबिटीज रोगी क्या खाएं और क्या नहीं

अगर आपको पिछले कुछ दिनों से बार-बार पेशाब आती है या पेशाब में जलन होती है तो जांच करवाएं। जांच के दौरान अगर ब्लड सुगर लेवल हाई निकलता है तो आपको अपनी जीवनशैली में कुछ परिवर्तन करने की आवश्यकता है और खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। ताकि आप डायबटीज के मरीज न होने पाएं। जानें, मधुमेह के रोगियों को अधिक पानी क्यों पीना चाहिए आपको अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना आवश?यक है जो शरीर में शर्करा को कम कर दें यानि, आलू, चीनी मिठाईयां, मीठे बिस्कुट, चॉकलेट, कॉर्बोनेटेड ड्रिंक, कंडेस्ड मिल्क, क्रीम और अन्य फैट युक्त भोजन का सेवन बंद कर दें। यहां तककि जंक फूड, कुक़ीज और प्रिर्ज्वड फूड का सेवन भी न करें

ग्रीन टी पिएं, या इसके बदले आप कोई हर्बल टी भी पी सकते हैं। डायबटीज में सबसे अच्छी ब्लूबेरी लीफ टी होती है। दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, इससे भी काफी लाभ मिलेगा।

अगर कुछ स्वीट बनाना हो, तो शहद का इस्तेमाल करें, इसमें प्राकृतिक मिठास होती है जो शरीर को हानि नहीं पहुँचाता है। पाम सुगर का इस्तेमाल भी इमरजेंसी में किया जा सकता है। बिना वसायुक्त दूध का सेवन करें और अगर दूध ताजा हो, तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

साबुत अनाज, फल, नट्स, सब्जियां और दूध से बने उत्पादों को अपनी डाइट में शामिल कर लें। खीरा, लेट्टस, प्याज, लहसुन, स्ट्रिंग बीन्स, मूली, टमाटर, गाजर, पालक, शलजम, वंदगोभी और आटिचोक का सेवन अवश्य करें। ये डायबटीज होने पर शरीर को ताकत देती हैं और शरीर में शर्करा का स्तर बढ़ने नहीं देती हैं।

हाईफाइबर फूड खाने से शरीर को ऊपर से इंसुलिन डोज देने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। क्योंकि ऐसी खुराक में क्रोमियम होता है जो डायबटीज से फाइट करता है।

प्रतिदिन पौटेशियम युक्त भोजन, जैसे; रॉ नट्स, टमाटर, केला, खरबूजा, सूखी मटर, एप्पल सिडर सिरका, पाउडर मिल्क और गेंहू का सेवन अवश्य करें। इससे शरीर को ऊर्ज़ा मिलती है और पौटेशियम की कमी दूर होती है। साथ ही इन खाद्य पदार्थों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो लाभकारी होती है। फूड चार्ट में दलिया, राजमा, काले चने, मटर आदि भी शामिल करें।

सेटिंग बदलकर विंडोज 10 पर करें स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड

ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज 10 को लॉन्च हुए एक साल हो गया है। दुनियाभर में 36 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। इस ऑपरेटिंग सिस्टम में कुछ ऐसे छिपे हुए फीचर हैं जो कंप्यूटर पर काम को आसान और तेज बनाते हैं। कंप्यूटर में जिस तरह स्क्रीनशॉट लिया जाता है उसी तरह किसी एप की वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। स्टार्ट मेन्यू में अपनी जरूरत के हिसाब से एप शामिल कर सकते हैं।

स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड करें

कंप्यूटर पर यूजर अगर गेम खेलते समय उसे रिकॉर्ड करना चाहते हैं तो स्क्रीनशॉट की तरह उसकी वीडियो भी रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस सुविधा का इस्तेमाल कंप्यूटर पर खुली हुई किसी भी एप की वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जीमेल और आउटलुक जैसी एप से मेल भेजते समय उसकी वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। हालांकि इससे डेस्कटॉप स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड नहीं की जा सकती। इसके लिए सबसे पहले विंडोज की' के साथ कीबोर्ड में जी (द्बवद्वदधबप द्मद्गभ + क्र) के बटन को दबाएं। इसके बाद एक नई कमांड खुलेगी जिसमें गेम बार खोलने के बारे में पूछा जाएगा तो 'यस' के विकल्प पर क्लिक कर दें। यहां एक छोटी पट्टी के रूप में गेम बार खुलेगा। इसमें रिकॉर्ड के आइकन पर क्लिक कर दें। इस वीडियो को एक्सबॉक्स एप के वीडियो फोल्डर में देख सकते हैं।

कोरटाना पर पाएं गूगल सर्च के रिजल्ट

विंडोज 10 में कोरटाना का फीचर मौजूद है जिसके जरिए कंप्यूटर पर बोलकर कुछ भी सर्च करने की कमांड दे सकते हैं। हालांकि यह बिंग सर्च इंजन का इस्तेमाल करता है। अगर इसमें गूगल सर्च इस्तेमाल करना चाहते हैं तो फायरफॉक्स को अपना डिफॉल्ट वेब ब्राउजर बनाएं। इसके लिए स्टार्ट मेन्यू में सेटिंग के विकल्प पर जाएं। सेटिंग में 'सिस्टम' और उसके बाद 'डिफॉल्ट एप' का विकल्प चुनें। यहां वेब ब्राउजर में मोजिला फायरफॉक्स को अपना डिफॉल्ट ब्राउजर सलेक्ट कर लें। इसके बाद कोरटाना में वॉयस कमांड देने पर यह मोजिला के सर्च रिजल्ट दिखाएगा। अगर मोजिला में गूगल सर्च नहीं दिखा रहा है तो ब्राउजर की सेटिंग में सर्च के विकल्प पर 'गूगल' सिलेक्ट कर दें।

स्टार्ट मेन्यू में पसंदीदा साइट पिन करें

विंडोज 10 में स्टार्ट मेन्यू को अपनी पसंद के हिसाब से सेट किया जा सकता है। किसी भी एप जैसे रिसाइकल बिन, वेब ब्राउजर को स्टार्ट मेन्यू में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए किसी भी एप को राइट क्लिक करने के बाद 'पिन टू स्टार्ट' के विकल्प पर क्लिक कर दें। यह एप स्टार्ट मेन्यू में शामिल हो जाएगी। इसके अलावा पसंदीदा वेबसाइट को भी स्टार्ट मेन्यू में शामिल किया जा सकता है। । माइक्रोसॉफ्ट के एज ब्राउजर में उस वेब पेज पर जाएं जिसे स्टार्ट मेन्यू में पिन करना चाहते हैं। यहां ब्राउजर में ऊपर दिए गए तीन डॉट के विकल्प पर क्लिक करें। इसके नीचे 'पिन टू स्टार्ट' का विकल्प दिया गया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**